रोहतक
रविवार, 30 मार्च 2025
चैत्र मास शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा वर्ष : 29, अंक : 58
पृष्ठ 16 मूल्य 3.00
मौसम
अधि. 36.1
न्यून. 9.0

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
चैत्र नवरात्र की मंगलकामनाएं
haribhoomi.com

K.R. MANGALAM
World School
Bahadurgarh

ENGAGE. LEARN. INNOVATE.

ADMISSIONS NOW OPEN
Session 2025-26
Nursery - Grade IX & XI
(Play Group Also Available)

Ranked No. 1
INNOVATORS CATEGORY
(BY TIMES SCHOOL SURVEY 2024)

KRM LEGACY
- 40,000+ Students Studying
- 50,000+ Alumni Members
- 4,000 Faculty On Board
- Best Academic Experts
- Seamless Admission Process
- Innovative Learning Modules
- Student-Friendly Campus
- Global Student Exchange Programmes

Unleash Your ATHLETIC POTENTIAL
ELITE COACHING | MODERN FACILITIES | HOLISTIC DEVELOPMENT

At K.R. Mangalam World School, Bahadurgarh, we believe in nurturing both the mind and body. Our top-notch sports programmes encourage students to achieve excellence in athletics.

WHY CHOOSE US?
- Professional Sports Coaching
- Extensive Sports Facilities
- Focus on Teamwork and Discipline
- Opportunities for Inter-School Competitions

SPORTS & GAMES ACTIVITIES
- Soccer (6-a-Side Football)
- Basketball
- Volleyball
- Lawn Tennis
- Foosball
- Badminton
- Yoga
- Chess
- Carrom Board
- Table Tennis

admission@krmangalambahadurgarh.com
www.krmangalambahadurgarh.com
Sector-2, Near Gauri Shankar Mandir, Bahadurgarh
9549899503

G.K.- II | Vikaspuri | Kailash Colony | Paschim Vihar | Vaishali | Greater Noida | Faridabad | Gurugram | Bahadurgarh | Panipat | G.K.- I (IB) | Lucknow

खबर संक्षेप

मंत्रियों और विधायकों ने देखी छावा मूवी

चंडीगढ़। प्रदेश के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने शनिवार को मंत्रिमंडल के कई मंत्रियों व विधायकों के साथ चंडीगढ़ के एलांते मॉल में छावा मूवी देखी। इस मौके पर मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि छावा मूवी छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे संभाजी महाराज के पराक्रम को दर्शाती है। संभाजी महाराज ने मुगल शासक औरंगजेब को नाको चने चबवा दिए थे। युवाओं को संभाजी महाराज से प्रेरणा लेनी चाहिए।मंत्री ने कहा कि है मूवी शौर्य, त्याग बलिदान और कुर्बानी से भरी है। इस मौके पर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री कृष्ण कुमार,विधायक सावित्री जिंदल, विधायक शक्ति रानी शर्मा व अन्य कई विधायक मौजूद रहे।

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देना लक्ष्य : आरती राव

चंडीगढ़। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही राज्य सरकार निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से आमजन को बेहतर सेवाएं देने को प्रतिबद्ध है। आरती सिंह राव शनिवार को नारनौल में आयोजित अधिकारियों की एक बैठक में बोल रही थी। उन्होंने सबसे पहले जिला महेंद्रगढ़ की 128 ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त करने पर स्वास्थ्य विभाग तथा जिला प्रशासन को बधाई दी।

लघु उद्योगों को देंगे प्रोत्साहन : उपायुक्त

फरीदाबाद। लघु उद्योग भारती फरीदाबाद/बल्लभगढ़ द्वारा आयोजित उद्योग निर्देशिका विमोचन कार्यक्रम में उपायुक्त विक्रम सिंह ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत कर आयोजकों को शुभकामनाएं दी। डीसी विक्रम सिंह ने सभी उद्यमियों को आश्वस्त किया कि प्रशासन जिला के उद्यमियों के साथ है और भविष्य में भी किसी उद्यमी को कोई प्रशासनिक परेशानी आती है तो वह सीधे उनसे संपर्क करें। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार एवं फरीदाबाद प्रशासन उद्यमियों को सहयोग करने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। प्रशासन और सरकार को भी उद्यमियों से सहयोग की अपेक्षा है।

48 लाख के विकास कार्यों का शुभारंभ

फरीदाबाद। प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री और विधायक पं. मूलचंद शर्मा ने बल्लभगढ़ विधानसभा की फ्रेंड्स कॉलोनी में लगभग 48 लाख रुपए की लागत से किए जाने वाले विकास कार्यों की सौगात दी। विधायक पं.मूलचंद शर्मा ने फ्रेंड्स कॉलोनी वासियों को सीवर, पानी और सडक़ की सौगात दी है। स्थानीय निवासियों के हाथ नारियल तुड़वाकर उन्होंने विकास कार्यों का मुहूर्त किया है। इस मौके पर वार्ड 46 के पार्षद सोहनवीर वैष्णव और वार्ड 41 के पार्षद महेश गोयल भी मौजूद रहे। इस मौके पर उन्होंने स्थानीय निवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस बार बतौर वित्त मंत्री बनकर शानदार बजट पेश किया है।

58.18 घंटे चली कार्यवाही,10 प्रश्नकाल में 200 प्रश्न पूछे गए,173 के मिले जवाब

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

विस सत्र स्पीकर हरविन्द्र कल्याण ने पत्रकारों के साथ साझा की कार्यक्षमता

- विधान सभा सचिवालय को 61 सदस्यों से 435 प्रश्न मिले थे, 335 एडमिट किए

15वीं हरियाणा विधान सभा का पहला बजट सत्र बेहतरीन कामकाज और अनुशासन की अमिट छाप छोड़कर एक दिन पहले समाप्त हो गया। इस सत्र के दौरान 58 घंटे 18 मिनट कार्यवाही चली, जिसकी कार्य उत्पादकता 114 फीसदी रही। 7 मार्च से शुरू हुए इस सत्र के दौरान 12 दिनों में 13 बैठकें हुईं। कुल 18 विधेयक पारित किए गए। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शनिवार को सेक्टर 3 स्थित हरियाणा निवास में प्रेस वार्ता कर पत्रकारों के साथ आंकड़े साझा किए। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने बताया कि बजट सत्र के दौरान रिकॉर्ड 86.50 फीसदी तारांकित प्रश्नों पर सदन में चर्चा हुई। 10 प्रश्नकाल में 200 प्रश्न शामिल किए गए थे, इनमें से 173 के जवाब हाउस में दिए गए। काफी समय के बाद से यह सबसे अच्छा रिकॉर्ड है। विधान सभा सचिवालय को 61 सदस्यों से 435 प्रश्न मिले थे, 335 एडमिट हुए। इनमें भाजपा के 26, कांग्रेस के 31, इनेलो के 2 तथा 2 निर्दलीय विधायकों ने प्रश्न भेजे।इस दौरान राज्यपाल अभिभाषण पर 5 बैठकों में 11 घंटे 33 मिनट लंबी तक चर्चा हुई। इसमें 46 सदस्यों ने भाग लिया। 2 घंटे 56 मिनट मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जवाब दिया। सीएम समेत भाजपा के 24 सदस्य 7 घंटे 2 मिनट बोले, कांग्रेस के 20 सदस्य 4 घंटे 9 मिनट, इनेलो के 2 सदस्यों ने 22 मिनट तक अपनी बात रखी। इसी प्रकार 11 घंटे 57 मिनट बजट पर चर्चा हुई। इसमें से 8 घंटे 26 मिनट तक 46 सदस्य बोले, 3 घंटे 31 मिनट वित्त मंत्री का जवाब। इसमें भाजपा के 22 सदस्य 426 मिनट बोले, कांग्रेस के 21 सदस्य 257 मिनट तक बोले, इनेलो के 2 सदस्य 19 मिनट और निर्दलीय 2 सदस्य 15 मिनट तक बोले। सत्र के दौरान कुल 6 बैठकों में शून्यकाल रहा, जिसकी कार्यवाही 5 घंटे 58 मिनट तक चली। इसमें 66 सदस्यों ने भाग लिया। इनमें भाजपा के 29 सदस्य को 160 मिनट मिले। कांग्रेस के 33 सदस्य 175 मिनट, इनेलो के 2 सदस्य 12 मिनट तथा निर्दलीय 2 सदस्य 11 मिनट तक इसमें भाग लिया। इसके साथ ही उन्होंने नए उठाए गए कदमों की जानकारी भी दी। कल्याण ने बताया कि नशा मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रभावी काम करने के लिए जनहित में दो विषय समितियां बनाई जाएगी।

इस बार 2212 दर्शकों ने सदन की कार्यवाही देखी

उन्होंने कहा कि इस दौरान विधान सभा सचिवालय को 54 ध्यानाकर्षण सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिनमें से 19 स्वीकृत की गईं। एक गैर सरकारी प्रस्ताव पर भी विधान सभा में चर्चा हुई। अल्प अवधि चर्चा के लिए 3 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, तीनों ही स्वीकृत किए गए। विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें गर्व है कि इस दौरान हरियाणा को अपना राज्य गीत भी मिला, जिसे सदन में सुनाया गया। सभी दलों की तरफ से सकारात्मक चर्चा के बाद इसे सदन ने स्वीकृत किया। हरियाणा राज्य गीत के गायन के तौर तरीके तय करने के लिए समिति गठित करेंगे। विस अध्यक्ष ने बताया कि इस सत्र में दर्शक दीर्घाओं में 2212 दर्शकों ने सदन की कार्यवाही देखी।

अवैध खनन रोकने के लिए कई जगह छापेमारी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

- महेंद्रगढ़ में मुख्यालय से आई टीम ने की वाहनों की चेकिंग
- एक डंपर और एक ट्रैक्टर -ट्रॉली पकड़े, 6.35 लाख जुर्माना लगाया

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार जिला महेंद्रगढ़ में पुलिस के सहयोग से खनन कार्यों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। जिला में अवैध खनन तथा खनिज के अवैध तरीके से परिवहन को लेकर जिला प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में पिछले तीन दिनों में जिला प्रशासन व मुख्यालय से आई टीम ने 250 वाहनों की चेकिंग की।

राजस्थान बॉर्डर पर नजर

इस दौरान राजस्थान से अवैध तरीके से रोड़ी तथा बजरी का परिवहन करते एक ट्रैक्टर-ट्राली तथा डंपर को पकड़ा। इन दोनों वाहनों पर 6.35 लाख रुपए जुर्माना वसूली की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। खनन विभाग के प्रवक्ता ने शनिवार इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि सरकार व जिला प्रशासन खनन कार्यों में पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि किसी भी सूरत में अवैध खनन या खनिज का अवैध तरीके से परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि खनन विभाग की टीम द्वारा अरावली पहाड़ियों के गांव सोहला, बायल, रोपड़ सराय, जैनपुर, मोसमपुर, मांदी नदी के किनारे क्षेत्र और बखरीजा में अवैध खनन के लिए पत्थर और बजरी की जांच की गई। जांच के दौरान पुराने खनन के गड्ढों को छोड़कर कोई अवैध खनन नहीं पाया गया। इसके अलावा, उन्होंने संचालन खदानों की भी जांच की और जिले के संचालन खदानों के आसपास कोई अवैध अतिक्रमण नहीं पाया गया।

सैलजा ने की सिरसा व फतेहाबाद में डे केयर कैंसर सेंटर खोलने की मांग

चंडीगढ़। सांसद सैलजा ने सिरसा संसदीय क्षेत्र घग्गर नदी के प्रदूषित पानी के कारण कैंसर से अधिक प्रभावित हैं, इन कैंसर रोगियों के उपचार के लिए कोई योजना है को लेकर पूछे गए सवाल पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव के जवाब पर आपत्ति जाहिर करते हुए कहा कि केंद्र सरकार देश के सभी जिला अस्पतालों में डे केयर कैंसर सेंटर खोलने जा रही है, उन्हें जल्द से जल्द सिरसा, फतेहाबाद जिला में खोला जाए ताकि कैंसर पीड़ितों को उपचार के लिए इधर उधर न भटकना पड़े।

सैलजा ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री से सवाल किया था कि हरियाणा में कैंसर पीड़ितों की जांच और उपचार के लिए कितने डे केयर सेंटर स्थापित किए जाने है, क्या यह सच है कि हरियाणा के टोहाना, रतिया, सिरसा, रानियां और ऐलनाबाद क्षेत्र तथा सिरसा संसदीय क्षेत्र घग्गर नदी के प्रदूषित पानी के कारण कैंसर से अधिक प्रभावित हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, क्या सरकार के पास उक्त क्षेत्र में कैंसर रोगियों के उपचार के लिए कोई योजना है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, इन सवालों का जवाब सांसद ने मांगा

उपभोक्ताओं के अधिकारों के लिए एचईआरसी ने उपभोक्ता संरक्षण सेल का पुनर्गठन किया

चंडीगढ़। हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग ने राज्य भर में बिजली उपभोक्ताओं के अधिकारों को सशक्त करने के लिए अपने उपभोक्ता संरक्षण सेल का पुनर्गठन किया है। एचईआरसी अध्यक्ष नन्द लाल शर्मा के नेतृत्व में शुरू की गई इस पहल ने 2018 में स्थापित पूर्व सेल को एक नई संरचना के साथ बदल दिया है, जिसका उद्देश्य उपभोक्ता अधिकारों को सुदृढ़ करना, शिकायत निवारण तंत्र को सुव्यवस्थित करना और नियामक निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना है। पुनर्गठित उपभोक्ता संरक्षण सेल की अध्यक्षता एचईआरसी के सदस्य (विधि) मुकेश गर्ग करेंगे। इसके सदस्यों में विद्युत लोकपाल आर.के. खन्ना, संयुक्त निदेशक (विधि) अलोका शर्मा, तकनीकी अनुभाग का एक प्रतिनिधि, संबंधित वितरण लाइसेंसधारी क्षेत्र का मुख्य अभियंता और उप निदेशक (मीडिया) प्रदीप मलिक शामिल हैं, जो सदस्य और समन्वयक के रूप में कार्य करेंगे। सेल का प्रमुख उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों और उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच की भूमिका के बारे में शिक्षित करना है। यह सेल और लोकपाल के आदेशों के अनुपालन की निगरानी करेगा, बिलिंग विवादों को संबोधित करेगा, ऊर्जा संरक्षण और सुरक्षा को बढ़ावा देगा, और विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 57 के पालन को सुनिश्चित करेगा, जो बिजली वितरण निगमों के प्रदर्शन मानकों को निर्धारित करती है। इसके अतिरिक्त, यह सेल शिकायतों के पैटर्न का विश्लेषण करेगा, नीतिगत हस्तक्षेपों का प्रस्ताव देगा और नियमित समीक्षा बैठकों का आयोजन होगा।

युवकों ने मचाया उत्पात, क्लब के सुरक्षा कर्मियों से की मारपीट

गुरुग्राम। सेक्टर-40 थाना क्षेत्र में एक क्लब में युवकों द्वारा क्लब के बाउंसर व सिक्योरिटी स्टाफ के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने पर पुलिस ने कई युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी है। वहीं पुलिस क्लब में हुए झगड़े की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस को दी शिकायत में रोहतक निवासी सचिन ने बताया कि वह सेक्टर-30 स्थित इबोला क्लब में बाउंसर के तौर पर कार्य कर रहा है। 25 मार्च की रात युवकों के एक ग्रुप ने क्लब में एंट्री की। युवक खाने-पीने के दौरान काफी शोर-शराबा कर रहे थे। इसके साथ ही दो युवक पुसअप करने लगे। इससे क्लब में उपस्थित अन्य ग्राहकों ने एतराज जताया। क्लब के सिक्योरिटी प्रभारी प्रवीन ने युवकों को समझाया कि कल्ब का माहौल खराब न करें। इससे वे तैश में आ गए। इसी दौरान तीन युवक क्लब से बाहर चले गए और कुछ देर बाद वापस क्लब में एंट्री करने लगे। सिक्योरिटी स्टाफ ने उनको अंदर जाने से रोक दिया। इसके बाद बाहर खड़े युवकों ने क्लब के अंदर से अपने अन्य साथियों को बाहर बुला लिया। उन्होंने क्लब के बाउंसर व स्टाफ के साथ मारपीट शुरु कर दी।

गुरुग्राम में आग से दो सौ झुग्गियां जलकर खाक

- दमकल विभाग ने छह घंटे की मशक्कत के बाद काबू पाया

गुरुग्राम। साइबर सिटी गुरुग्राम के बसई फ्लाईओवर के पास सुबह भीषण आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि इसकी लपटें दूर दूर तक देखी गई। सूचना मिलते ही दमकल की एक दर्जन से ज्यादा गाडिय़ों को मौके पर भेजा गया। करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन इस बीच करीब दो सौ झुग्गियां जलकर खाक हो गई। गनीमत रही कि घटना में फिलहाल किसी भी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। आग लगने की वजह का अभी पता नहीं लग सका है। बसई फ्लाईओवर के पास करीब 200 से ज्यादा झुग्गियां बनी हुई थी। इसमें ज्यादातर झुग्गियों में लोग कपड़े की दुकान करते थे। बताया जा रहा है कि आज तडक़े सुबह इसमें अचानक आग लग गई। कपड़ा होने के कारण आग तेजी से फैलने लगी और इसने भयंकर रूप ले लिया। पूरे क्षेत्र में अफरा तफरी का माहौल हो गया। सूचना मिलते ही सेक्टर-37 सहित, सेक्टर-29, भीम नगर, उद्योग विहार व आसपास के दमकल केंद्रों से दर्जन भर से ज्यादा गाडिय़ों को मौके पर बुलाया गया। करीब छह घंटे में आग पर काबू पाया गया।

शादी का झांसा देकर कंपनी मैनेजर पर दुष्कर्म का आरोप

- पुलिस ने युवती की शिकायत पर केस दर्ज किया

गुरुग्राम। डीएलएफ फेज-3 एरिया में शादी का झांसा देकर कंपनी मैनेजर द्वारा कंपनी की महिला कर्मी से रेप करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि मैनेजर युवती को बार-बार अपने प्राईवेट रूम में बुलाकर उसके साथ रेप करता था। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी। पुलिस को दी शिकायत में यूपी मूल की युवती ने कहा कि वह गुडग़ांव की एक कंपनी में नौकरी करने के लिए आई थी। वह यहां डीएलएफ फेज-3 एरिया में रह रही थी। युवती का आरोप है कि कंपनी का मैनेजर विजय काम के नाम पर उसे अपने प्राइवेट रूम में बुलाता था। विजय ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। विरोध करने पर आरोपी ने उसे शादी करने का झांसा दिया। आरोप है कि शादी करने का झांसा देने के बाद उसने 9 सितंबर 2023 से 20 अप्रैल 2024 के बीच उसके साथ कई बार संबंध बनाए। अब आरोपी ने उससे शादी करने से इंकार कर दिया। जिसके बाद युवती ने पुलिस में शिकायत दी। मामले में थाना प्रभारी का कहना है कि पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

सफाई मित्रों ने स्वर्ण मंदिर और वाल्मीकि तीर्थ के किए दर्शन

- पंचकूला नगर निगम की पहल बाघा बार्डर भी घूमने गए

पंचकूला शहर के सफाई मित्रों को पंचकूला के महापौर कुलभूषण गोयल ने अमृतसर स्वर्ण मंदिर, बाल्मिकी तीरथ, वाघा बॉर्डर घुमाया। अमरनाथ अग्रवाल ग्रुप की ओर से चलाई जा रही धार्मिक बस यात्रा में इन सफाई मित्रों को अमृतसर स्वर्ण मंदिर, बाल्मकी तीरथ, वाघा बॉर्डर घूमने के लिए भेजा गया। बस में सफाई मित्र भजन गाते हुए गए। उनका उत्साह देखते ही बन रहा था। इससे पूर्व ही एक बार सफाई मित्रों के महापौर कुलभूषण गोयल ने विशेष बस की व्यवस्था की थी। कुलभूषण गोयल ने बताया कि सफाई मित्रों का हमारे शहर में सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। उनके कारण ही हम साफ-स्वच्छ शहर में रह पाते हैं, इसलिए उन्होंने इनके लिए विशेष यात्रा का प्रबंध किया था। यात्रा के दौरान सफाई मित्रों ने अमरनाथ अग्रवाल धार्मिक स्थल यात्रा के चेयरमैन एवं पंचकूला के महापौर कुलभूषण गोयल का आभार व्यक्त किया। कुलभूषण गोयल ने बताया कि पंचकूला में सेवानिवृत्त लोगों की संख्या बहुत अधिक है और उन्हें धार्मिक स्थलों पर ले जाने के लिए यह बस यात्रा शुरू की गई थी, जिसमें हर सप्ताह लगभग 35 लोगों को धार्मिक यात्रा करवाई जा रही है। लोग इस यात्रा से काफी प्रसन्न है और अपने परिवार एवं साथियों के साथ तीर्थ के दर्शन किए।

मुख्यमंत्री चार को पिंजौर की कामधेनु गोशाला में करेंगे सीबीजी प्लांट का उद्घाटन

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सैनी 4 अप्रैल को पिंजौर स्थित कामधेनु गौशाला में कंप्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) प्लांट का उद्घाटन करेंगे। अपने दौरे के दौरान मुख्यमंत्री गौशाला के चल रहे विस्तार की भी समीक्षा करेंगे, जिसमें जल्द ही अधिक गायों को रखने के लिए एक अतिरिक्त शेड भी शामिल किया जाएगा। विस्तार योजना का उद्देश्य बेसहारा गायों के लिए सुविधाओं को बढ़ाना है, साथ ही आजीविका सृजन के माध्यम से स्थानीय समुदाय का समर्थन करना है।कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा ने गौशाला के प्रबंधन और ट्रस्टियों की मौजूदगी में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उद्घाटन और विस्तार योजनाओं का विवरण साझा किया।

महाराणा सांगा पर दिए विवादित बयान की निंदा

फरीदाबाद। राष्ट्रीय राजपूत परिषद ने सपा सांसद रामजीलाल सुमन के खिलाफ विरोध प्रकट किया। सपा सांसद द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में राष्ट्रीय राजपूत परिषद ने जमकर नारेबाजी की और भारत सरकार से मांग की कि सांसद के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और उनकी राज्यसभा सदस्यता समाप्त की जाए। राष्ट्रीय संयोजक ठाकुर तिलक राज चौहान ने कहा कि इतिहास गवाह है कि राजपूतों ने मुगल आक्रांताओं से अनेकों युद्ध लडक़र अपने जीवन का बलिदान देकर सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति तथा हिन्दुत्व की रक्षा की और भारत के प्रत्येक समाज का संरक्षण किया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (2) (ii) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **संदीप पुत्र सुरेन्द्र निवासी** गाँव कानोंदा थानाः बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा ने **CC No. 3821/17. थानाः सरोजनी नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **संदीप** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **संदीप** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No. 3821/17. थानाः सरोजनी नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **संदीप** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.05.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार वैभव कुमार
एलडी. जेएमएफसी-05
पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली

DP/3782/SW/2025
(Court Matter)

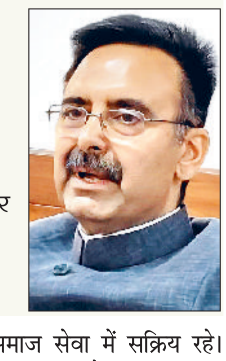

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण से विशेष बातचीत

जनता ने हमें चुनकर भेजा, गंभीरता से प्रदेश के लोगों के हित में काम करना होगा

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण पिछले चार दशक से भी ज्यादा वक्त से सियासत में सक्रिय हैं, उन्होंने सियासत में कई दौर देखे हैं। करनाल की घरौंडा सीट से तीसरी बार जीतकर हैट्रिक लगाई और संयम भी रखा, इसका पुरस्कार उनकी कार्यशैली को देखते हुए जाते-जाते केंद्रीय मंत्री व पूर्व सीएम मनोहरलाल देकर गए। बतौर हरियाणा विस अध्यक्ष विधानसभा की कमान संभाली साथ ही साबित कर दिया कि वे एक टेक्नोक्रेट ही नहीं बल्कि विस अध्यक्ष के तौर पर भी बेहतरीन स्पीकर साबित होंगे। इस बार विस में रिकार्ड काम हुआ है-पेशे से सिविल इंजीनियर हरविंद्र कल्याण सचिन तेंदुलकर से हैं, जिनका कहना है कि मैं नहीं मेरा काम बोलता है। वर्ष 1982 से सियासत के फील्ड में काम करने उतरे हरविंद्र कल्याण ने शनिवार को हरिभूमि के सवालों पर दिल के कई राज खोले साथ ही कहा कि अगर जनता ने हमे चुनकर भेजा है, तो गंभीरता से काम करना होगा देश, प्रदेश व जनता की भलाई के बारे में सोचना होगा। उन्होंने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि मैने कई दौर देखे हैं, यहां तक आने के पहले साथ ही अपनी ओर से गंभीर प्रयास किए, कई बार टिकट के लिए नंबर एक पर होने के बावजूद टिकट भी कटा लेकिन हर बार भगवान पर छोड़ दिया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने कभी प्रतिक्रिया भी नहीं दी। लेकिन इशारों ही इशारों में वे राजननेता के कठिन जीवन और जनता की अपेक्षाओं को भी बेहतरीन तरीके से कहते हैं-ये फूल क्या मुझे कोई विरासत में मिले हैं, तुमने कांटों भरा मेरा बिस्तर नहीं देखा। कल्या 2014 से लगातार जीत का परचम लहराते आए हैं। पिछले चार दशक से ज्यादा वक्त बीता और वे राजनीति,. समाज सेवा में सक्रिय रहे। कल्याण पहली बार 2014 में भाजपा टिकट पर घरौंडा विधायक बने और 2019 में भी उन्होंने जीत हासिल की। कल्याण ने घरौंडा से जीत हैट्रिक लगाई 2024 के चुनाव में। उन्होंने कांग्रेस के वरिंदर सिंह राठौर को पराजित किया था।

नई विधान सभा चंडीगढ़ में या फिर पंचकूला सीमा पर कहां बनेगी, इसके लिए सरकार चंडीगढ़ को पैसा देगी या फिर जमीन के बदले जमीन देगी-इस सवाल पर उनका कहना है कि प्रक्रिया तेजी के साथ में आगे बढ़ रही है, क्योंकि यह एक प्रशासनिक मामला है, इसलिए इसको अधिकारी वर्ग ही देख रहा है।

विस अध्यक्ष सदन में विधायकों की हाजिरी, समितियों की बैठकों से गायब रहने वाले विधायकों को लेकर भी बेहद गंभीर हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि बहुत सारी बातें अंदरूनी होती हैं, लेकिन जनता ने हमे चुनकर भेजा है, तो हमे काम भी गंभीरता के साथ में करना होगा।

आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति ठीक नहीं : कल्याण

सदन की मर्यादा और शालीनता, माननीयों द्वारा एक दूसरे पर गंभीर टीका टिप्पणी कर देने, आरोप प्रत्यारोप लगाए जाने के सवाल पर हरविंद्र कल्याण ने कहा कि वे इस तरह की बातों से आहत हैं, उन्हें इस की पीड़ा है। लेकिन कई बार सदन में बेहतरीन कामकाज, उल्लेखनीय सवालों का जिक्र नहीं होता लेकिन दो सदस्यों की लड़ाई हो जाए, तो उसको जमकर उछाला जाता है, यह ठीक नहीं है। लेकिन खबरों को मिर्च मसाला लगाकर छापने और चलाने की परंपरा ठीक नहीं हैं। कई बार विस की कार्यवाही से हटाए गए शब्दों और बातचीत को भी मसाला लगाकर चलाया जा रहा है, इसको लेकर हम मंथन कर रहे हैं।

सोशल मीडिया का किया जाएगा उपयोग

उन्होंने कहा कि आने वाले वक्त में विस अपने प्लेटफार्म यूटयूब और फेसबुक के अलावा एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) का इस्तेमाल करेगी। उन्होंने कहा कि जल्द ही हम विस में युवा संसद का आयोजन करेंगे ताकि स्कूल कालेज के विद्यार्थी भीकार्यवाही को लेकर जागरूक हो सकें। उन्होंने एक सवाल के जवाब में यह भी कहा कि विस अध्यक्ष का रोल हाउस को ठीक तरह से चलाने का है, इसलिए सत्तापक्ष और विपक्ष कोई भी सदस्य हो समय खराब करने और चीखने चिल्लाने की जगह विधानसभा नहीं है।

भौतिक कब्जा सूचना

ICICI Home Finance | पंजीकृत कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर्स, बांद्रा-कुर्ला कॉम्पलैक्स, बांद्रा (ईस्ट), मुम्बई-400051
कार्पोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई एचएफसी टावर, जेबी नगर, अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी ईस्ट, मुम्बई 400059
शाखा पता : प्लॉट नं. 45-46, प्रथम तल, सत करतार कॉम्पलैक्स, 45, वजीर चंद कॉलोनी, मुगल कैनाल फाउंटेन चौक के सामने, करनाल-132001

चूंकि

अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के प्रवर्त्तन और वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रत्याभूतिकरण, पुनर्निर्माण के तहत आईसीआईसीआई होम फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते और प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमों, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये नीचे वर्णित कर्जदारों को सूचना में वर्णित राशि का पुनर्भुगतान उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के अंदर करने के लिए डिमांड नोटिस जारी किए।

चूंकि कर्जदार राशि का पुनर्भुगतान करने में विफल रहा है, कर्जदार और आम जन को सामान्यतः एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) के तहत उनको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये नीचे वर्णित तिथियों को यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा ले लिया है। कर्जदार को विशेषतः और आमजन को सामान्यतः एतद द्वारा सम्पत्ति के साथ डील नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ कोई भी डीलिंग आईसीआईसीआई होम फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड की वसूली के अधीन होगी।

कर्जदार का ध्यान प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय के सम्बन्ध में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की तरफ आमंत्रित किया जाता है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह-कर्जदार का नाम/ ऋण अकाउंट नम्बर	सम्पत्ति का वर्णन / कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	गुरमीत सिंह (कर्जदार), परमजीत कौर (सह-कर्जदार), LHKTL00001266633.	पार्ट सम्पत्ति जिसका आईडी नं. 27C2U106P1 पुराना एमसीके नं. 946E/14, वार्ड नं. 10, वाका पट्टी गदद, सुभाष नगर / देवीगढ़ रोड, न्यू करनाल रोड, अमरगढ़ गामरी, क्षेत्रफल लगभग 160 वर्गगज 298.43 वर्ग गज में से कैथल / कब्जे की तिथि : 24 मार्च 25	12-05-2022 रु. 21,21,594/-	करनाल
2.	गुरमीत सिंह (कर्जदार), परमजीत कौर (सह-कर्जदार), NHKTL00001266630.	पार्ट सम्पत्ति जिसका आईडी नं. 27C2U106P1 पुराना एमसीके नं. 946E/14, वार्ड नं. 10, वाका पट्टी गदद, सुभाष नगर / देवीगढ़ रोड, न्यू करनाल रोड, अमरगढ़ गामरी, क्षेत्रफल लगभग 160 वर्गगज 298.43 वर्ग गज में से कैथल / कब्जे की तिथि : 24 मार्च 25	12-05-2022 रु. 76,63,128/-	करनाल

उपरोक्त कर्जदार(ों) / गारंटर(ों) को एतद द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने के लिए 30 दिन का एक नोटिस दिया जाता है, अन्यथा गिरवीकृत सम्पत्तियों को इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन की समाप्ति पर प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमों, 2002 के नियम 8 और 9 के तहत प्रावधानों के अनुरूप बेच दिया जाएगा।

दिनांक : 30 मार्च 2025, स्थान : कैथल

प्राधिकृत अधिकारी, आईसीआईसीआई होम फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड

रोहतक
रविवार, 30 मार्च 2025
चैत्र मास शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा वर्ष : 29, अंक : 58
पृष्ठ 16 मूल्य 3 .00
मौसम
अधि. 36.1
न्यून. 9.0
haribhoomi.com

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

चैत्र नवरात्र की मंगलकामनाएं

भीषण तबाही : हर तरफ मची चीख-पुकार, लगातार दूसरे दिन भी आया 5.1 तीव्रता का भूकंप

3400 घायल
100 लापता
सैकड़ों लोग मलबे में दबे, बढ़ सकती है मृतक संख्या

म्यांमार में अब तक 1644 की मौत
भारत ने शुरू किया ऑपरेशन ब्रह्मा

मोदी ने म्यांमार की सैन्य जुंटा सरकार के प्रमुख जनरल मिन के साथ बात की, राहत सामग्री भेजी

हरिभूमि ब्यूरो/भाषा/एजेंसी
बैंकॉक/नई दिल्ली

म्यांमा में आए 7.7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप में मरने वालों की संख्या शनिवार को बढ़कर 1,644 के पार पहुंच गई। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। वहीं, इस जलजले में 3400 से अधिक लोग घायल हुए हैं। 100 लापता बताए जा रहे हैं। एक बयान में कहा गया है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। अभी सैकड़ों लोग मलबे में दबे हुए हैं। भूकंप से जुड़े विस्तृत आंकड़े एकत्र किए जा रहे हैं। दूसरी तरफ, शनिवार दोपहर बाद 3:30 बजे फिर भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई। इस तरह 2 दिन में 5 से ज्यादा तीव्रता वाले तीन भूकंप के झटके लग चुके हैं। वहीं, भारत ने भूकंप प्रभावित म्यांमार में 'ऑपरेशन ब्रह्मा' के तहत राहत एवं बचाव कार्य में मदद के लिए दो नौसैन्य जहाज भेजे हैं। वायुसेना के विमान से भी मदद भेजी गई है।

भारत ने ये किया

80 एनडीआरएफ कर्मियों की टीम भेजी

15 टन राहत सामग्री वायुसेना के विमान से भेजी

118 डॉक्टर्स की टीम भेजी गई

40 टन राहत सामग्री लेकर नौसेना के दो जहाज रवाना

02 जहाज और भेजे जाएंगे

इमारतों से निकाले जा रहे शव

भूकंप के कारण क्षतिग्रस्त हुईं कई इमारतों के मलबे से और शव निकाले जा रहे हैं, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। बर्मा के नाम से लोकप्रिय म्यांमा लंबे समय से चल रहे खूनी गृहयुद्ध की चपेट में है, और वहां पहले से ही एक बड़ा मानवीय संकट बना हुआ है। भूकंप के कारण म्यांमा में राहत एवं बचाव कार्यों को चलाना भी काफी मुश्किल हो रहा है।

भारत ने भेजी मदद

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि मानवीय सहायता अभियान के तहत दो नौसैन्य जहाज 40 टन राहम सामग्री लेकर रवाना हो गए हैं, वहीं दो और नौसैन्य जहाज भेजे जाएंगे। इसके अलावा शुनिवार को वायुसेना का विमान एनडीआरएफ टीम और 15 टन राहत सामग्री लेकर यांगून पहुंच गया है। इसके अलावा, आगरा से 118 सदस्यों वाला 'फील्ड हॉस्पिटल' भी शनिवार को म्यांमार भेज दिया गया है। 'ऑपरेशन ब्रह्मा' के तहत एनडीआरएफ के 80 कर्मियों को मजबूत कंक्रीट कटर, ड्रिल मशीन, हथौड़े, प्लाज्मा कटिंग मशीन जैसे भूकंप बचाव उपकरणों के साथ तैनात किया गया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने म्यांमार की सैन्य जुंटा सरकार के प्रमुख जनरल मिन आंग ह्लाइंग से बातचीत की और मदद का पूरा भरोसा दिया।

सैकड़ों इमारतें गिरी

भूकंप के कारण कई क्षेत्रों में इमारतें ढह गईं, सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं, पुल-मंदिर ढह गए और एक बांध टूट गया। राजधानी नेपीता में शनिवार को क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के लिए कर्मचारी काम कर रहे थे, जबकि शहर के अधिकांश हिस्सों में बिजली, फोन और इंटरनेट सेवाएं बंद रहीं। भूकंप के कारण कई इमारतें ढह गईं, जिनमें सरकारी कर्मचारियों के आवास भी शामिल थे, लेकिन शनिवार को अधिकारियों ने शहर के उस हिस्से को अवरोधक लगाकर बंद कर दिया।

थाईलैंड में 10 की मौत

थाईलैंड में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए और इसने राजधानी बैंकॉक समेत देश के अन्य क्षेत्रों को हिलाकर रख दिया। बैंकॉक शहर के अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के कारण अब तक 10 लोग मृत पाए गए हैं, 26 लोग घायल हैं और 47 अब भी लापता हैं। राजधानी के लोकप्रिय चतुचक बाजार के निकट एक निर्माण स्थल पर काफी तबाही हुई है। भूकंप के बाद कई टन मलबे को हटाने के लिए शनिवार को और अधिक भारी उपकरण लाए गए। थाइलैंड में यह 200 साल का सबसे बड़ा भूकंप था। इससे देश में भारी तबाही मची है।

मदद को बढ़े हाथ

- चीन के युन्नान से 37 सदस्यों का बचाव दल भूकंप डिटेक्टर, ड्रोन अन्य सामान के साथ यांगून शहर पहुंचा।
- रूस के आपातकालीन मंत्रालय ने 120 बचावकर्मियों और राहत सामग्री को लेकर दो विमान भेजे हैं।
- मलेशिया ने भी रविवार को 50 लोगों के एक दल को म्यांमा भेजने की घोषणा की।
- भारत ने एक बचाव दल तथा एक चिकित्सा दल के साथ-साथ राहत सामग्री भी भेजी।
- संयुक्त राष्ट्र ने भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में बचाव अभियान के लिए 50 लाख अमेरिकी डॉलर की सहायता की घोषणा की है।
- दक्षिण कोरिया ने कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय संगठनों के माध्यम से 20 लाख अमेरिकी डॉलर की मानवीय सहायता प्रदान करेगा।
- अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस मुश्किल समय में भूकंप प्रभावित देशों की मदद करेगा, लेकिन कुछ विशेषज्ञ इस प्रयास को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि उनके प्रशासन ने विदेशी सहायता में भारी कटौती की है।

मणिपुर के नोनी जिले में 3.8 तीव्रता का भूकंप

इंफाल। मणिपुर के नोनी जिले में शनिवार को 3.8 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक इसमें किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने कहा कि अपराह्न दो बजकर 31 मिनट पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। पूर्वोत्तर राज्य के नोनी जिले में भूकंप आया। इसने बताया कि भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी।

अफगानिस्तान में लगे 4.7 तीव्रता के झटके

काबुल। अफगानिस्तान में भी भूकंप के तेज झटके महसूस हुए। सुबह 5 बजकर 16 मिनट पर 4.7 की तीव्रता से अफगानिस्तान में धरती हिली। एनसीएस के अनुसार भूकंप की गहराई 180 किलोमीटर रही। इससे पहले 13 मार्च को अफगानिस्तान में 4.0 तीव्रता का भूकंप आया था। हालांकि, अबतक भूकंप की वजह से किसी के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई है। भूकंप से कितना नुकसान हुआ है, इसकी भी कोई जानकारी नहीं है। लोग गहरी नींद में सो रहे थे, जब भूकंप के झटके महसूस हुए। लोगों में दहशत का माहौल है। अचनाक से घर में रखी चीजें हिलने लगी, जिसकी वजह से लोग दहशत में आ गए।

अलसुबह वारदात

प्रयागराज में वायुसेना के सिविल इंजीनियर की हत्या

प्रयागराज (भाषा)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के पूरामुफ्ती थाने की एयरफोर्स कॉलोनी में शनिवार की सुबह वायुसेना के सिविल इंजीनियर एसएन मिश्रा (51) की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वह अपने कमरे में सो रहे थे। पुलिस उपायुक्त (नगर) अभिषेक भारती ने बताया कि शनिवार को एयरफोर्स स्टेशन के अंदर इंजीनियर्स कॉलोनी में एक व्यक्ति को गोली मारे जाने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई। इस सूचना पर पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर एसओजी और सर्विलांस की टीम भी मौजूद है।

खिड़की खटखटाई, खोलते ही सीने में गोली मारी

मिश्रा बिहार के सासाराम जिले के रहने वाले थे।

सीसीटीवी खंगाल रहे

तड़के 3 बजे हमलावरों ने खिड़की खटखटाकर अफसर को जगाया। जैसे ही उन्होंने खिड़की खोली। हमलावरों ने सीने में गोली मार दी। आवाज सुनकर दूसरे कमरे से परिजन भागकर पहुंचे। तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। तुरंत उन्हें मिलिट्री हॉस्पिटल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वारदात की सूचना पर एयरफोर्स और पुलिस के सीनियर अफसर मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने कमरे की जांच की। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

वारदात के वक्त पत्नी बेटा व नौकरानी घर में थीं

पुलिस के मुताबिक, सेंट्रल एयर कमांड के नॉर्थ जोन के प्रभारी एसएन मिश्रा बिहार के सासाराम जिले के रहने वाले थे। 2 साल पहले ही ट्रांसफर होकर प्रयागराज आए थे। यहां पत्नी और 2 बच्चों के साथ रहते थे। उनकी नौकरी के 22 साल पूरे हो चुके थे। वारदात के वक्त पत्नी प्रीति मिश्रा, बेटा और नौकरानी घर में थीं। बेटा क्लास दसवीं की पढ़ाई कर रहा है, जबकि बेटी लखनऊ से एमबीबीएस कर रही है।

नवरात्र पर विशेष

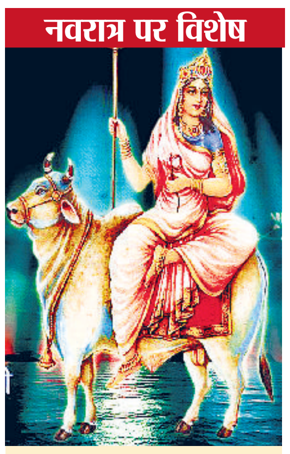

प्रथम-शैलपुत्री

नवरात्रि के प्रथम दिन देवी दुर्गा की आराधना शैलपुत्री के रूप में की जाती है। शैलपुत्री देवी को पर्वतराज हिमवान की पुत्री के रूप में पूजा जाता है। देवी के शैलपुत्री स्वरूप को जगत माता भी कहा जाता है, इनका वाहन बैल है। पूर्वजन्म में शैलपुत्री ही दक्ष प्रजापति की कन्या सती थीं। पिता द्वारा भगवान शिव की उपेक्षा से क्रोधित होकर सती ने अपना शरीर हवन कुण्ड में समर्पित कर दिया था। बाद में जब सती ने राजा हिमवान के यहां जन्म लिया तो शैलपुत्री या पार्वती कहलाईं। मां शैलपुत्री का वाहन वृषभ है। अपने भक्तों की यह सदैव रक्षा करती है। नवरात्र पूजन में प्रथम दिन भक्त अपने मन को मूलाधार चंद्र में स्थित करते हैं और श्रद्धा भक्ति के साथ इनका पूजन करते हैं इस श्लोक का पाठ करते हैं–

'वंदे वाञ्छितलाभाय चंद्रार्धकृतशेखराम्। वृषारूढां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम्॥'

खबर संक्षेप

लोन का झांसा देकर 1.87 लाख ठगे

बहादुरगढ़। शातिर कॉलर ने लोन दिलाने का झांसा देकर एक महिला से एक लाख 87 हजार रुपए ठग लिए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 318 (4) के तहत केस दर्ज किया। दुर्गा कॉलोनी निवासी सुशील कुमार प्राइवेट नौकरी करता है। उसकी पत्नी के मोबाइल पर 11 फरवरी को अंजान नंबर से कॉल आई। कॉलर ने लोन दिलाने का झांसा देकर उसकी पत्नी से 11 फरवरी से 15 मार्च तक एक लाख 87 हजार रुपए अलग-अलग खातों में मंगवा लिए।

ईंट व रॉड से महिला व उसके दो बेटों पर हमला

यमुनानगर। शहर की गांधी नगर थाना क्षेत्र की गोल्डनपुरी कॉलोनी में कुछ युवकों ने घर पर आकर महिला व उसके दो बेटों पर हमला कर घायल कर दिया। हमले में महिला व उसके दोनों लड़के घायल हो गए। जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आठ आरोपियों को नामजद करते हुए दर्जन पर अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

फतेहाबादः गंदा पानी जाने पर लग चुका है 45 लाख रुपये का जुर्माना

गंदे पानी को घग्घर में जाने से रोकने के लिए एसटीपी का ग्रामीण कर रहे विरोध, भारी पुलिस बल तैनात

- जाखल थाना प्रभारी के नेतृत्व में 70 पुलिस जवान और 30 से अधिक महिला पुलिस कर्मी तैनात किए गए
- तीन बार पहले भी ग्रामीणों के विरोध के चलते पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूरा नहीं हो सका

फतेहाबाद। गांव तलवाड़ी में तैनात पुलिस बल।

गांव तलवाड़ी में एसटीपी को लेकर डाली जा रही पाइप। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▸▸| फतेहाबाद

जिले के जाखल क्षेत्र के गांव तलवाड़ी में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का काम शनिवार को शुरू हो गया। इससे पूर्व ग्रामीणों द्वारा एसटीपी के निर्माण का विरोध किए जाने के चलते प्रशासन ने नायब तहसीलदार रसविंदर सिंह दूहन को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया। ड्यूटी मेजिस्ट्रेट के नेतृत्व में टीम शनिवार को मौके पर पहुंची और काम शुरू करवाया। इस दौरान जाखल थाना प्रभारी राधेश्याम के नेतृत्व में 70 पुलिस जवान और 30 से अधिक महिला पुलिसकर्मी तैनात किए गए। इस बीच ग्रामीणों ने इस कार्रवाई का विरोध करते हुए इसे प्रशासनिक धक्केशाही करार दिया। बता दें कि गांव तलवाड़ी में पंचायत विभाग की ओर से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण करवाया जा रहा है। करीब दो साल पहले इस प्लांट के निर्माण का कार्य शुरू किया गया था, लेकिन तीन बार ग्रामीणों के विरोध के चलते पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूरा नहीं हो सका। हालांकि, घग्गर नदी में गंदे पानी के बहाव को रोकने में विफल रहने पर एनजीटी ने पंचायत विभाग पर 45 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इसी कारण अब भारी पुलिस बल के साथ काम शुरू करवाया गया। फिलहाल गांव का गंदा पानी काफी समय से घग्गर नदी में जा रहा है। अब पंचायती जमीन पर एक जोहड़ खुदवाया गया है। यहां इस ट्रीटमेंट प्लांट में गंदे पानी की निकासी होगी। वहां गंदे पानी को ट्रीट करके सदुपयोग किया जाएगा। पिछले साल भी इस काम को शुरू करवाने पंचायत विभाग की टीम गई थी, मगर ग्रामीणों के विरोध के चलते प्रक्रिया अधर में लटक गई थी। अब फिर से ड्यूटी मजिस्ट्रेट नायब तहसीलदार रसविंदर सिंह के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची और काम शुरू करवाया। इस दौरान जाखल थाना प्रभारी राधेश्याम के नेतृत्व में 70 पुलिस जवान और 30 से अधिक महिला पुलिसकर्मी तैनात किए गए। नायब तहसीलदार रसविंदर सिंह दूहन ने बताया कि प्रशासन ने अपना काम शुरू करवा दिया है। अभी तक कोई विरोध नहीं हुआ क्योंकि पहले ही मैसेज कर दिए गए थे।

एसटीपी का विरोध करते ग्रामीण।

प्रशासन पर धक्केशाही का आरोप

प्लांट का विरोध कर रहे तलवाड़ी निवासी उत्तम सिंह, सरबजीत सिंह, मलिक सिंह, जगरूप सिंह, मेजर सिंह, हरदेव सिंह, जसविंदर सिंह, रामकिशन, तरसेम सिंह, कुलजिंदर सिंह और गुरविंदर सिंह ने कहा कि जिस स्थान पर प्लांट बनाया जा रहा है, वह गांव की दूसरी दिशा से ऊंचाई पर स्थित है, जबकि ग्राम पंचायत की जमीन घग्गर नदी के किनारे खाली पड़ी है। उन्होंने प्रशासन पर धक्केशाही का आरोप लगाते हुए कहा कि बार-बार विरोध के बावजूद प्लांट की पाइपलाइन डालने का कार्य जबरन किया जा रहा है।

सिंचाई योग्य बनाया जाएगा पानी

पंचायत विभाग ने 72 लाख रुपये की लागत से गांव में 200 फीट लंबा, 70 फीट चौड़ा और 10 फीट गहरा सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जाना है। इस प्लांट तक गंदे पानी की निकासी के लिए 350 फीट लंबी और 18 इंच चौड़ी सीमेंट युक्त पाइपलाइन जोड़ी जा रही है। पंचायत विभाग के एसडीओ बलवान सिंह और कनिष्ठ अभियंता संजीव भाटिया के अनुसार, इस प्लांट से गंदे पानी को साफ करके सिंचाई योग्य बनाया जाएगा और पानी की निकासी का उचित समाधान होगा।

पानीपतः लिव-इन पार्टनर से मंगवाया था

प्रेमी ने मुर्गा नहीं खिलाया तो महिला ने सुसाइड किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| पानीपत

पानीपत के गांव कुराड़ में सुनील मूल निवासी बिहार के साथ लिव इन में रह रही तीन बच्चों की मां नीलम ने मुर्गा नहीं लाने से नाराज होकर जहर निगल लिया। जहर के दुष्प्रभाव से नीलम की हालत बिगड़ गई। सुनील, आस पड़ोसियों की मदद से नीलम को निजी अस्पताल ले गया, जहां से नीलम को पानीपत के सिविल अस्पताल लाया गया, यहां मेडिकल चेकअप के बाद चिकित्सकों ने नीलम को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अस्पताल पहुंची और जांच के बाद नीलम के शव का पोस्टमार्टम करवाया। पुलिस ने लिव-इन पार्टनर सुनील के बयानों के आधार पर इत्तफाकिया कार्रवाई कर इस मामले की जांच शुरू कर दी है। इधर, सुनील ने बताया कि वह एक फैक्ट्री में काम करता है। यहीं पर उसके साथ नीलम नाम की महिला भी काम करती थी। काम करने के दौरान ही दोनों के बीच प्रेम प्रसंग शुरू हुआ था। पिछले करीब दो साल से वे दोनों लिव-इन में साथ रह रहे थे। नीलम तलाकशुदा व तीन बच्चों की मां थी। नीलम ने मुर्गा मंगवाया था। लेकिन किन्हीं कारणों के चलते वह, मुर्गा नहीं ले जा पाया था। जब वह घर पहुंचा, तो नीलम ने मुर्गा मांगा। नहीं देने पर वह नाराज हो गई और दोनों के बीच कहासुनी हुई। इसके बाद नीलम ने जहरीला पदार्थ खा लिया।

जमीन के ठेके के रुपयों को लेकर हुआ था झगड़ा

नशेड़ी बेटे ने वृद्ध पिता को पेट्रोल डाल कर जलाने का किया प्रयास

आग से बुरी तरह झुलसा पिता हिसार में निजी अस्पताल में भर्ती

जुलाना। जुलाना क्षेत्र के लजवाना खुर्द गांव में रिश्तों को तार- तार करने वाला मामला सामने आया है। एक नशेड़ी बेटे ने अपने पिता पर रात के समय पेट्रोल डाल कर हत्या करने का प्रयास किया। जिसमें पिता गंभीर रूप से झुलस गया। गंभीर अवस्था में वृद्ध को हिसार के अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। जहां इलाज चल रहा है। लजवाना कलां गांव निवासी 58 वर्षीय सतबीर के परिवार में दो बेटे हैं। बड़ा बेटा 30 वर्षीय अनिल स्मैक का आदी हो गया है और छोटा लड़का दीपक और वह खेतीबाड़ी कर अपने परिवार का पेट पालते थे। अनिल रात को करीब 12 बजे नशा करके आया और खेती के ठेके के रुपयों को लेकर उसके पिता के साथ झगड़ा करने लगा। अकेला पाकर अनिल ने उसके पिता पर पेट्रौल छिड़क दिया और आग लगा दी।

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर स्थित टू-व्हीलर निर्माता कंपनी में घटना

हीरो मोटो कॉर्प में ब्लॉक का लेंटर गिरा, मलबे में 5 कर्मी घायल, शार्ट सर्किट से आग भी लगी

- एनडीआरएफ और एचएसडीआरएस की ओर से रेस्क्यू किया जा रहा

रेवाड़ी। हादसे के बाद कंपनी में मौजूद एसपी व अन्य अधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर स्थित टू-व्हीलर निर्माता कंपनी हीरो मोटो कॉर्प में शुक्रवार देर रात अचानक एक ब्लॉक के छत का लेंटर गिर गया, जिससे शार्ट सर्किट होने से आग लग गई। कंपनी के एक ब्लॉक का हिस्सा भी ढहने से कुछ कर्मचारी घायल हो गए, जिनको रेस्क्यू करके निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे में पांच कर्मचारी घायल हो गए, जिसमें एक कर्मचारी हाकिम खान निवासी ठेकड़ा का बास मौझपुर जिला अलवर के मलबे में दबे होने की आशंका है, जिसका एनडीआरएफ व एचएसडीआर एस की ओर से रेस्क्यू किया जा रहा है। मौके पर पहुंचे एसपी डा. मयंक गुप्ता, डीएसपी डा. रविन्द्र सिंह व नायब तहसीलदार श्याम सुंदर ने घटना स्थल का निरीक्षण किया तथा रेस्क्यू टीम से कार्रवाई की जानकारी ली तथा मलबे में फंसे कर्मचारियों को जल्द निकालने के निर्देश दिए। घायल कर्मचारियों का अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। शुक्रवार देर रात करीब 11 बजे हीरो मोटो कॉर्प कंपनी के एक पुराने ब्लॉक के जर्जर भवन की छत का लेंटर गिर गया, जिससे शार्ट सर्किट होने से आग लग गई गई। रेवाड़ी व धारूहेड़ा से पहुंची फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। ब्लॉक की छत का मलबा गिरने से करीब 5 मजदूर दब गए।

पत्नी की हत्या करने वाले को उम्रकैद

हिसार। अदालत ने उकलाना क्षेत्र के गांव मुगलपुरा पत्नी की हत्या के मामले में पति को उम्रकैद की सजा सुनाई है। मामला जुलाई 2023 का है, जिसके तहत दोषी रामनिवास ने अपनी पत्नी सुरता देवी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। अदालत में चले मामले के अनुसार मुगलपुरा निवासी रामनिवास के साले लख्मीचंद और उनकी पत्नी रोशनी घर आए थे। सभी ने साथ में खाना खाया। इसके बाद वे बहन कृष्णा के घर चले गए। रामनिवास शराब के नशे में था। उसने अपनी बेटी पिंकी से बंदूक, लाइसेंस और कारतूस मांगे। रामनिवास ने पहले बंदूक साफ की। फिर आंगन में चारपाई पर बैठकर कहा कि आज यहां कबूतर उड़ेंगे। अचानक गोली चलने की आवाज आई।

उकलाना क्षेत्र के मुगलपुरा में जुलाई 2023 में वारदात

27 फरवरी से शुरू हुई थी 1434 परीक्षा केन्द्रों पर बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं

प्रदेशभर में कुल 599 नकल के मामले दर्ज

- 27 फरवरी से आरम्भ हुई सेकेंडरी सीनियर सेकेंडरी एवं डीएलएड परीक्षाएं संपन्न
- लगभग 5 लाख 22 हजार 529 परीक्षार्थी प्रविष्ट हुए
- कोताही पर 6 केन्द्र अधीक्षक, 20 केन्द्र अधीक्षक हटाए गए

भिवानी। पत्रकारों से बातचीत करते चेयरमैन डॉ. पवन शर्मा।

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष प्रो. डॉ. पवन कुमार एवं सचिव मुनीश नागपाल ने बताया कि 27 फरवरी से आरम्भ हुई सेकेंडरी सीनियर सेकेंडरी एवं डीएलएड की परीक्षाओं का आज 29 मार्च को शांतिपूर्वक समापन हो गया है। आज अन्तिम दिन सीनियर सेकेंडरी (शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) पंजाबी व संस्कृत साहित्य वेद सिद्धांत (आर्ष पद्धति गुरुकुल/ परम्परागत संस्कृत विद्यापीठ) विषय की परीक्षा में 12806 सीनियर सेकेंडरी के रद हुए विभिन्न विषयों की पुनः परीक्षा में 655 परीक्षार्थी शामिल हुए। आज संचालित हुई परीक्षा नकल रहित सुव्यवस्थित ढंग से संचालित हुई तथा अनुचित साधन प्रयोग का 1 मामला दर्ज किया गया। इस प्रकार प्रदेशभर में अनुचित साधन प्रयोग के मामलों की कुल संख्या 599 हो गई। बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि इन परीक्षाओं के संचालन के लिए प्रदेशभर में 1434 परीक्षा केंद्र गठित किए गए थे।

इन परीक्षा केन्द्रों पर लगभग 5 लाख 22 हजार 529 परीक्षार्थी प्रविष्ट हुए, जिसमें ससेकेंडरी के 293746, सीनियर सेकेंडरी के 223713 व डीएलएड के 5070 परीक्षार्थी शामिल हैं। परीक्षा केन्द्रों पर 588 ऑब्जर्वर भी नियुक्त किए गए थे तथा प्रत्येक जिले में 01 नोडल अधिकारी भी नियुक्त किया गया था। परीक्षा ड्यूटी में कोताही बरतने वाले 6 प्रमुख केन्द्र अधीक्षक, 20 केन्द्र अधीक्षक तथा 109 पर्यवेक्षकों रिलीव किया गया।

फरीदाबाद के सेक्टर-31वारदात

एक विषय में फेल होने पर छात्र ने खुदकुशी की

हरिभूमि न्यूज ▸▸| फरीदाबाद

पूरे साल की मेहनत का मार्च आते ही परीक्षा परिणाम में उसका फल मिलता है। इस समय तमाम क्लासों के परिणाम घोषित होते हैं और बच्चे पास होकर नई कक्षाओं में जाते हैं। हालांकि यही वो समय है जब कई बच्चे ऐसे होते हैं जो एग्जाम्स में अच्छा न कर पाने की वजह से फेल हो जाते हैं और यह दबाव वो झेल नहीं पाते और घातक कदम उठा लेते हैं। ऐसा ही एक मामला फरीदाबाद के सेक्टर-31 से सामने आया है। यहां एक आठवीं क्लास के छात्र ने एक सबजेक्ट में फेल होने पर आत्महत्या कर ली। सेक्टर-31 में रहने वाले छात्र ने सामाजिक विज्ञान में फेल होने पर इतना तनाव महसूस हुआ कि उसने अपने कमरे में फांसी के फंदे से लटक कर जीवन लीला समाप्त कर ली। छात्र की आत्महत्या से माता-पिता पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मृतक छात्र अपने माता-पिता का इकलौता बच्चा था।

14,000 प्रतिबंधित नशीली गोलियां व कैप्सूल मिलने पर मेडिकल स्टोर सील

हरिभूमि न्यूज ▸▸| डबवाली

नशे के धंधे में मोटी कमाई के चक्कर में कुछ लोगों ने डबवाली को मेडिकल नशे का हब बना रखा है। हालांकि मेडिकल नशे की बिक्री के मामले में सरकार के ही कुछ प्रावधानों से नशे के धंधे को रोकने में रुकावट भी आती हैं। लेकिन इसके बावजूद डबवाली पुलिस इसे लेकर कार्रवाई कर रही है। पुलिस प्रवक्ता का दावा है कि पुलिस अधीक्षक डबवाली सिद्धान्त जैन के मार्गदर्शन में डबवाली पुलिस पंजाब की सीमा से सटे जिला डबवाली को नशा मुक्त करने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। जिला पुलिस की ओर से नशे के खिलाफ लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है तथा विभिन्न प्रकार का नशा बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। स्पेशल स्टाफ ने ड्रग इंस्पेक्टर को साथ लेकर चौटाला रोड़ पर स्थित कमल मेडिकल स्टोर के संचालक सुखबिंदर पुत्र गुरदीत सिंह निवासी वार्ड न.7, सुंदरनगर मंडी डबवाली के पास 14000 से प्रतिबंधित गोलियां व कैप्सूल मिलने पर कारवाई की गई और मेडिकल स्टोर को सील किया गया। प्रभारी स्पेशल स्टाफ उप निरीक्षक सूबे सिंह ने पूरी जानकारी दी।

सिरसा। मेडिकल स्टोर सील करती टीम।

मौसम बदला गर्मी से मिली राहत, लेकिन बारिश तथा ओलावृष्टि का भय भी सता रहा

मौसम ने ली करवट, धरतीपुत्रों की बढ़ी परेशानी, बादल छाए 21 किमी की स्पीड से चल रही हवाएं, 6 डिग्री तक लुढ़का पारा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जींद

प्रदेशभर में मौसम के करवट लेने से तापमान मे गिरावट के साथ मौसम सुहाना तो बना, लेकिन किसानो की सांसे अटकी रही। किसानो को बारिश तथा ओलावृष्टि का भय भी सताता रहा। आकाश में बादल देखने को मिले तो हवा की गति की काफी तेज रही। 21 किलोमीटर प्रति घटा की स्पीड से पूर्व की तरफ से चली ठंडी हवा भी परेशानी का कारण बनी रही। जिसके चलते फसले पसरने का खतरा बना रहा। शनिवार को अधिकतम तापमान 36.0 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 9 डिग्री दर्ज किया गया। हवा की गति 21 किलोमीटर प्रति घटा तथा आद्रता 28 प्रतिशत दर्ज की गई। आगे मौसम शुष्क तथा साफ बना रहेगा।

जींद। खेत में पक रही गेहूं की फसल। फोटो : हरिभूमि

दिनभर मौसम सुहाना बना रहा

तापमान मार्च माह के तीसरे सप्ताह में 36 डिग्री तक पहुंच गया था। सूर्य के तेवर भी तीखे दिखने लगे थे। शुक्रवार को मौसम ने करवट ली। हवा की तेज तथा ठंडी रही। शाम को आकाश में बादल भी छाए रहे। शनिवार को दिन का आगाज आंशिक बादल तथा ठंडी व तेज हवा के साथ हुआ। दिन चढ़ने के साथ हवा की गति तेज होती चली गई और 21 किलोमीटर प्रति घंटा तक जा पहुंची। जिसके चलते दिनभर मौसम सुहाना बना रहा।

चिंताः गेहूं की फसल पकाव पर

रबी की फसलें पक कर तैयार हैं। सरसों की फसल कट कर कर मंडियों में पहुंच रही है। गेहूं की फसल पकाव पर है। बालियां सुनेहरी दिखाई दे रही है। ऐसे हालात में बारिश या ओलावृष्टि होती है तो फसलो का काफी नुकसान पहुंचता है। किसानों को लगातार यही भय सताता रहा। हालांकि बारिश या ओलावृष्टि नही हुई। हवा की तेज गति भी उन किसानों के लिए परेशानी बनी रही। जिन्होंने फसलों में पानी दिया हुआ था। उन फसलों के पसरने का खतरा बना रहा। मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। आगे मौसम साफ तथा शुष्क बने रहने की संभावना है। दिन के तापमान मे भी इजाफा होगा।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)
56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058
दूरभाष सं.-011-28524993, 28524995, 28520979, 28520966
वेबसाईट-WWW.SANSKRIT.NIC.IN

अधिसूचना संख्या- के.सं.वि./36014/विज्ञापन/योजना-1/2025-26/01 दिनांक-25.03-2025

संस्कृत संवर्धन योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतुऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित संस्कृत के संवर्धन की केन्द्रीय योजनाओं का क्रियान्वयन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के द्वारा किया जा रहा है। तदनुसार, संस्कृत के संवर्धन हेतु निम्नलिखित केन्द्रीय योजनाओं के तहत इच्छुक एन.जी.ओ/स्वैच्छिक संगठन/संस्थाएं/विश्वविद्यालयः प्रकाशक वैयक्तिक छात्रों से ऑनलाइन माध्यम से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं:-

क्रम संख्या	योजना का नाम	ऑनलाईन पंजीकरण आरम्भ तिथि	ऑनलाईन पंजीकरण अन्तिम तिथि
1.	संस्कृत शिक्षण – पारंपरिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/सरकारी विद्यालयों/गुरु शिष्य परम्परा संस्थाओं में शिक्षण हेतु संस्कृत एवं आधुनिक विषय के शिक्षकों की व्यवस्था तथा आवासीय छात्रवृत्ति।	01.04.2025	30.06.2025 (हालांकि आवेदन के लिए पोर्टल पूरे वर्ष खुला रहेगा।)
2.	सम्मान राशि – अभावग्रस्त परिस्थितियों में रहने वाले प्रख्यात संस्कृत पण्डितों के लिए वार्षिक वृत्ति।		
3.	संस्कृत पुस्तकों के प्रकाशन, थोक खरीद और दुर्लभ संस्कृत ग्रन्थों के पुनर्मुद्रण।		
4.	शास्त्र चूड़ामणि – संस्कृत शास्त्र के शिक्षण हेतु शास्त्र विद्वानों की अथवा सेवानिवृत्त संस्कृत विद्वानों की सेवाओं की उपयोगिता।		
5.	संस्कृत संवर्धन कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ–विभिन्न संस्कृत संवर्धन कार्यक्रमों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता।		
6.	व्यावसायिक प्रशिक्षण– पंजीकृत पारम्परिक संस्कृत संस्थाओं में अध्ययनरत छात्रों को प्रशिक्षण।		
7.	अष्टादशी– संस्कृत संवर्धन हेतु अठारह परियोजनाएं (निर्धारित क्षेत्रों में ही आवेदन आमंत्रित है।)		
8.	छात्रवृत्ति – पारंपरिक एवं आधुनिक धारा में नियमित रूप से 9वीं कक्षा से पीएच. डी. तक संस्कृत पालि/प्राकृत भाषा को अध्ययन करने वाले छात्र/छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति।		

*उपरोक्त सभी योजनाओं के लिए वेबसाइट का ऑनलाइन पोर्टल पूरे वित्तीय वर्ष में खुला रहेगा। हालांकि, उपरोक्तानुसार दिनांक 30.06.2025 तक प्राप्त आवेदन पत्रों को निकटतम अनुदान समिति की बैठक में वित्तीय सहायता हेतु विचारार्थ रखा जायेगा। उपरोक्त तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों को अनुदान समिति (अध्यक्ष और सदस्यों) की सुविधा और बजट उपलब्धता के आधार पर बाद की अनुदान समिति की बैठक में विचारार्थ रखा जा सकता है। इस संदर्भ में ध्यान देने योग्य है कि वित्तीय सहायता केवल बजट उपलब्धता की सीमा के अंदर ही एक वित्तीय वर्ष में प्रदान की जाएगी।

वित्तीय सहायता के लिए आवेदन जमा करते समय इच्छुक आवेदक कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान में रखें:-

i) उपर्युक्त सभी योजनाओं के अन्तर्गत आवेदन पत्र केवल ऑनलाईन माध्यम से ही (online mode only) स्वीकार्य है। अन्य माध्यम से प्रस्तुत किए गए आवेदन पत्र अस्वीकार्य है।
ii) उपर्युक्त योजनाओं के दिशानिर्देशों के अनुसार, इच्छुक आवेदक के द्वारा प्रकाशन सामग्री/पुस्तक/आवश्यक दस्तावेजों आदि की प्रति तथा सक्षम प्राधिकारी द्वारा सत्यापित ऑनलाईन आवेदन पत्र की प्रति विधिवत प्रमाणित कर जमा करना आवश्यक है। आवेदन पत्र और अनुलग्नकों के सभी पृष्ठों पर आवेदक द्वारा स्याही से हस्ताक्षर और स्व-सत्यापित होना चाहिए।
iii) ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के बाद, भरे हुए आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी 20 दिनों के अंदर योजना का नाम लिफाफे के शीर्ष पर लिखकर पंजीकृत डाक द्वारा ¤कुलसचिव, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, 56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना आवश्यक है।
iv) आवेदन पत्र भरने से पूर्व यह सलाह दी जाती है कि प्रत्येक योजना के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
v) प्रत्येक योजना के दिशानिर्देश, मानदेय राशि, आवश्यक दस्तावेज, ऑनलाईन माध्यम से आवेदन करने की प्रक्रिया एवं आवेदन पत्र को अग्रसारित करने की प्रक्रिया आदि की विस्तृत जानकारी हेतु कृपया केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की वैबसाईट www.sanskrit.nic.in/schemes पर अवलोकन करें।
vi) उपरोक्त प्रत्येक योजना के लिए स्वतः नवीनीकरण नहीं होगा। इसलिए पिछले वर्ष के सभी अनुदान प्राप्त संस्थाओं को प्रत्येक वर्ष योजना के अंतर्गत नियमानुसार नवीन आवेदन करना अनिवार्य है।
vii) वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र पर विचार या अस्वीकृति, योजना के नियमानुसार, धन की उपलब्धता और अनुदान समिति की स्वीकृति आदि प्रक्रिया पर निर्भर करती है। अतः प्रत्येक योजनाओं के अन्तर्गत वित्तीय सहायता हेतु प्रतिवर्ष अलग से आवेदन करना अनिवार्य हैं।
viii) योजना से संबंधित किसी भी स्पष्टीकरण या संदेह के मामले में आवेदक उपरिलिखित दूरभाष या पत्र व्यवहार संकेत अथवा ई-मेल help.schemes@csu.co.in के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

टिप्पणी : उपरोक्त आवेदन प्रारूप (i) और योजना विवरण (v) के लिए, कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर संलग्न अधिसूचना "पटल" पर देखें।

हस्ता./-कुलसचिव प्र.

cbc21212/12/0005/2425

खबर संक्षेप

किसानों के खाते में जून में आएगी 20वीं किस्त

नई दिल्ली। भारत सरकार अब तक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की कुल 19 किस्तों को जारी कर चुकी है। पिछले महीने 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के भागलपुर में आयोजित एक खास कार्यक्रम में पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी की थी। 20वीं किस्त जून महीने में जारी हो सकती है। भाषा

बिटुमेन घोटाला: बिहार के पूर्व मंत्री व चार दोषी करार

नई दिल्ली। सीबीआई की कोर्ट ने 27 साल पुराने बिटुमेन परिवहन घोटाले में बिहार के पूर्व मंत्री मोहम्मद इलियास हुसैन और चार अन्य को दोषी करार दिया। अदालत ने पूर्व मंत्री, उनके तत्कालीन सचिव शहाबुद्दीन, पवन अग्रवाल, अशोक अग्रवाल व विनय को 3 साल कैद की सजा सुनाई। भाषा

छत्तीसगढ़ में 2 मुठभेड़, 18 नक्सली मार गिराए, 4 सुरक्षाकर्मी भी घायल

सुकमा और बिजापुर जिलों में सुरक्षाबलों को मिली कामयाबी

मारे गए नक्सलियों में 11 महिलाएं शामिल

सुकमा/बीजापुर(हरिभूमि ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ के सुकमा और बीजापुर जिलों में सुरक्षाबलों ने शनिवार को दो मुठभेड़ों में 11 महिलाओं समेत 18 नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों मुठभेड़ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छत्तीसगढ़ की यात्रा के एक दिन पहले हुई है। अधिकारियों ने बताया कि सुकमा में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों को भारी नुकसान पहुंचाया। यहां 17 नक्सली मारे गए हैं। मारे गए नक्सलियों में 25 लाख रुपये का ईनामी नक्सली दरभा डिवीजन सचिव कुहड़ामी जगदीश उर्फ बुधरा भी शामिल है। नक्सली जगदीश एक दर्जन से अधिक घातक नक्सली घटनाओं में वांछित था, जिसमें 2013 का झीरम घाटी हमला भी शामिल है। इस घटना में कांग्रेस के कई नेता मारे गए थे। बीजापुर में एक और मुठभेड़ की खबर है, जहां एक नक्सली मारा गया है। सुकमा जिले में हुई मुठभेड़ में डीआरजी सुकमा के तीन जवान और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक जवान घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि घायल जवानों की हालत स्थिर और खतरे से बाहर है।

2013 में कांग्रेस नेताओं का हत्यारा 25 लाख का इनामी बुधरा भी ढेर

जवान नक्सलियों के शवों को कंधे पर लादकर लाए

10 दिन पहले 30 मारे

लगभग 10 दिन पहले सुरक्षाबलों ने बस्तर क्षेत्र के बीजापुर और कांकेर जिलों में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के 30 सदस्यों को मार गिराया था। बस्तर रेंज में जवानों ने इस साल अब तक 100 नक्सलियों का एनकाउंटर किया है। इसमें 20 मार्च से 29 मार्च के बीच, यानी 10 दिन में ही 49 नक्सली मारे गए हैं। सुरक्षाबलों का कहना है कि इस क्षेत्र में जब तक नक्सलवाद खत्म नहीं हो जाता तब तक उनका अभियान जारी रहेगा।

डीआरजी व सीआरपीएफ का अभियान

बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि शुक्रवार को जिले के केरलापाल थानाक्षेत्र के गोगुंडा, नेन्डुम और उपमपल्ली गांव के आसपास के क्षेत्र में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर जिला रिजर्व गार्ड सुकमा और सीआरपीएफ के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान पर रवाना किया गया था। शनिवार सुबह आठ बजे मुठभेड़ हुई।

ये हथियार बरामद : मौक से एके-47 राइफल, सेल्फ लोडिंग राइफल (एसएलआर), इंसास राइफल, .303 राइफल, एक रॉकेट लांचर और बैरल ग्रेनेड लांचर (बीजीएल) समेत भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद किए गए हैं।

नक्सलवाद पर एक और प्रहार : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुकमा मुठभेड़ की सराहना करते हुए कहा कि हथियार और हिंसा से बदलाव नहीं आ सकता, केवल शांति और विकास ही बदलाव ला सकता है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, नक्सलवाद पर एक और प्रहार! हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने सुकमा में एक अभियान में 17 नक्सलियों को ढेर कर दिया है और स्वचालित हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया है। हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए संकल्पित हैं। हथियार रखने वालों से मेरी अपील है कि हथियार और हिंसा से बदलाव नहीं आ सकता; केवल शांति और विकास ही बदलाव ला सकता है।

खाली पड़े पदों पर नियुक्ति

प्रदेश को मिले 533 नए डॉक्टर, मरीजों को राहत

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा को शनिवार को 533 नए डॉक्टर मिल गए हैं। सभी को रिक्त पड़े पदों पर पोस्टिंग दी गई है। जिससे स्वास्थ्य विभाग में चली आ रही चिकित्सकों की कमी दूर होगी और लोगों को समय पर इलाज मिल सकेगा। प्रदेश सरकार ने शनिवार को ऑर्डर जारी कर दिए हैं। हरियाणा सरकार के एडिशनल चीप सेक्रेटरी की तरफ से जारी आदेशों में सभी को तुरंत प्रभाव से अपनी पोस्टिंग लेने के लिए कहा गया है। हेल्थ विभाग के सुपरिटेंडेंट के आदेशों के बाद चिकित्सकों को सेंटर अलाट किए हैं। पिछले काफी समय से चिकित्सकों की कमी चलती आ रही थी। जिसको मुद्दा उठता रहा है। हालांकि अब 533 नए चिकित्सक मिलने के बाद लोगों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं में भी इजाफा होगा।

> स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टरों की कमी दूर होगी
> ■
> सभी डॉक्टर्स को तुरंत ज्वाइन करने को कहा गया
> ■
> शनिवार को सरकार ने आदेश जारी किए

सीबीआई कोर्ट का फैसला

नोट कांड में पूर्व जस्टिस निर्मल को बरी किया

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। न्यायाधीश के आवास के दरवाजे पर नकदी मिलने के मामले के 17 साल बाद विशेष सीबीआई अदालत ने शनिवार को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) निर्मल यादव और चार अन्य को बरी कर दिया। इस मामले में, 13 अगस्त 2008 को उच्च न्यायालय की एक अन्य कार्यरत न्यायाधीश न्यायमूर्ति निर्मलजीत कौर के आवास पर कथित रूप से 15 लाख रुपये से भरा एक पैकेट गलत तरीके से पहुंचा दिया गया था। आरोप लगाया गया था कि यह नकदी न्यायमूर्ति निर्मल यादव को एक संपत्ति सौदे को प्रभावित करने के लिए रिश्वत के रूप में दी जानी थी। सीबीआई की विशेष न्यायाधीश अलका मलिक की अदालत ने यह फैसला सुनाया।

> गलती से जज निर्मलजीत के घर 15 लाख भेजने का आरोप था

हरियाणा ओलंपिक संघ चुनाव

जसविंदर अध्यक्ष, पंवार सेक्रेटरी और मेजर सत्यपाल समेत 9 उपाध्यक्ष बने

जसविंदर

कृष्ण लाल पंवार

मेजर सत्यपाल

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा ओलिंपिक संघ चुनाव में शनिवार को जसविंदर मीनू बैनीवाल को अध्यक्ष चुना गया है। वहीं, प्रदेश के पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार सेक्रेटरी जनरल के पद के लिए चुने गए। इसके साथ ही उपाध्यक्ष पद के लिए भारत भूषण जुयाल, गुरुग्राम से भाजपा विधायक मुकेश शर्मा, जीतेंद्र, अनिल खत्री, मेजर सत्यपाल सिंधु, राकेश सिंह, मोहम्मद शाइन, सुनील मलिक और नीरज तंवर को चुना गया है। ज्वाइंट सेक्रेटरी के लिए रविंदर कुमार, नरेंद्र सिंह को चुना गया है। मनजीत सिंह कोषाध्यक्ष और प्रिया, सुरेखा व रोहित पुंढीर कार्यकारी सदस्य बनाए गए हैं।

जस्टिस नाथ ने जताई नाराजगी

बच्चे बाहर खेलने के लिए मास्क लगाएं ये मंजूर नहीं

नई दिल्ली(भाषा)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश विक्रम नाथ ने बढ़ते वायु प्रदूषण पर कड़ी चिंता जताते हुए तल्ख टिप्पणी की है। उन्होंने इससे निपटने के लिए कार्बन उत्सर्जन पर लगाम लगाने और हरित प्रौद्योगिकियों में निवेश करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए शनिवार को कहा कि बच्चों का ऐसे वातावरण में बड़ा होना अस्वीकार्य है, जहां उन्हें खुले में खेलने के लिए मास्क पहनने की जरूरत पड़े। न्यायमूर्ति नाथ ने यह कहा कि ऐसे समाधान तलाशने की जरूरत है, जो आर्थिक विकास और पर्यावरणीय भलाई के बीच संतुलन कायम करें तथा सरकारी नीतियों को हरित प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। न्यायमूर्ति नाथ ने यहां विज्ञान भवन में पर्यावरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन-2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

> दिल्ली में प्रदूषण का स्तर हर रोज हाई होता जा रहा इसका लोगों पर गंभीर असर

आप सरकार के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी

डल्लेवाल ने अनशन खत्म नहीं किया : किसान नेता

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने दावा किया है कि पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने अपना अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त नहीं किया है, बल्कि पिछले सप्ताह पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए किसानों को विभिन्न जेलों से रिहा किए जाने के बाद उन्होंने महज एक गिलास पानी पीया था। पंजाब सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया था कि डल्लेवाल ने पानी स्वीकार कर लिया है और अपना अनशन तोड़ दिया। पंजाब सरकार के दावों का खंडन करते हुए कोहाड़ ने दावा किया कि शनिवार को डल्लेवाल ने स्पष्ट कर दिया था कि वह तभी पानी लेंगे जब सभी किसानों को रिहा कर दिया जाएगा। डल्लेवाल के सहयोगी कोहाड़ ने कहा, 'किसान नेताओं की रिहाई के बाद डल्लेवाल ने एक गिलास पानी पिया। अनशन खत्म नहीं किया। अब हम पंजाब की आप सरकार के खिलाफ आंदोलन करेंगे।

VML_5798.2025

कल्पना कीजिए अगर हम हंसें नहीं, कोई हमें हंसाए नहीं तो जीवन में कितनी बोझिलता, नीरसता आ जाएगी! इस नीरसता को दूर करने के लिए हजारों साल से जोक्स सुनने और सुनाने की परंपरा बरकरार है। आज के दौर में इसकी महत्ता और बढ़ गई है। अप्रैल फूल हमें अपनों के साथ ऐसे ही जोकिंग का अवसर देता है, जिसे हमें बिल्कुल मिस नहीं करना चाहिए।

कवर स्टोरी

लोकमित्र गौतम

सुनिए-सुनाइए जोक्स
लाइफ बनेगी हेल्दी-हैप्पी

डॉक्टरः चिंता मत करो, यह छोटी सी सर्जरी है, घबराने की कोई बात नहीं!
मरीजः लेकिन डॉक्टर, मैं तो ऑपरेशन के लिए नहीं आया था!
डॉक्टरः अरे हां, सॉरी! मुझे आदत हो गई है ऐसा कहने की..!

यह जोक सरप्राइज एलिमेंट (अचानक ट्विस्ट) पर आधारित है, जो दिमाग को एक पल में चौंकाकर हंसा देता है। ऐसा होते ही अचानक पैदा हुआ तनाव गायब हो जाता है, जिससे मूड हल्का और फ्रेश महसूस होता है। कुछ सेकेंड्स का एक जोक या चुटकुला हमें पलभर में तरोताजा कर देता है, क्योंकि जोक्स का प्रभाव हमारे दिमाग और शरीर दोनों पर पड़ता है। जब हम हंसते हैं, तो हमारा मस्तिष्क एंडोर्फिन (खुशी के हार्मोन) छोड़ता है, जिससे तनाव कम होता है और हम रिलैक्स महसूस करते हैं। इसके अलावा, हंसी से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, मांसपेशियों में आराम आता है और मूड फ्रेश हो जाता है। शायद इसी की महत्ता को समझते हुए अप्रैल फूल-डे जैसे आयोजनों की शुरुआत हुई।

हजारों साल पुरानी परंपराः दुनिया में जोक्स और हास्य की परंपरा उतनी ही पुरानी है, जितना पुराना खुद इंसान है, इंसानी सभ्यता है। सबसे पुराने दर्ज जोक्स लगभग 4000 साल पुराने हैं। दुनिया के सबसे पुराने दर्ज जोक्स प्राचीन मेसोपोटामिया (1900 ईसा पूर्व) के हैं। प्राचीन मिस्र (1600 ईसा पूर्व) की सभ्यता में फिरौन के दरबारों में भी जोक्स सुनाए जाते थे। एक मशहूर चुटकुला इस तरह है- 'एक फिरौन अपनी नाव में यात्रा कर रहा था। एक भविष्यवक्ता ने कहा कि वह बहुत लंबी उम्र जिएगा। फिरौन ने पूछा-क्या मैं 100 साल जिऊंगा? भविष्यवक्ता बोला-हां। फिरौन ने पूछा-क्या मैं 200 साल जिऊंगा? भविष्यवक्ता बोला-बिल्कुल! फिरौन खुश हुआ और कहा-तो मैं अमर हूं! भविष्यवक्ता ने कहा-नहीं, लेकिन जब तक तुम मुझसे सवाल पूछते रहोगे, तब तक मैं हां कहता रहूंगा!'

वास्तव में यह राजाओं की चापलूसी और भविष्यवाणियों का मजाक उड़ाने का तरीका था। ग्रीक दार्शनिक प्लेटो और अरस्तू ने भी हास्य को जीवन के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देखा है। प्राचीन एथेंस में एक जोकर क्लब था, जिसके दर्जनों जोक्स आज भी मिलते हैं, मसलन- 'एक आदमी डॉक्टर के पास गया और कहा- जब मैं आंखें खोलता हूं, तो मुझे कुछ नहीं दिखता! डॉक्टर बोला- तो आंखें बंद करके देखो!'

भारतीय इतिहास में भी है जिक्रः मिस्र और एथेंस की तरह प्राचीन भारत में भी संस्कृत साहित्य (नाट्यशास्त्र, पंचतंत्र, हितोपदेश, विदूषक पात्र) में हास्य व्यंग्य का भरपूर जिक्र मिलता है। पंचतंत्र की कहानियों में चतुराई भरे जोक्स और व्यंग्य हैं। भारतीय इतिहास में राजाओं के दरबारों में विद्वान विदूषकों जैसे तेनालीराम और बीरबल की भी मौजूदगी रही है, जो अपने बुद्धि-कौशल से सिर्फ दरबार का माहौल ही बोझिल होने से नहीं बचाते थे बल्कि हतप्रभ करने वाली चतुराई भरी बातें करके राजा सहित दरबारियों को हैरान कर देते थे, जिससे सभी तरोताजा महसूस करते थे।

नए दौर में जोक्स का जलवाः जोक्स का आधुनिक और व्यापक दौर 18वीं-19वीं शताब्दी में अखबारों और किताबों में जोक्स छपने से शुरू हुआ। बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध तक रेडियो, टीवी के कॉमेडी शो और स्टैंड-अप कॉमेडी से जोक्स हर जगह और अधिकतर लोगों तक पहुंचने लगे। इस 21वीं शताब्दी में इंटरनेट, सोशल मीडिया और मीम्स के रूप में जोक्स का जलवा हम सब देखते हैं। वास्तव में जोक्स का सबसे तेज और वैरायटी से भरा विकास इसी दौर में हो रहा है।

इसलिए जरूरी हैं जोक्सः सवाल है हर सभ्यता में, हर दौर में यानी जीवन में हमेशा जोक्स क्यों जरूरी माने जाते रहे हैं? जवाब है- जोक्स केवल हंसाने भर के लिए नहीं होते, बल्कि ये मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक संबंध और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये हमारे तनाव को कम करते हैं, हमें हंसाते हैं और हंसने से शरीर में एंडोर्फिन (खुशी के हार्मोन) का स्तर बढ़ता है, जो तनाव और दर्द दोनों को गायब करने में मदद करता है। चुटकुलों या जोक्स से इंसान को मनोवैज्ञानिक सुरक्षा मिलती है, क्योंकि कठिन परिस्थितियों में हास्य एक सुरक्षातंत्र की तरह काम करता है, जिससे व्यक्ति समस्याओं को हल्के-फुल्के तरीके से देख पाता है। साथ ही जोक्स हमें सामाजिक रूप से लोगों के साथ जोड़ता है। जोक्स साझा करने से लोगों के बीच नजदीकी बढ़ती है और यह सोशल बॉन्डिंग को मजबूत करता है। साथ ही जोक्स से हमारी क्रिएटिविटी बढ़ती है। हास्य हमें चीजों को नए नजरिए से देखने और समस्याओं का हल अनोखे तरीके से निकालने में मदद करता है। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि आधुनिक तनाव भरी जीवनशैली में जोक्स और ज्यादा महत्वपूर्ण हो गए हैं, क्योंकि आज अधिकांश लोग काम के दबाव, सोशल मीडिया, आर्थिक चिंताओं और रिश्तों की उलझनों से घिरे रहते हैं। ऐसे में हास्य और जोक्स बेहद जरूरी हो गए हैं। *

जोक्स सुनाने वाले होते हैं ज्यादा स्मार्ट

ऐसा देखा गया है कि सामान्य तौर पर, अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर किसी व्यक्ति की बुद्धिमत्ता (आईक्यू) और भावनात्मक समझ (ईक्यू) दोनों के बेहतर होने का सबूत होता है। क्योंकि जोक्स बनाने और सुनाने के लिए तेज दिमाग और सोचने की त्वरित क्षमता यानी 'क्विक विट' की जरूरत होती है। यही नहीं मजेदार लोग आमतौर पर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स और लोगों को बेहतर पढ़ने और समझने की क्षमता रखते हैं। ऐसे लोग चीजों को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखने में सक्षम होते हैं, जिससे वे मुश्किल परिस्थितियों से आसानी से निपट लेते हैं। इसलिए, जोक्स और हास्य में रुचि रखने वाले लोग अकसर ज्यादा स्मार्ट होते हैं। कई शोधों में पाया गया है कि महिलाएं मजाकिया और हंसाने वाले पुरुषों की तरफ अधिक आकर्षित होती हैं। जो लोग मजाकिया होते हैं, वे आमतौर पर आत्मविश्वासी होते हैं और पुरुषों का आत्मविश्वास महिलाओं को हमेशा आकर्षित करता है। मजाकिया लोग अकसर दूसरों के साथ घुल-मिल भी बहुत जल्दी जाते हैं, जिससे वे ज्यादा सामाजिक दिखते हैं।

अप्रैल फूल-डे स्पेशल

अप्रैल फूल डे यानी मूर्ख दिवस आज भले ही दुनिया भर में लोग मनाते हैं। लेकिन इसकी शुरुआत को लेकर अनेक तरह की मान्यताएं और किंवदंतियां प्रचलित हैं। अप्रैल फूल डे के इतिहास और इससे जुड़े तथ्यों पर एक नजर।

दिलचस्प-विविधतापूर्ण
अप्रैल फूल का इतिहास

परंपरा

अंजू जैन

अप्रैल फूल के दिन यानी पहली अप्रैल को झूठी बातों से मूर्ख बनाने या मजाक करने का सिलसिला सदियों से चला आ रहा है। हालांकि इस दिवस की वास्तविक शुरुआत अज्ञात है, लेकिन इसकी शुरुआत को लेकर तरह-तरह के दिलचस्प और रहस्यमय किस्से प्रचलित हैं।

हास्य कथा से शुरुआत

अप्रैल फूल से जुड़ी एक मान्यता है कि इसकी शुरुआत 16वीं शताब्दी में फ्रांस में हुई थी। अप्रैल फूल दिवस पर सबसे पहला प्रैंक 1 अप्रैल 1698 को खेला गया था। यह मजाक लंदन के एक समाचार पत्र में प्रकाशित हास्य खबर थी। इसमें मजाकिया अंदाज में लिखा गया था कि दिन के समय चंद्रमा पृथ्वी से दिखाई दिया था।

मध्यकाल के हिलारिया से शुरुआत

कुछ इतिहासकारों ने अप्रैल फूल डे को प्राचीन रोमन उत्सव हिलारिया से जोड़ा है। देवताओं की माता साइबेले के सम्मान में 25 मार्च को मनाया जाने वाला यह उत्सव लोगों को भेष बदलने के लिए प्रेरित करता था। यह खेल और शरारतों का दिन माना जाता था। लोग तरह-तरह की अनूठी वेशभूषा पहन कर एक-दूसरे के साथ मजाक करते थे। वर्ष का पहला दिन यानी उत्सव का दिन, जो रात से अधिक लंबा था और इसे एक नए, बेहतर मौसम और उदास सर्दियों के अंत का जश्न मनाने में बिताया गया था। हिलारिया के दौरान कई प्रकार के खेल और मस्ती मनोरंजन किए जाते थे। इसमें छद्म वेश धारण कर लोग अपनी पसंद के किसी भी व्यक्ति की नकल करते थे।

कैलेंडर बदलाव के साथ शुरुआत

एक लोकप्रिय मान्यता यह है कि इसकी शुरुआत 1582 में हुई। उस समय फ्रांस ने जूलियन से बदल कर

ग्रेगोरियन कैलेंडर शुरू किया था। इस बदलाव से पहले, लोग अप्रैल में नया साल मनाते थे। जब तारीख 1 जनवरी को बदल दी गई, तो भी अज्ञानतावश कुछ लोगों ने इसे मार्च के अंत में मनाना जारी रखा और मजाक का पात्र बन गए और उन्हें 'अप्रैल फूल' कहा गया। *

कुछ दिलचस्प तथ्य-मान्यताएं

कवि जेफ्री चौसर

मूर्ख दिवस की शुरुआत को लेकर कुछ और मान्यताएं भी प्रचलित हैं।

- ईरान में अप्रैल फूल दिवस, फारसी नववर्ष के 13वें दिन मनाया जाता है, जो आमतौर पर 1 अप्रैल के आस-पास होता है।
- अमेरिकी कार्टूनिस्ट चार्ल्स शुल्ज द्वारा बनाई गई प्रसिद्ध कॉमिक स्ट्रिप 'पीनट्स' में अप्रैल फूल नामक एक पात्र था, जो अपने दोस्तों के साथ शरारतें करता था।
- मध्ययुगीन यूरोप में 'मूर्खों का पर्व' मनाया जाता था, जो मजाक का दिन था। वहां लोग एक नकली बिशप या पोप का चुनाव करते थे और मजाक में शामिल होते थे। कुछ हद तक, अप्रैल फूल दिवस को सर्दियों के अंत और वसंत की शुरुआत को चिन्हित करने वाले त्योहारों से जोड़ा जा सकता है।
- इंग्लिश लेखक और कवि जेफ्री चौसर की द कैंटरबरी टेल्स (1392) में 1 अप्रैल और मूर्खता के बीच पहली बार कनेक्शन दर्ज किया गया था। 'द नंस प्रीस्ट्स टेल' नामक कथा में चैंटिकलर का वर्णन है, जो एक घमंडी मुर्गा है, जिसे एक चालाक लोमड़ी द्वारा धोखा दिया जाता है।
- स्कॉटलैंड में अप्रैल फूल दिवस को पारंपरिक रूप से 'हंटिगॉक डे' कहा जाता था, जो 'हंट द गॉक' से निकला है, 'गॉक' शब्द स्कॉटिश भाषा में कोयल या मूर्ख व्यक्ति के लिए इस्तेमाल होता है। यह स्कॉटिश परंपरा दो दिवसीय कार्यक्रम बन गई, जिसमें लोगों को नकली कामों (हंकटिंग द गॉक) पर भेजा जाता था, उसके बाद टेल डे मनाया जाता था, जिसमें लोगों की पीठ पर नकली पूंछ या 'मुझे लात मारो' के चिन्ह लगाने जैसे मजाक करना शामिल था।

एंज्वॉयमेंट

शिखर चंद जैन

अप्रैल फूल डे पर हम सब एक-दूसरे के साथ प्रैंक करते हैं, मजा लेते हैं। यहां आपको कुछ ऐसे प्रैंक्स के बारे में बता रहे हैं, जो मशहूर कंपनियों ने बड़े स्तर पर लोगों से किए।

अप्रैल फूल के मजेदार-अनूठे प्रैंक

पहली अप्रैल को मित्र मंडली में एक-दूसरे से हंसी-मजाक करने और मूर्ख बनाने की परिपाटी दशकों से है। लेकिन इस मजाक मस्ती में बड़ी-बड़ी कंपनियां, सर्च इंजन और सेलिब्रिटीज भी पीछे नहीं हैं। इनमें से कुछ के बारे में आप भी जानिए।

अमेजन का पेटलेक्साः वर्ष 2017 में, अमेजन ने एलेक्सा की तर्ज पर पालतू जानवरों के लिए एक वॉयस असिस्टेंट, पेटलेक्सा की घोषणा की। इस मजेदार वीडियो में कुत्तों और बिल्लियों को अमेजन इको डिवाइस के साथ बातचीत करते हुए दिखाया गया था। इसमें पालतू जानवरों के लिए ट्रीट ऑर्डर करना, उनके लिए संगीत बजाना और यहां तक कि उनके भौंकने को मानवीय भाषा में अनुवाद करना भी शामिल था। पालतू जानवरों के मालिक इस नए आईडिया से हैरान हुए लेकिन यह सिर्फ एक मजाक था।

वर्जिन ऑस्ट्रेलिया एयरलाइंस का डॉग क्रू प्रैंकः वर्ष 2017 में वर्जिन ऑस्ट्रेलिया एयरलाइंस ने अप्रैल फूल के दिन अपने यात्रियों के बीच समाचार फैलाया कि अब उन्हें दुनिया की पहली डॉग इनफ्लाइट क्रू मेंबर टीम मिलेगी। इसमें वे अपने कुत्ते के साथ गलियारे में टहलते हुए, समय बिताने के लिए प्यारे कुत्तों को गले लगाने तक, डॉग क्रू की नई सेवाएं ले सकते हैं। बाद में लोगों को असलियत का पता चला तो उन्हें अपने आप पर खूब हंसी आई।

गूगल का 'माइक ड्रॉप' ई-मेल बटनः गूगल ने वर्ष 2016 में अप्रैल फूल बनाने के लिए जी-मेल में 'माइक ड्रॉप' बटन पेश किया, जिससे इसके यूजर माइक्रोफोन गिराने का जीआईएफ वाला ई-मेल भेज सकते थे। दुर्भाग्य से, इससे काफी गड़बड़ियां हो गईं। गलत मैसेज जाने पर कुछ लोगों की तो नौकरियां चली गईं। गूगल को माफी मांगते हुए तुरंत इसे बंद करना पड़ा।

कांच के बॉटम वाला हवाई जहाजः एक बार वर्जिन अटलांटिक एयर लाइंस ने अफवाह फैला दी कि इसके पास अब ग्लास-बॉटम वाले यानी पारदर्शी तल वाले विमान भी हैं। उन्होंने 'दुनिया के पहले ग्लास-बॉटम वाले विमान' के समाचारों के साथ सुर्खियां बटोरीं। नए विमान की तस्वीरें खूब प्रसारित की गईं। उनके इस मजाक पर लोगों ने यकीन भी कर लिया।

टैको लिबर्टी बेलः वर्ष 1996 से अब तक के सबसे बेहतरीन अप्रैल फूल मजाक में शामिल इस शिगूफे में टैको बेल नामक कंपनी ने अखबारों में विज्ञापन देकर कहा कि उसने ऐतिहासिक और नेशनल आइकन लिबर्टी बेल को खरीद लिया है। यह इतना गंभीर और वास्तविक मजाक था कि कुछ सीनेटर भी इस मजाक में फंस गए। बाद में नेशनल पार्क सर्विस ने इस खबर का खंडन करने के लिए एक प्रेस कांफ्रेंस भी की। दोपहर में, फास्ट-फूड चेन ने मजाक को स्वीकार किया और कहा कि वह इस ऐतिहासिक घंटी की देखभाल के लिए 50,000 डॉलर का दान कर रही है।

हवाई अड्डे पर कर दिया कंफ्यूजः वर्ष 1992 में लॉस एंजिल्स हवाई अड्डे पर विमान यात्री ज्यों ही उतरे, वे एक बैनर देखकर चकरा गए कि उन्होंने तो लॉस एंजिल्स की फ्लाइट पकड़ी थी फिर पायलट उन्हें शिकागो कैसे ले आया? इस बैनर पर लिखा था, शिकागो में आपका स्वागत है। यह 85 फीट लंबा पीला बैनर था, जिस पर 20 फीट लंबे लाल अक्षरों में ऐसी घोषणा थी। यह बैनर हॉलीवुड पार्क रेस ट्रैक के ठीक ऊपर लटका हुआ था और आने वाले प्रत्येक यात्री को दिखाई दे रहा था। लेकिन जल्द ही वास्तविक स्थिति सबको बता दी गई।

बीएमडब्ल्यू की सेल्फ-क्लीनिंग कारः 2019 में कार कंपनी बीएमडब्ल्यू ने एक वीडियो जारी कर दावा किया कि उन्होंने एक सेल्फ-क्लीनिंग कार विकसित की है। वीडियो में एक कार को ब्रश और पानी के जेट से खुद ही साफ होते हुए दिखाया गया था। वास्तव में यह एक बड़ा प्रैंक था। *

व्यंग्य कविता

हरीश कुमार 'अमित'

करते रहते घोटाले

करते रहते घोटाले
कितने हिम्मत वाले हैं।
इनके सारे ही 'करतब',
बिल्कुल तवे-से काले हैं।
पुलिस का इनको खौफ नहीं,
नेताजी इनके साले हैं।
यार-दोस्त इनके सारे,
चक्कू-पिस्टल वाले हैं।

एक नहीं, कई दर्जन,
गुर्गे इन्होंने पाले हैं।
इनसे पंगा मत लेना,
नहीं बख्शने वाले हैं।
ब्लैकमनी को कर दें 'व्हाइट',
इनके खेल निराले हैं।
ये छोटे पैग दूर हटाओ,
ये पीते पटियाले हैं।

स्मरण

चंद्रप्रकाश

अंतरराष्ट्रीय बाल पुस्तक दिवसः 2 अप्रैल, विशेष

एक से बढ़कर एक शानदार परीकथाओं के लेखक हैंस क्रिश्चियन एंडरसन के जन्मदिन (2 अप्रैल) को अंतरराष्ट्रीय बाल पुस्तक दिवस के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर उनके रचनात्मक अवदान पर एक दृष्टि।

परीकथाओं का महान चितेरा
हैंस क्रिश्चियन एंडरसन

आगामी 2 अप्रैल को हैंस क्रिश्चियन एंडरसन (1805-1875) का जन्मदिन है। वह एक महान किस्सागो थे, जिन्होंने अपने जीवन में अनेक पुस्तकें लिखीं। लेकिन दुनिया भर में उन्हें उनकी लिखी हुई बच्चों की परीकथाओं की वजह से ज्यादा जाना जाता है। उनकी लिखी एक सौ छप्पन परीकथाएं, नौ किताबों में संकलित हैं। इनके दुनिया भर में एक सौ साठ से अधिक भाषाओं में अनुवाद हुए हैं। कुछ देशों में तो उनकी कहानियां स्कूलों में पाठ के रूप में पढ़ाई भी जाती हैं। ये कहानियां, बच्चों से लेकर बड़ों तक, हर वर्ग के बीच पढ़ी और सराही जाती हैं। यह अपनी तरह की बड़ी मिसाल है। बेशक इस काम में डिज्नी की एनिमेटेड फिल्मों ने भी अपना एक बड़ा योगदान दिया है।

एंडरसन का रचना संसारः एंडरसन का जन्म डेनमार्क में कोपेनहेगन के नजदीक ओडेंस नामक स्थान में हुआ था। गरीब और पिछड़े घर में जन्म लेने के कारण इन्हें जीवन भर संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने शुरू में कुछ नाटक लिखे फिर कुछ आत्म-कथात्मक उपन्यास। उनकी पहली कहानियों की किताब 'बच्चों के लिए कहानियां' साल 1835 में छपकर आई। इसमें एंडरसन ने एक साथ नौ परीकथाएं संकलित की थीं। उनका कहानियां लिखने का यह काम आगे भी लगातार जारी रहा। एंडरसन का कहानी कहने का तरीका काफी अलग और अनोखा था। वे अपनी कल्पना की ताकत के साथ लोक-कथाओं की सरलता भी पिरो देते थे। इससे उनकी ये कहानियां अपने में विभिन्न संस्कृतियों की बातें भी कहती दिखती थीं। इस विषेशता के कारण उनका नाम यूरोप समेत पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हो गया।

हैंस क्रिश्चियन एंडरसन

जीवन में किया भरपूर संघर्षः एंडरसन महान लेखक थे, लेकिन उनके जीवन में भी कम संघर्ष नहीं थे। एंडरसन बड़े हिम्मती और जुझारू थे। वे अपने अकेलेपन और दुख को बड़ी कुशलता से अपनी कहानियों का हिस्सा बना देते थे। उनकी यह सजगता उनकी लिखी कहानियों को सुंदर बनाती है। उनकी यह विशेषता, एंडरसन के जीवन की घटनाओं और उनकी बहुत सी रचनाओं पर शोध करने वालों ने पता लगाई है। एंडरसन की लिखी बहुत सी कहानियां उनके बाद के बहुत से लेखकों की प्रेरणा बनीं। उन्होंने भी इनका मर्म अपनी तरह से समझते हुए कई अनोखी रचनाएं की हैं।

एंडरसन की कुछ खूबियां और भी थीं, जिससे वे गजब के कलाकार भी माने जाते थे। वे अपने शुरू के दिनों से नाटकों की दुनिया से जुड़े थे। इसके अलावा कलम और ब्रश की मदद से स्याही के चित्र भी बना लेते थे। कागज की कतरनें चिपका कर कोलाज बनाना भी उन्हें पसंद था। इसके अलावा वे अनोखे किस्सागो थे। जो बच्चों के बीच अकसर किस्से सुनाते हुए बातों-बातों में कैंची से किसी कागज को काटकर तरह-तरह की आकृतियां बना देते थे। अंग्रेजी में इस तरीके से बनी आकृतियों को 'सिल्हूट' कहा जाता है। कुछ साल पहले जर्मनी के ब्रेमेन शहर में एंडरसन के ऐसे ही बहुत से तरह-तरह के चित्रों को जुटाकर एक बड़ी प्रदर्शनी में दिखाया गया था।

संजोई गई हैं उनकी स्मृतियांः आज भी एंडरसन की याद और सम्मान में दुनिया के कोने-कोने में तरह-तरह की बहुत सी गतिविधियां होती रहती हैं। इनमें उन पर डाक-टिकट निकालने से लेकर किसी अवसर-विशेष पर प्रदर्शनियां लगाने और जगहों के नाम रखने की बातें भी शामिल हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

टाइट है हिंदी मीडियम

प्रभात रंजन जिस भी विधा में लिखते हैं, अपने अलहदा अंदाज में लिखते हैं। हाल में ही उनकी लिखी एक किताब आई है- हिंदी मीडियम टाइट। इसे किसी एक विधा में बांधकर नहीं देखा जा सकता है। इसे पढ़ते हुए संस्मरण, रेखाचित्र और व्यंग्य शैली में लिखे गए आत्मकथात्मक उपन्यास का आनंद एक साथ लिया जा सकता है। इसमें प्रभात ने दिल्ली के प्रतिष्ठित हिंदू कॉलेज में बिताए अपने छात्र जीवन की उन स्मृतियों को संजोया है, जिससे उस दौर में हिंदी पढ़ने और पढ़ाने वालों की हीन भावना प्रकट होती है। कहना चाहिए कि इसके बहाने लेखक ने उस सामाजिक मानसिकता को भी उजागर किया है, जो एक भाषा का जानकार होते हुए भी दूसरी प्रतिष्ठित मानी जाने वाली भाषा पर कमजोर पकड़ के कारण, पूरे व्यक्तित्व को हीनता बोध से ग्रस्त कर देती है। यह किताब हिंदी प्रेमियों, हिंदी के छात्रों, हिंदी के अध्यापकों और हिंदी साहित्यकारों को ही नहीं, हर उस व्यक्ति को भी पढ़नी चाहिए, जो हिंदी को एक भाषा के रूप में नहीं देखते बल्कि पढ़े-लिखे और संभ्रांत समाज में प्रतिष्ठित होने के लिए गैरजरूरी मानते हैं। *

पुस्तकः हिंदी मीडियम टाइट, **लेखकः** प्रभात रंजन,
मूल्यः 225 रुपए, **प्रकाशकः** राजपाल एंड संस, दिल्ली

(विशेष : चैत्र नवरात्र)

उपवास को आमतौर पर धार्मिक क्रिया के रूप में जाना जाता है। लेकिन इसके साथ ही उपवास करने से तन निरोग, ऊर्जावान बनता है, मन सकारात्मक होता है और आत्मचेतना में भी वृद्धि होती है। विशेष रूप से चैत्र नवरात्र में धार्मिक आस्था के अलावा उपवास के अन्य वैज्ञानिक लाभों के बारे में भी आपको जानना चाहिए।

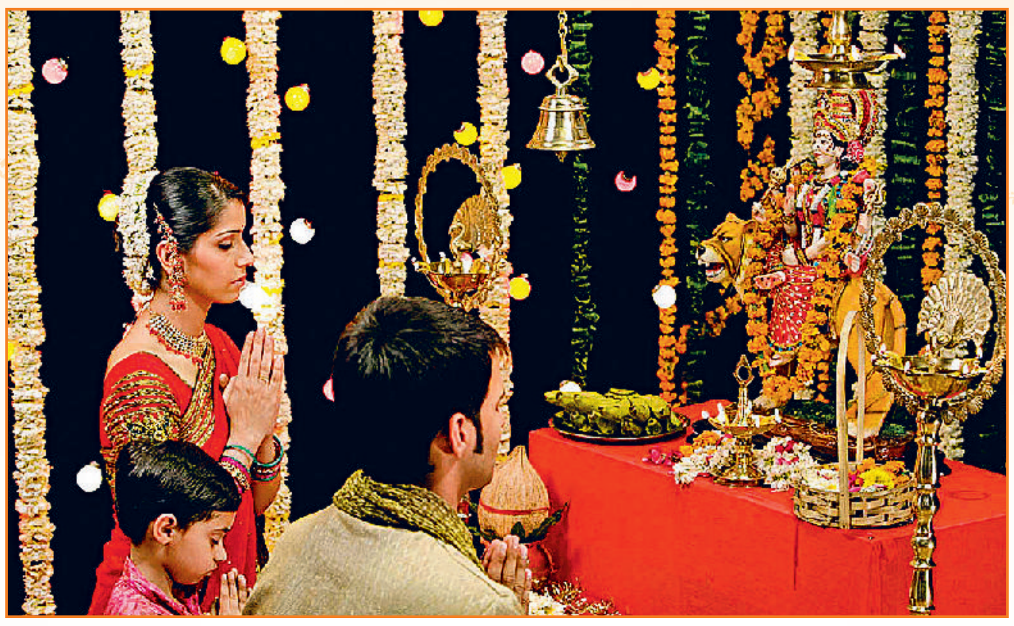

तन-मन बनाए शुद्ध आत्मचेतना बढ़ाए उपवास

आस्था-विज्ञान / नरेंद्र शर्मा

उपवास सिर्फ आहार न लेने तक सीमित गतिविधि या प्रक्रिया नहीं है बल्कि यह एक गहरी आध्यात्मिक और वैज्ञानिक प्रणाली है, जो आत्मशुद्धि, मानसिक स्थिरता और आत्मसंयम को बढ़ावा देती है। विभिन्न धर्मों और योग परंपराओं में उपवास को आत्म-उन्नति का साधन माना गया है। उपवास आत्मिक ऊर्जा को बढ़ाने के साथ-साथ शरीर और मन को संतुलित करने का एक प्रभावी माध्यम है।

उपवास के लिए उपयुक्त यह समय

हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र नवरात्र से नया वर्ष प्रारंभ होता है, साथ ही ऋतु चक्र भी बदलता है। इस समय प्रकृति, शरीर और चेतना में एक विशेष समानुपातिक रिश्ता होता है। इसलिए इस दौरान किया गया उपवास केवल धार्मिक-आध्यात्मिक ही नहीं

उसके साथ-साथ शारीरिक एवं मानसिक दृष्टिकोण से भी लाभकारी होता है। चैत्र नवरात्र के वासंतिक मौसम में हम उपवास के दौरान सात्विक भोजन (फल, दूध, साबूदाना, सिंघाड़ा, कुट्टू आटा आदि) करते हैं, जिससे शरीर की ऊर्जा शुद्ध रहती है, नकारात्मकता दूर होती है। इससे ध्यान-साधना और भक्ति में गहराई आती है, जो आत्मिक ऊर्जा बढ़ाने में मददगार होती है। चैत्र नवरात्र के समय मौसम में परिवर्तन होता है, जिससे शरीर का जैविक चक्र प्रभावित होता है। उपवास इस चक्र को संतुलित करता है और शरीर को नए मौसम के लिए तैयार करता है।

बढ़ती है आत्मिक ऊर्जा

उपवास को आत्मशुद्धि की प्रक्रिया कहा जाता है। शरीर, मन और आत्मा की शुद्धि की प्रक्रिया उपवास से होकर गुजरती है। जब व्यक्ति उपवास करता है, तो वह इंद्रियों के नियंत्रण और मानसिक शुद्धि की दिशा में बढ़ता है। यह ध्यान और साधना में गहनता लाने में मददगार है, जिससे चेतना का स्तर ऊंचा उठता है। जब शरीर में भोजन सीमित होता है, तो शरीर ऊर्जा को पाचन में खर्च करने के बजाय मानसिक और आध्यात्मिक कार्यों की ओर मोड़ता है, जिससे आत्मिक ऊर्जा बढ़ती है। उपवास से शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, क्योंकि उपवास से पाचन तंत्र को विश्राम मिलता है, इससे शरीर विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है और चयापचय यानी मेटाबॉलिज्म को संतुलित करता है, इससे शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ता है।

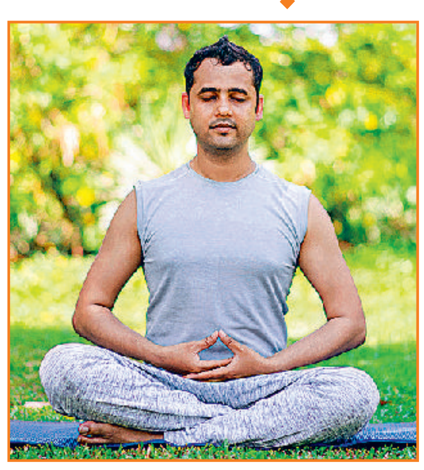

दिव्य ऊर्जा से जुड़ाव

चैत्र नवरात्र में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना की जाती है। नियमित उपवास और जप-तप से व्यक्ति अपनी चेतना में दिव्य ऊर्जा से जुड़ाव महसूस करता है। इससे ध्यान और प्राण ऊर्जा में वृद्धि होती है। शास्त्रोक्त विधान से किया गया उपवास व्यक्ति को ईश्वर के निकट लाने में सहायक होता है। उपवास एक साधना की तरह कार्य करता है, जिससे व्यक्ति अपनी आध्यात्मिक यात्रा में प्रगति करता है।

बढ़ती है सकारात्मकता

उपवास के दौरान मन अधिक शांत और केंद्रित होता है। नकारात्मक विचार कम होते हैं और आत्मसंयम बढ़ता है। शरीर के ऊर्जा केंद्र या ऊर्जा चक्र सक्रिय होते हैं, जिससे आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति बढ़ती है। यह व्यक्ति को भावनात्मक संतुलन में रखता है, जिससे जीवन के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है। हमारा आध्यात्मिक और नैतिक विकास होता है। उपवास से व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं में अंतर समझने लगता है, जिससे मोह और भौतिक आसक्तियों से मुक्ति मिलती है। यह करुणा, दया और सेवा की भावना को प्रबल करता है, जिससे सामाजिक जीवन भी समृद्ध होता है।

इस तरह चैत्र नवरात्र के उपवास केवल धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं हैं, बल्कि आत्मिक ऊर्जा बढ़ाने, शरीर को शुद्ध करने और मानसिक शांति प्राप्त करने का वैज्ञानिक और आध्यात्मिक साधन हैं। यह शरीर, मन और आत्मा को संतुलित कर जीवन को सकारात्मकता और दिव्यता से भर देता है। *

तन बनता है स्वस्थ-मन रहता है प्रसन्न

उपवास के दौरान हमारे शरीर में सेरोटोनिन और डोपामाइन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर्स की मात्रा संतुलित होती है, जिससे मन शांत रहता है और एकाग्रता बढ़ती है। उपवास से कोशिकाओं की मरम्मत की प्रक्रिया तेज होती है, जिससे शरीर अधिक ऊर्जा प्राप्त करता है। आयुर्वेद में कहा गया है कि समय-समय पर उपवास करने से इससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, जिससे मेटाबॉलिज्म नियंत्रित रहता है। शरीर का ओज बढ़ता है, जिससे व्यक्ति अधिक ऊर्जावान और उत्साही महसूस करता है।

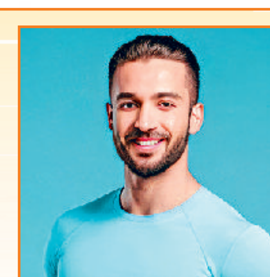

गुड़ी पड़वा-उगादी-चेटीचंड विविध रूपों में मनाते हैं नववर्ष

चैत्र महीने की शुक्ल प्रतिपदा को हिंदू नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। भारत के अलग-अलग प्रदेशों में भी इसे अलग-अलग रूपों से जाना जाता है। साथ ही इससे वहां की धार्मिक-सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक परंपराएं भी जुड़ी हैं।

परंपरा
आर.सी. शर्मा

हिंदू चंद्र-सौर कैलेंडर (पंचांग) के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की पहली तिथि से हिंदू नववर्ष का प्रारंभ माना जाता है। देश के विभिन्न हिस्सों में इस दिन को अलग-अलग धार्मिक-सांस्कृतिक पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस साल यह तिथि 30 मार्च, दिन रविवार को है। इसलिए ये सभी पर्व इस साल 30 मार्च को मनाए जाएंगे।

जुड़ी है पौराणिक मान्यता: पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को ब्रह्मा जी ने सृष्टि का निर्माण किया था। इसलिए प्रत्येक वर्ष चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की पहली तिथि को नवसंवत्सर या नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। इस दिन ब्रह्माजी और उनके द्वारा निर्मित सृष्टि के प्रमुख देवी-देवताओं, यक्ष-राक्षस, गंधर्व, ऋषि-मुनियों, नदियों, पर्वतों, पशु-पक्षियों और कीट-पतंगों का ही नहीं, रोगों के उपचारों तक का पूजन किया जाता है।

साजिबू नोंगमा पनबा पर पूजन

विजय का प्रतीक गुड़ी पड़वा: 'गुड़ी' का अर्थ 'विजय पताका' से भी है। इस पर्व से जुड़ी कई पौराणिक एवं ऐतिहासिक मत हैं। कहते हैं कि मराठा राजा शालिवाहन ने विदेशी आक्रमणकारी शकों को हराकर इसी दिन विजय के प्रतीक स्वरूप शालिवाहन शक संवत की शुरुआत की थी। इसलिए यह दिन, मराठी नववर्ष के रूप में भी मनाया जाता है। इसी दिन से चैत्र नवरात्र का प्रारंभ होता है।

एक मत के अनुसार इसी दिन, यानी चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को छत्रपति शिवाजी महाराज ने मुगलों को हराया था। इसलिए इस दिन महाराष्ट्र के लोग अपने घरों में गुड़ी यानी विजय पताका फहराते हैं। मान्यता है कि यह झंडा या विजय पताका घरों के परिसर में किसी भी तरह की बुराई को प्रवेश नहीं करने देती। गुड़ी पड़वा में शुद्धिकरण के लिए तेल स्नान किया जाता है। माना जाता है कि इसे अच्छा स्वास्थ्य एवं सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। इस दिन महिलाएं प्रवेश द्वारों को अलग-अलग पैटर्न और रंगों की 'रंगोली' से सजाती हैं। नए कपड़े पहनना, खास तौर पर कुर्ता-पजामा और साड़ी पहनना इस परंपरा का अभिन्न अंग है। इस त्योहार का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा गुड़ी को फहराना है। गुड़ी को फहराने के बाद, पुरुष एवं किशोर लड़के गुड़ी तक पहुंचने के लिए मानव पिरामिड बनाते हैं और उसके अंदर रखे नारियल को तोड़ते हैं। यह इस त्योहार का एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है और महाराष्ट्र में लगभग हर जगह इसका पालन किया जाता है।

सुख-समृद्धि की कामना से मनाते हैं उगादी: तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में इस तिथि को सुखी जीवन की अभिलाषा के साथ-साथ समृद्धि और अच्छी फसल की कामना के साथ उगादी पर्व मनाया जाता है। इस दिन को तेलुगू नव वर्ष के रूप में भी जाना जाता है। उगादी पचड़ी, इस त्योहार से जुड़ा एक प्रसिद्ध व्यंजन है, जो इस दिन बनाया जाता है। इस दिन लोग अपने घरों को आम के पेड़ की पत्तियों से बने बंदनवार से सजाते हैं। मंदिरों में जाकर प्रार्थना करते हैं और भगवान से नए साल के लिए आशीर्वाद लेते हैं। एक अन्य मान्यता के अनुसार, भारत के महान गणितज्ञ भास्कराचार्य ने इसी दिन से सूर्योदय से सूर्यास्त तक दिन, महीना और वर्ष की गणना करते हुए 'पंचांग' की रचना की थी।

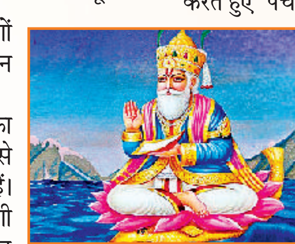
सिंधी समुदाय के आराध्य झूलेलालजी

सिंधी समुदाय का विशेष पर्व चेटीचंड: हिंदू नवसंवत्सर के दिन ही सिंधी समुदाय के लोग चेटीचंड या भगवान झूलेलाल जयंती मनाते हैं। ये इस दिन को नए साल के रूप में मनाते हैं। इस दिन भगवान झूलेलाल के साथ वरुण देवता की भी पूजा की जाती है। इस दिन सिंधु नदी के तट पर 'चालीहो साहब' नामक पूजा-अर्चना की जाती है। इस दिन भक्त लकड़ी का एक मंदिर बनाकर उसमें एक लोटे से जल अर्पित करते हैं और ज्योति प्रज्वलित करते हैं, इसे बहिराणा साहब कहा जाता है।

मणिपुर का नववर्ष साजिबू नोंगमा पनबा: चैत्र शुक्ल पक्ष की पहली तिथि को मणिपुर में 'साजिबू नोंगमा पनबा' या नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को सनमहिज्म धर्म के अनुयायी मनाते हैं। साजिबू नोंगमा पनबा शब्द मणिपुरी भाषा के शब्दों से मिलकर बना है, जिसमें साजिबू का अर्थ महीने का पहला दिन है। इस दिन मणिपुरी लोग संयुक्त परिवार के साथ मिलकर भोज का आयोजन करते हैं। *

प्रासंगिकता
आचार्य दीप चंद भारद्वाज

आज चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से आरंभ हो रहे नवसंवत्सर का भारतीय इतिहास-धर्म और संस्कृति में बहुत महत्व है। इसकी महत्ता पर एक दृष्टि।

विज्ञानसम्मत कालगणना का परिचायक नवसंवत्सर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा

हमारी समृद्ध एवं गौरवशाली स्वर्णिम सांस्कृतिक विरासत में पर्वों का विशेष रूप से महत्व है। भारतीय नव संवत्सर भी एक पुनीत पर्व के समान है, जो हमारी वैदिक धरोहर का प्रतीक है। इस बार भारतीय नव वर्ष 2082, आज (30 मार्च) चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा से आरंभ हो रहा है।

पौराणिक मान्यता: पौराणिक ग्रंथों के अनुसार चैत्र मास के प्रथम दिन ही ब्रह्मा ने सृष्टि की संरचना आरंभ की। हिमाद्रि ज्योतिष के प्रसिद्ध ग्रंथ में वर्णन किया गया है कि

चैत्रमासे जगद ब्रह्म ससर्ज प्रथमे अहनि।
शुक्लपक्षे समग्रंतु तथा सूर्योदये सति।।

अर्थात चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के प्रथम दिन सूर्योदय के समय ब्रह्मा ने जगत की रचना की। इसी दिन से ब्रह्मा दिवस, सृष्टि संवत, वैवस्वत आदि मन्वंतर का आरंभ, सतयुग आदि युग और विक्रम संवत का आरंभ होता है। इस प्रकार यह दिन नव संवत्सर सृष्टि अर्थात ब्रह्मांड का जन्मदिवस है। हमारे ग्रंथों में इसे सृष्टि का आरंभ कहा गया है। यह भारतीय नव संवत्सर सृष्टि निर्माण की प्रक्रिया का आधारभूत स्तंभ है। इस विक्रमी संवत का संबंध सारे विश्व की प्रकृति, खगोल सिद्धांत और ब्रह्मांड के ग्रहों एवं नक्षत्रों से भी है। इसलिए भारतीय कालगणना पंथनिरपेक्ष होने के साथ सृष्टि रचना को दर्शाती है। सर्वाधिक प्राचीन ग्रंथ वेदों में भी इन सभी तथ्यों का उल्लेख मिलता है।

नवऊर्जा का होता है संचार: चैत्र प्रतिपदा के पावन अवसर पर प्रकृति की शोभा भी चरमोत्कर्ष पर होती है। यह समय शीतकाल एवं ग्रीष्म ऋतु का मध्य बिंदु होता है। संपूर्ण प्रकृति उल्लास एवं सौंदर्य की प्रतिमूर्ति दिखाई देती है। वसंत के आगमन के साथ पतझड़ की कटु स्मृति को भुलाकर नूतन पुष्पों से सजे वृक्ष इस समय प्रकृति का श्रृंगार करते हुए दिखाई देते हैं। पशु-पक्षी, कीट-पतंग, स्थावर-जंगम, सभी प्राणी नई आशा से अपने कर्मों में लगे दिखाई देते हैं। प्रकृति का संपूर्ण वातावरण नई ऊर्जा तथा आनंद से परिपूर्ण होता है। चारों तरफ का वातावरण इस अवसर पर सात्विक एवं सौम्यता से परिपूर्ण होता है। ऐसा लगता है, मानो परम पुरुष अपनी प्रकृति से मिलने आ रहा हो। चैत्र मास को वेदों में मधुमास भी कहा गया है। विश्व में प्रचलित कैलेंडरों में ऐसा कोई भी नववर्ष नहीं है, जो अपनी एक विशिष्टता रखता हुआ प्रकृति के आत्मबोध के साथ संचालित होता हुआ दिखे। हमारा यह नववर्ष प्रकृति के साथ नैसर्गिक रूप से जुड़ा हुआ है। हमारे पूर्वज मनीषी भी चैत्र मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नव वर्ष का स्वागत करते आए हैं।

सृष्टि का हुआ था आरंभ: हमारे सर्वाधिक प्राचीन ग्रंथ वेदों में बताया गया है कि सृष्टि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन आज से एक अरब 96 करोड़ आठ लाख तिरपन हजार एक सौ इक्कीस वर्ष पूर्व आरंभ हुई थी। संसार के जितने भी देश हैं, उनका इतिहास कुछ सौ या हजार वर्ष पुराना है जबकि भारत का इतिहास 1.96 अरब वर्ष पुराना है। सृष्टि के आरंभिक काल से ही भारत संपूर्ण विश्व का वैदिक, आध्यात्मिक ग्रंथों के माध्यम से मार्गदर्शन करता आया है।

ऐतिहासिक महत्ता: यह दिन भारतवर्ष के स्वर्णिम इतिहास से भी जुड़ा हुआ है। इसी दिन भगवान राम का राज्य अभिषेक, युधिष्ठिर का राज्याभिषेक एवं महर्षि दयानंद सरस्वती ने इसी दिन आर्य समाज की स्थापना की थी। सिखों के द्वितीय गुरु अंगद देव का जन्म दिवस भी इसी दिन मनाया जाता है। यशस्वी सम्राट विक्रमादित्य ने इसी चैत्र शुक्ल की प्रतिपदा को विक्रमी संवत की शुरुआत की थी।

होता है नवरात्र आरंभ: चैत्र मास की प्रतिपदा से ही शक्ति और भक्ति के 9 दिन अर्थात नवरात्र आरंभ होते हैं। कलश स्थापना का पहला दिन भी यही है। हमारे समस्त अनुष्ठानों, संकल्पों में जब काल और स्थान को बोला जाता है, तब इसी विक्रमी संवत का वर्ष, मास, पक्ष, तिथि ही बोली जाती है। इस प्रकार यह नववर्ष धार्मिक, आध्यात्मिक दृष्टिकोण से भी सर्वमान्य है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि को मनाया जाने वाला यह नव वर्ष हमारे राष्ट्र की सांस्कृतिक, पौराणिक, ऐतिहासिक, आध्यात्मिक परंपरा का संवाहक है। यह नव वर्ष विश्व की प्राचीनतम हमारी वैदिक संस्कृति का ध्वजवाहक है। *

पर्यटन-स्थल
समीर चौधरी

दक्षिणी राज्य केरल में नवापुरम मथाथीथा देवालयम नामक एक अनोखा मंदिर है, जहां पुस्तक की प्रतिमा को देवतुल्य मानकर पूजा जाता है। प्रपोयिल नारायणन द्वारा बनवाया गया मंदिर अपनी विशिष्टता के कारण पूरी दुनिया में जाना जाता है। इस मंदिर की विशेषताओं और पूजन विधि के बारे में जानिए।

अनोखा मंदिर जहां होती है पुस्तक की पूजा

केरल में कन्नूर से लगभग 64 किमी. के फासले पर एक छोटे से कस्बे चेरुपुजा के निकट एक हरा-भरा गांव प्रपोयिल है। प्रपोयिल में एक असाधारण मंदिर है, जो संभवतः संसार में अपने किस्म का इकलौता मंदिर है। इसे नवापुरम मथाथीथा देवालयम कहा जाता है, जिसका अर्थ है ईश्वर का धर्मनिरपेक्ष गृह। इस मंदिर में जो देवता हैं, उन्हें पुस्तक की छवि में तराशा गया है। इस मंदिर के निकट ही कंबल्लोर गांव (जिला कासरगोड) के रहने वाले कलाकार संतोष मानसम ने मंदिर की मुख्य प्रतिमा का निर्माण किया है। हालांकि इस मंदिर के निर्माण और इसमें अवस्थित मुख्य मूर्ति की स्थापना का कार्य अक्टूबर 2021 में पूर्ण हुआ, लेकिन पर्यटकों के दर्शन के लिए इस मंदिर के कपाट 4 मार्च 2021 को ही खोल दिए गए थे।

पुस्तकाकार प्रतिमा

अनोखी पूजन विधि: भक्तगण इस मंदिर के गर्भ गृह में पूजा कर सकते हैं, देवता को पुस्तकें अर्पित कर सकते हैं। यहां पूजा के बाद प्रसाद के रूप में पुस्तकें ही मिलती हैं। मंदिर में न कोई पुजारी है न कोई हुंडी और बिना किसी जाति या धार्मिक भेदभाव के मंदिर के द्वार सबके लिए खुले हैं। हर धर्म और जाति का व्यक्ति इसमें पूजा कर सकता है। मंदिर की मुख्य मूर्ति-पुस्तक को एक विशाल प्राकृतिक पत्थर के ऊपर स्थापित किया गया है। इस मंदिर के निर्माण के पीछे यह सिद्धांत और आस्था निहित है कि ज्ञान दैविक होता है। मंदिर इसी ज्ञान दर्शन का प्रसार करता है और उसको प्रोत्साहित करता है ताकि सार्वभौमिक रूप से हर किसी के लिए प्रेम और दया का प्रचार और प्रसार हो सके।

कंक्रीट से निर्मित पुस्तक प्रतिमा: मंदिर का प्रवेश हॉल बेहतरीन पुस्तकालय के रूप में है, जिसमें कई हजार पुस्तकें रखी गई हैं। हॉल की दीवारें मूर्ति कला से सजी हुई है। हॉल में से होकर सीढ़ियां चढ़कर पुस्तक की प्रतिमा तक पहुंचा जा सकता है। मुख्य प्रतिमा कंक्रीट की पुस्तक है, जिसे 30 फीट ऊंचे प्राकृतिक पत्थर के ऊपर स्थापित किया गया है। 'पुस्तक' के पृष्ठों पर तीन वाक्य उकेरे गए हैं- 'ईश्वर ज्ञान है। धर्म व्यापक सोच है। विनम्र बुद्धिमत्ता ही मार्ग है।' प्रवेश हॉल में ही महान कवि चेरुसेरी की प्रतिमा स्थापित है, जो उत्तर मालाबार के कवि थे और जिन्होंने मलयालम महाकाव्य कृष्णगाथा, श्री बुद्ध और पत्थर दीप (ज्ञान का प्रतीक) की रचना की थी।

नवापुरम मथाथीथा देवालयम का सुंदर प्रांगढ़

लेखकों के लिए झोपड़ीनुमा कक्ष: वनीय परिवेश में मंदिर का यह कॉम्प्लेक्स दो एकड़ क्षेत्रफल में फैला हुआ है और इसमें कुछ झोपड़ियां भी हैं, जिन्हें एजुथुपुरा कहते हैं, जिसका अर्थ है लेखन के लिए झोपड़ी। इनमें बाहर से आने वाले लेखक कुछ समय रहकर अपना लेखन कार्य कर सकते हैं। ऐसी वहां तीन झोपड़ियां तैयार की जा चुकी हैं। अभी सात और बनाकर यहां कुल 10 झोपड़ियां बनाने का लक्ष्य है।

वर्षों के श्रम से सपना हुआ साकार: अपनी तरह के इस अनोखे मंदिर निर्माण का सपना, स्थानीय निवासी प्रपोयिल नारायण पिछले 35 वर्षों से देख रहे थे, जो अब जाकर साकार हुआ है। वह अपनी मां के इकलौते पुत्र हैं। उनके जमींदार पिता कोक्कोदन रमण का निधन, उस समय हो गया था, जब प्रपोयिल केवल 9 वर्ष के थे। प्रपोयिल नारायण को विरासत में केवल दो एकड़ जमीन मिली थी। वह 15 वर्ष की आयु से अपने परिवार की जिम्मेदारी उठा रहे हैं। जब वह अपने जीवन के 20वें बसंत में पहुंचे तो वह पुस्तक मंदिर के बारे में सोचने लगे और अपने ड्रीम प्रोजेक्ट के लिए थोड़ा-थोड़ा पैसा जमा करने लगे। इस दौरान विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में उनके अनेक लेख प्रकाशित हुए और वह एक सम्मानित लेखक के रूप में स्थापित हो गए। नारायण ने अब तक 26 किताबें लिखी हैं। उन्होंने मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके बाद वह छात्रों को ट्यूशन पढ़ाने लगे। उनकी मेहनत और लगन का ही नतीजा था कि आज वह चेरुपुजा कस्बे में एक कॉलेज भी संचालित कर रहे हैं। इस संस्था में राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास, वाणिज्य, हिंदी और दर्शन के स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम पढ़ाए जाते हैं। नारायण स्वयं पांच विषयों में पोस्टग्रेजुएट हैं। इस कॉलेज से होने वाली आय से वह अपने मंदिर के लिए लाखों रुपए जुटा लेते हैं। जिसका उपयोग मंदिर के भूमि विकास, मूर्तिकला, झोपड़ी निर्माण और उत्सवों के आयोजन में किया जाता है। नारायण इन सब कार्यों में अभी तक 60 लाख रुपए से अधिक राशि खर्च कर चुके हैं। अब उन्हें दान भी मिलने लगे हैं, लेकिन इससे खर्च का दसवां हिस्सा भी पूरा नहीं हो पाता है।

आयोजित होते हैं सांस्कृतिक उत्सव: इस मंदिर के द्वारा साल में दो सांस्कृतिक उत्सव आयोजित किए जाते हैं। एक अप्रैल में और दूसरा अक्टूबर के महीने में। इन उत्सवों में बड़ी संख्या में पर्यटक हिस्सा लेते हैं। इन उत्सवों में साहित्यिक संगोष्ठियां, शास्त्रीय और लोकनृत्य के प्रदर्शन, पुस्तक विमोचन, सेमिनार, नाटक आदि आयोजित किए जाते हैं। इनके अलावा चार द्रविड़ भाषाओं के प्रसिद्ध लेखकों को सम्मानित भी किया जाता है। इस अच्छे कार्य में नारायण के मित्र और कई ग्रामीण भी उनका सहयोग करते हैं। नारायण की कोशिश है कि मंदिर आत्म-निर्भर संस्था बन जाए। इस सिलसिले में वह उन लोगों से मिलकर चर्चा और प्रयास कर रहे हैं, जो उनके विचार से सहमत हैं।

कवि चेरुसेरी की प्रतिमा

सराहनीय प्रयास: प्रपोयिल नारायण असाधारण व्यक्ति हैं, जिन्होंने अपना पूरा जीवन साहित्य और पुस्तकों के लिए समर्पित कर दिया है। इसमें उनकी पत्नी शीला भी उनका पूरा सहयोग करती हैं। आज जब धर्म, जाति के नाम पर लोगों में दूरियां बढ़ती जा रही हैं, ऐसे में यह पुस्तक मंदिर इस दूरी को खत्म करके प्रेम-भाईचारे को प्रोत्साहित करने का प्रयास कर रहा है और पुस्तकों के महत्व को भी सिद्ध कर रहा है। *

नवरात्र आज से : ये बड़े देवी माता मंदिर, यहां दर्शन मात्र से मुरादें हो जाती हैं पूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रविवार से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो रही है। इस दौरान मां दुर्गा के 9 रूपों की हर दिन पूजा होती है। पूरे देश भर के देवी मंदिरों में इस दौरान छटा देखने योग्य होती है। कहा जाता है कि यहां दर्शन मात्र से प्राणी की मुरादें पूरी हो जाती है।

देशभर में कई प्रसिद्ध और प्राचीन देवी मंदिर हैं, जहां दर्शन के लिए केवल देश ही नहीं विदेशों से भी हिंदू भक्त पहुंचते हैं। भारत के उत्तर में कटड़ा में माता वैष्णो देवी माता का मंदिर है, वहीं दक्षिण में चामुंडेश्वरी मंदिर और मदुरै का मीनाक्षी मंदिर है। इसके अलावा 52 शक्तिपीठ भी हैं।

जय अंबे गौरी मैया जय श्यामा गौरी...

देशभर में कई प्रसिद्ध और प्राचीन देवी मंदिर हैं, जहां दर्शन के लिए केवल देश ही नहीं विदेशों से भी हिंदू भक्त पहुंचते हैं। भारत के उत्तर में कटड़ा में माता वैष्णो देवी माता का मंदिर है, वहीं दक्षिण में चामुंडेश्वरी मंदिर और मदुरै का मीनाक्षी मंदिर है। इसके साथ देश में 52 शक्तिपीठ भी हैं, जहां मनवांछित फलों की प्राप्ति होती है।

देवी कृपा से देश के चहुंओर से मिल रहा उनका 'प्रसाद'

1 वैष्णो देवी मंदिर, कटड़ा

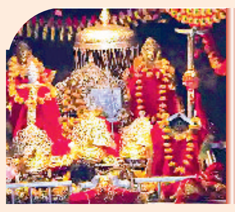

जम्मू-कश्मीर के कटड़ा में वैष्णो देवी का मंदिर है। इसे भारत का सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय मंदिर माना जाता है। नवरात्रि में यहां का नजारा देखते ही बनता है। माता के दर्शन को भक्तों को पैदल यात्रा करनी होती है। अब हेलीकॉप्टर सेवा और घोड़े व पालकी की व्यवस्था भी है। हर साल यहां लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

2 कामाख्या देवी मंदिर, गुवाहाटी

असम राज्य के गुवाहाटी में कामाख्या देवी मंदिर स्थित है। यह मंदिर 52 शक्तिपीठों में से एक है। यहां माता सती का योनि भाग गिरा था।इस मंदिर को तंत्र साधना का प्रमुख केंद्र माना जाता है। नवरात्रि के समय यहां विशेष पूजा-अर्चना होती है। देवी के दर्शन के लिए दूर-दूर से भक्त आते हैं।

3 अन्नपूर्णा मंदिर, वाराणसी

भगवान शिव की नगरी काशी में माता अन्नपूर्णा का मंदिर है जो कि देवी पार्वती का प्रमुख स्थल है। यह मंदिर भक्तों को सुख-समृद्धि और अन्न-धन का आशीर्वाद देने वाला माना जाता है। नवरात्रि में यहां भव्य पूजा और भंडारे का आयोजन किया जाता है।

4 हरसिद्धि मंदिर, उज्जैन

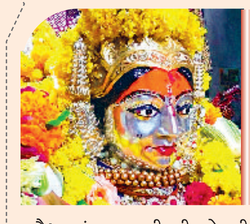

मध्य प्रदेश के उज्जैन में भी शक्तिपीठ है, जिसका नाम हरसिद्धि माता मंदिर है। इसे देश के प्रमुख शक्ति पीठों में गिना जाता है। यहां माता सती की कोहनी गिरी थी। नवरात्रि के दौरान यहां विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं। मां काली की भव्य आरती भक्तों को अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव देती है।

5 अंबाजी मंदिर, गुजरात

गुजरात के बनासकांठा में अंबाजी मंदिर स्थित है। इस मंदिर को 52 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। मान्यता है कि यहां माता सती का हृदय गिरा था। यह मंदिर बिना किसी मूर्ति के पूजनीय है, क्योंकि यहां केवल श्री यंत्रकी पूजा की जाती है। मान्यता है कि यहां भगवान श्रीकृष्ण का मुंडन संस्कार संपन्न हुआ था।

खबर संक्षेप

यमन में हूती विद्रोहियों पर हमला, एक की मौत

दुबई। यमन में शुक्रवार रातभर और शनिवार को हुए अमेरिकी हवाई हमलों में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। हूती विद्रोहियों ने यह जानकारी दी। शनिवार को किए गए हमलों में अमेरिका ने यमन के उन कई क्षेत्रों को निशाना बनाया गया, जिन पर ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों का कब्जा है। इन क्षेत्रों में राजधानी सना, अल-जौफ तथा सादा प्रांत शामिल हैं।

वडोदरा में डंपर ने स्कूटी सवार मां-बेटी को कुचला

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा के वागोडिया तालुका के मालोधर रोड पर एक हिट-एंड-रन की घटना घटी है। डंपर की टक्कर से एक्टिवा पर सवार मां-बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। इस हादसे में 12 वर्षीय बेटी काव्या पटेल की जान चली गई। हादसे का फुटेज भी सामने आया है। वाघोडिया पुलिस डंपर चालक को तलाश रही है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

ट्रंप बोले- भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता के 'बहुत अच्छे परिणाम' मिलेंगे, पीएम मोदी बुद्धिमान नेता

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

पीएम नरेन्द्र मोदी को अपना 'अच्छा दोस्त' और 'बेहद बुद्धिमान व्यक्ति' करार देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और अमेरिका के बीच होने वाली व्यापार शुल्क वार्ता के 'बहुत अच्छे परिणाम' मिलने की उम्मीद जताई। अमेरिकी सामानों पर भारत और अन्य देशों द्वारा लगाये गये उच्च शुल्क की ट्रंप की ओर से की जा रही लगातार आलोचनाओं के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति की हालिया टिप्पणी बेहद महत्वपूर्ण है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी हाल ही में यहां आए थे और हम हमेशा से बहुत अच्छे मित्र रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे ज़्यादा शुल्क वसूलने वाले देशों में से एक है। यह क्रूर है। वे बहुत होशियार हैं। वह (मोदी) बहुत बुद्धिमान आदमी हैं और मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। हमारी बातचीत बहुत अच्छी रही। मुझे लगता है कि भारत और हमारे देश के बीच सब कुछ बहुत अच्छा रहेगा।

व्यापार समझौते पर बातचीत पूरी

वहीं, भारत और अमेरिका के अधिकारियों ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत का एक दौर शनिवार को पूरा कर लिया। सरकारी सूत्रों के अनुसार, वार्ता सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। इस बैठक में अमेरिका के अधिकारियों की टीम का नेतृत्व साउथ और सेंट्रल एशिया के लिए असिस्टेंट अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ब्रेंडन लिंच ने किया।

दोनों देशों के व्यापार समझौते का लक्ष्य

भारत और अमेरिका इस समझौते का पहला चरण 2025 के सितंबर-अक्तूबर तक पूरा करने का लक्ष्य बना रहे हैं। दोनों देश 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर से अधिक करने की योजना पर काम कर रहे हैं। अमेरिका की मांग है कि औद्योगिक वस्त्र, ऑटोमोबाइल, पेट्रोकेमिकल, डेयरी, कृषि उत्पाद पर टैरिफ में कटौती की जाए। वहीं भारत की प्राथमिकताएं है कि टेक्सटाइल और अन्य श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए टैरिफ में राहत मिले।

बीएसएनएल लगा रही 1 लाख स्वदेशी 4जी टावर, जो बदल जाएंगे 5जी में

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत संचार निगम लिमिटेड यानी बीएसएनएल देशभर में ऐसे 1 लाख स्वदेशी 4जी मोबाइल टावर लगा रही है, जिन्हें 5जी में बदल दिया जाएगा। यह काम जून तक पूरा हो जाने की उम्मीद है। यह आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह जानकारी दी है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत अब दुनिया के उन पांच देशों में शामिल हो गया है जिनके पास अपनी टेलीकॉम तकनीक है। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल 18 साल बाद मुनाफे में आई है और सरकार 6जी तकनीक में भी आगे बढ़ने की योजना बना रही है।

अपनी टेलिकॉम तकनीक वाला पांचवा देश बना भारत

सिंधिया ने बताया कि दुनिया के सिर्फ चार देशों के पास अपनी टेलिकॉम तकनीक है। इनमें चीन,

फिनलैंड, स्वीडन और दक्षिण कोरिया शामिल हैं। भारत दुनिया का पांचवां देश बन गया है, जिसके पास खुद के टेलिकॉम स्टैक बनाने वाली कंपनियां हैं। उन्होंने बताया कि बीएसएनएल 18 साल बाद मुनाफे में आई है। कंपनी को पिछले साल अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 262 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ। वहीं, पिछले साल की तीसरी तिमाही में उसे 1262 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। लागत को 18 फीसदी तक कम किया है। सिंधिया ने बताया कि सरकार की ओर से डायरेक्ट-टू-डिवाइस डी2डी सैटेलाइट मैसेजिंग सेवाएं शुरू की गई हैं।

सांसद सुमन के समर्थन में सड़क पर उतरी समाजवादी पार्टी, किया प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶ आगरा

सांसद रामजीलाल सुमन के आगरा स्थित आवास पर 26 मार्च को करणी सेना के पदाधिकारियों द्वारा आवास सहित उनकी गाड़ियों को निशाना बनाया गया। सांसद के परिजनों पर हमला किया गया था। जिसके विरोध में समाजवादी पार्टी एकजुटता के साथ शनिवार को सड़क पर उतरी। बाबा साहेब आंबेडकर पार्क में सपा नेताओं के जुटने का सिलसिला शुरू हुआ। यहां भारी संख्या में प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी पहुंचे। इस दौरान पुलिस कर्मियों से सपाइयों की नोकझोंक भी हुई। बाद में सपा जिलाध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद प्रदर्शन को आगे बढ़ने की अनुमति दी गई।

सपाइयों ने तुवन चौराहा होते कलेक्ट्रेट में कूच किया। जहां सपाई पुलिस के घेरे में रहे। सपा जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह यादव के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में कहा कि सपा सांसद एवं वरिष्ठ नेता रामजी लाल सुमन के घर तोड़फोड़ करने वाले आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। जब लोकतंत्र के सबसे बड़े सदन में सांसद सुरक्षित नहीं है, तो सोचो दलित वर्ग का क्या हाल होता होगा।

गृह युद्ध की साजिश का आरोप

बांग्लादेश में शेख हसीना समेत 73 के खिलाफ एफआईआर दर्ज

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश की अपदस्थ पीएम शेख हसीना के खिलाफ ढाका के मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में पुलिस ने मामला दर्ज कराया है। शेख हसीना के अलावा 72 अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। इन सभी पर बांग्लादेश में गृह युद्ध भड़काने और मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश रचने का आरोप है। सत्ता से बेदखल होने के बाद से ही पूर्व पीएम हसीना पर सामूहिक हत्या और भ्रष्टाचार समेत 100 से अधिक मामले

दर्ज हो चुके हैं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने अंतरिम सरकार को गिराने की साजिश के आरोप में ढाका के मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत के आदेश पर मामला दर्ज किया है।

भाजपा को गांधी और उनके नाम पर मनरेगा पसंद नहीं : स्टालिन

चेन्नई (भाषा)। तमिलनाडु में शनिवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सैकड़ों कार्यकर्ताओं के बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने के बीच मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने केंद्र की भाजपा सरकार पर मनरेगा मजदूरों की दुर्दशा को लेकर बेपरवाह होने का आरोप लगाया।

नगर निगम रोहतक
सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम, रोहतक की कर शाखा के सम्पत्तिकर के रिकार्ड में नई प्रोपर्टी आई०डी० नं०. 1HNKONW4 पुरानी प्रोपर्टी आई०डी० नं० 224C2080U102 वार्ड नं० / पता Janta colony पुराने एन०डी०सी० रिकार्ड में लाल चन्द व सर्वे के अनुसार नए एन०डी०सी० रिकार्ड में लाल चन्द नाम से दर्ज है, अब नगर निगम के रिकार्ड में इस आई०डी० नं० में प्रार्थी जिनके नाम सुरेश कुमार, नरेश कुमार, रमेश कुमार, कमला शर्मा, प्रेमलता, रानी देवी, द्वारा वसीयत / वारसान के आधार पर अपने नाम तबदील करवाना चाहते हैं जिसकी वारसान रिपोर्ट तहसीलदार, रोहतक द्वारा तसदीक की गई है। यदि किसी भी जनसाधारण को इनके नाम तबदील करने में कोई भी आपत्ति है तो 30 दिन के अन्दर अन्दर नगर निगम कार्यालय में अपनी आपत्ति दर्ज करवाये, अन्यथा प्रोपर्टी टैक्स में उनके नाम तबदील कर दी जायेगी। जिसके लिए नगर निगम, रोहतक कोई उत्तरदायी नहीं होगा।

MCR/ZTO/2025/966 Sd/- क्षेत्रीय कराधान अधिकारी
Date 27/03/25 नगर निगम रोहतक

COURT NOTICE

IN THE COURT OF DR. AMAN INDER SINGH CIVIL JUDGE (SR DIVN), KAITHAL

C.I.S. No. GW/7/2025
Date of Institutaion: 03.03.2025
CNR HRKH2-000442-2025
Next Date of Heang 11-04-2025 10:00 AM
1. Smt. Poonam Devi Wd/o Rampal S/o Ramdiya
2. Prikshit (minor) S/o Late Rampal S/o Ramdiya both R/o Village Sirsal, Tehsil Pundri, District Kaithal minor through his mother Smt. Poonam Devi as natural/guardian next friend of the minor ...Petitioners
VS
General Public ...Respondent

Petition under Section 8(2) of The Hindu Minority and Guardianship Act, 1956 for grant of permission to sell the property of miner

Whereas in the above noted petition, it has been proved to the satisfaction of this Court that the above named Respundent Le. General Public can not be served in ordinary way of process. Hence, this publication notice is hereby issued against the above noted Respondent i.e. General Public if he/She/they want to contest this plaint, he/she/they should appear in this court on 11.04.2025 at 10:00 A.M. personally or through duly instructed agent pleader, failing which an exparte proceeding shall be taken agains him/her/them. Given under my hand and seal of the Court.

Sd/- (Dr.Aman Inder Singh)
Civil Judge (Senior Division),
Kaithal. 20.03.2025

COURT NOTICE

IN THE COURT OF DRAMAN INDER SINGH CIVIL JUDGE (SR. DIVN), KAITHAL

CNR NRKH2-000442-2025
Next Date of Heang 11-04-2025 10:00 AM
Poonam and another
V
General Public

Petition under Section 8(2) of The Hindu Minority and Guardianship Act, 1956 for grant of permission to sell the property of minor Notice to: Respondent i.e. General Public

in the above mentioned petition, the Respondent Le. General Public served. Thus, it is ordered that the Respondent i.e. General Public should appear in person or through counsel on 11.04.2025 at 10:00 AM

For details logon to http/highcourtchd.gov.in/trs=district notice&district kaithal

Sd/- (Dr.Aman Inder Singh)
Civil Judge (Senior Division),
Kaithal. 20.03.2025

IN THE COURT OF SH. HARUN PRATAP, LD. PO (MACT)-02 ROOM NO. G-4, GROUND FLOOR, NEW COURT BUILDING SHAHDARA DISTRICT, KARKARDOOMA COURT, DELHI

DATE OF ORDER : 24.03.2025
NAME OF PROCESS SERVER
DATE OF FILLING OF PF : 25.03.2025
NO. OF DOCUMENTS ANNEXED :
COPY OF ORDER
NO. OF PROCESS
DATE OF ISSUE : 25.03.2025
NEXT DATE OF HEARING : 06.05.2025
DATE OF RETURN

NOTICE

MACT - 344/2023
POONAM & ORS. VS. JONY MATI & ORS.
TO
NAVJYOTI TANSPORT CARRIERS, THORUGH ITS PROPERIOR, H.NO.203, VILLAGE RAJPURA BHAN, TEHSIL JIND DISTT.JIND HARYANA-126002
(RESPONDENT NO. 2)

WHEREAS the above noted claim petition U/s 166 & 140 of Motor Vehicle Act is pending before the court of undersigned and you are hereby informed through this notice to appear in person or through pleader before this Court on the next date of hearing i.e. 06.05.2025 at 10.00 AM

Given under my hand and seal of this court on 25.03.2025

Sd/- PO (MACT)-02, SHD, KKD
PO (MACT)-02, Shahdara,
Karkardooma Courts, Delhi
Prepared by typist Ahimad

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Ms. Varsha Sharma
Additional Civil Judge (Senior Division), Ganaur
MINOR RIDHI @ RIDHI TYAGI
Vs.
General Public
CNR No. HRSOA0-000149-2025
H.m.g.Act/4/2025
Next Date : 01.05.2025

It is prayed that the permission to sell the share of the minor Petitioners (1.Minor Ridhi@ Ridhi Tyagi 2. Minor Navya @ Navya Tyagi both daughters of Late Sh. Umesh Umesh Tyagi S/o Ram Dass, minors through their mother Shashi @ Shashi Tyagi widow of Umesh @ Umesh Tyagi) in the plot/land as detailed In para no.1 of the petition may kindly be granted to the real mother of the minor petitioners namely Shashi @ Shashi Tyagi, on the grounds mentioned above, In the interest of justice.

PUBLICATION ISSUED TO :-
General Public
Ganaur, Tehsil Ganaur, Distt. Sonipat, Haryana

In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on 01.05.2025 at 10:00 a.m.

For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Sonipat

Sd/- Additional Civil Judge (Senior Division), Ganaur
Dated, this day of 27.03.2025

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Ms. Varsha Sharma
Additional Civil Judge (Senior Division),Ganaur
SARVA HARYANA GRAMIN BANK
Vs.
NARENDER ETC.
CNR No. HRSOA0-000037-2023
CS/30/2023
Next Date : 15.05.2025

It is prayed that a decree for recovery of Rs. 13,96,019/- along with costs of the suit and future interest 10.10% per annum with monthly rests from the date of filling of the suit till its actual realization of the decreed amount may kindly be passed in favour of the plaintiff bank and against the defendants, in the interest of justice.

PUBLICATION ISSUED TO :-
1. Narender S/o Ranbir Singh S/o Bhagwana, R/o Gali No.6, Gandhi Nagar, Ganaur, Tehsil Ganaur, Distt. Sonipat.
2. Sumit S/o Bijender R/o Gali No.6, Gandhi Nagar, Ganaur, Tehsil Ganaur, Distt. Sonipat.

In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on 15.05.2025 at 10:00 a.m.

For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Sonipat

Sd/- Additional Civil Judge (Senior Division), Ganaur
Dated, this day of 28.03.2025

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Ms. Varsha Sharma
Additional Civil Judge (Senior Division), Ganaur
REKHA
Vs.
ANIL KUMAR
CNR No. HRSOA0-000069-2023
CS/58/2025
Next Date : 22.05.2025

It is prayed that a decree for Specific Performance of agreement to sell dated 22.08.2024 directing the defendant to execute the sale deed in favour of the paintiff of the land 1K-10M-2S i.e. ½ share as detailed in para no.1 of the plaint and a decree for possession directing the defendant to handover the vacant and physical possession of the suit property mentioned in para no.1 of the plaint, may kindly be passed in favour of the plaintiff and against the defendants, in the interest of justice.

PUBLICATION ISSUED TO :-
Anil Kumar S/o Prem Singh S/o Sarupa R/o Village Rajlu Garhi, Tehsil Ganaur, Distt. Sonipat

In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on 22.05.2025 at 10:00 a.m.

For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Sonipat

Sd/- Additional Civil Judge (Senior Division), Ganaur
Dated, this day of 29.03.2025

राशिफल

मेष किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

स्वास्थ्य विभाग की जांच में खुलासा

केरल में 1 सुई के इस्तेमाल से 10 एचआईवी पॉजिटिव

एजेंसी ▶▶ मलप्पुरम

केरल के मलप्पुरम जिले के वलंचेरी नगर पालिका क्षेत्र से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां 10 लोगों के एचआईवी पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई है। इन सभी को एक ही सुई से इंजेक्शन लगाया गया था। संक्रमित व्यक्तियों में 3 अन्य राज्यों के प्रवासी श्रमिक हैं, जबकि 7 केरल के निवासी हैं। स्वास्थ्य विभाग की जांच में पता चला ये सभी नशीली दवाओं का सेवन करने के आदी थे और एक ही इंजेक्शन का बार-बार उपयोग करने से संक्रमित हो गए।

सभी संक्रमित नशे के थे आदी

स्वास्थ्य विभाग की प्रारंभिक जांच के अनुसार सभी संक्रमित नशे के आदी थे। इनमें से एक व्यक्ति पहले से ही संक्रमित था। उसी द्वारा इस्तेमाल की गई सिरिंज को अन्य 9 व्यक्तियों ने भी नशे के लिए इस्तेमाल किया, जिससे संक्रमण फैल गया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि सभी 10 संक्रमित व्यक्तियों को निगरानी में रखा गया है।

पश्चिम बंगाल के मालदा में हिंसा के बाद इंटरनेट बंद, 34 गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के मोथाबाड़ी में 27 मार्च को दो गुटों के बीच हुई हिंसा मामले में 34 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया है। घटना के बाद से इलाके में इंटरनेट बंद है। आर्म्ड और रैपिड एक्शन फोर्स की तीन कंपनियां तैनात की गई हैं। हिंसा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को डीएम और एसपी से 3 अप्रैल तक एक्शन रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने कहा कि राज्य को सावधानी से काम करना चाहिए। साथ ही हिंसा से प्रभावित लोगों की सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाने चाहिए। रिपोर्ट्स के मुताबिक 26 मार्च को मोथाबाड़ी मस्जिद में नमाज हो रही थी। इस दौरान वहां से एक जुलूस गुजर रहा था, तभी कुछ लोगों ने धार्मिक नारे लगाए। 27 मार्च को दूसरे समुदाय ने इसका विरोध किया। इस दौरान भीड़ ने दुकानों, घरों और गाड़ियों में तोड़फोड़ और लूट की।

शब्द पहेली - 5820

बाएँ से दाएँ
1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना, धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे
2.उद्देश्य, गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र, बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान, जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह, जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली- 5819 का हल

■	त	था	क	थि	त	■	क	या	म	त
ना	प	■	ह	■	र	का	बी	■	त	र
मु	■	त	वा	य	फ	■	ला	वा	■	खा
ना	पा	क	■	■	दा	नी	■	दा	म	न
सि	■	दी	■	प	र	■	सा	■	हि	■
ब	ह	र	हा	ल	■	नि	य	ला	प	न
■	र	■	नि	■	आ	शा	■	ज	■	ज
अ	म	र	■	अ	तं	■	■	वा	न	र
मा	■	मा	न	■	क	र	त	ब	■	बं
न	या	■	ज	ल	वा	■	ना	■	क	द
त	क	दी	र	■	द	शा	व	ता	र	■

सूडोकु नवताल - 5830

★★★★☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5829 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

धोनी की गजब रफ्तार, 0.12 के बाद अब 0.16 सेकंड से किया स्टंपिंग

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल 2025 में टीम के लगातार दूसरे मैच में विकेट के पीछे अपनी तेजी से सभी को चौंकाया। पहले मैच में धोनी ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ सूर्यकुमार यादव को महज 0.12 सेकंड जबकि पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के फिल साल्ट को सिर्फ 1.16 सेकंड में गिल्लियां बिखेर कर स्टंप आउट कर दिया। शुक्रवार को चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम पर यह मुकाबला खेला गया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके के खिलाफ आरसीबी ने तेज शुरुआत की। सॉल्ट और कोहली ने पांच ओवर खत्म होने से पहले ही 45 रन जोड़ लिए थे। हालांकि, उसे सॉल्ट के रूप में पहला झटका लगा। धोनी ने एक बार फिर बिजली की रफ्तार से स्टंप किया और सॉल्ट को चौंका दिया। सॉल्ट 16 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 32 रन बनाकर आउट हुए।

चंद सेकेंड में किया आउट

नूर की गुगली पर सॉल्ट ने शॉट लगाने की कोशिश की, लेकिन वह चूक गए और धोनी ने जल्दी से स्टंप किया। धोनी की अपील पर अंपायर ने तीसरे अंपायर का इशारा किया। टीवी रिव्यू में दिखा कि सॉल्ट का पैर क्रीज की लाइन पर था, लेकिन जब धोनी ने गेंद विकेट में हिट की तब सॉल्ट का पैर हवा में था जिस कारण वह आउट करार दिए गए। उन्होंने 0.16 सेकेंड में स्टंपिंग की। धोनी विकेट के पीछे अपनी फुर्ती के लिए जाने जाते हैं और आईपीएल 2025 में सीएसके के लगातार दूसरे मुकाबले में धोनी का जलवा देखने मिला है।

मुंबई के खिलाफ भी दिखाई थी फुर्ती

43 साल के धोनी ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ सीएसके के पिछले मुकाबले में भी विकेट के पीछे गजब की फुर्ती दिखाई थी। धोनी ने चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में ऐसा कारनामा किया था जिससे फैंस को उनके पुराने दिनों की याद आ गई थी। धोनी ने मुंबई की पारी के 11वें ओवर में सूर्यकुमार यादव को 0.12 सेकंड में स्टंप आउट किया और सभी को चौंका दिया था। मुंबई की पारी के दौरान जब नूर अहमद गेंदबाजी कर रहे थे तो उन्होंने सूर्यकुमार को गुगली डाली। सूर्यकुमार गेंद मिस कर बैठे, लेकिन विकेट के पीछे खड़े धोनी ने उन्हें स्टंप करने में जरा भी देर नहीं लगाई। धोनी की फुर्ती का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता था कि उन्होंने 0.12 सेकेंड में ही सूर्यकुमार को स्टंप किया था।

खास खबर

10 गुना बेहतर है आरसीबी टीम का संतुलन : एबीडि

चेन्नई। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शानदार शुरुआत को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डि विलियर्स का मानना है कि उम्दा शुरुआत से आगे आसीबी का काम आसान हो जाएगा। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स को चेपॉक पर सत्रह साल बाद हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आरसीबी के लिए खेल चुके डिविलियर्स ने अपने पॉडकास्ट 'एबी डिविलियर्स 360' में कहा, 'इस बार आरसीबी टीम का संतुलन पिछले सत्रों से दस गुना बेहतर है। पिछले साल आईपीएल नीलामी के समय मैने कहा था कि आरसीबी को संतुलन की जरूरत है। यह गेंदबाजों, बल्लेबाजों या क्षेत्ररक्षकों को लेकर नहीं था। यह आईपीएल टीमों और विकल्पों में अच्छे संतुलन को लेकर था।'

कमतर नहीं आंके, टीम में काफी आक्रामकता

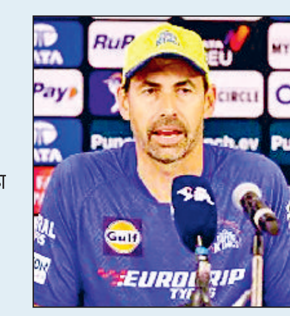

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने इन आलोचनाओं को खारिज किया कि उनकी टीम की शैली के क्रिकेट के दिन अब लद गए। उन्होंने कहा कि चेन्नई टीम में काफी आक्रामकता है और कोई उन्हें कमतर आंकने की गलती नहीं करे। पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई को शुक्रवार को आरसीबी ने 50 रन से हराया। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, 'इसके क्या मायने हैं, मेरी शैली का क्रिकेट क्या है। पहला मैच जीतना, यही सही तरीका है। हमारे भीतर काफी आक्रामकता है। मैं यह प्रश्न समझा नहीं।'

सनराइजर्स के खिलाफ खास रणनीति : निगम

विशाखापत्तनम। दिल्ली कैपिटल्स के स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला विपराज निगम ने कहा कि सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजी क्रम को जिस तरह लखनऊ सुपर जाइंट्स ने परेशान किया, उसे देखकर उनकी टीम ने भी इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खास रणनीति बनाई है । सनराइजर्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले मैच में छह विकेट पर 286 रन बनाये थे लेकिन दूसरे मैच में लखनऊ ने उसे 200 रन भी पार नहीं करने दिए। लखनऊ को एक विकेट से हराने वाली दिल्ली की टीम का सामना रविवार को सनराइजर्स से होगा। पिछले मैच में बल्ले और गेंद से चमकने वाले निगम टीम की तैयारियों को लेकर आश्वस्त हैं।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलोर	2	2	0	4
लखनऊ	2	1	1	2
गुजरात	2	1	1	2
पंजाब	1	1	0	2
दिल्ली	1	1	0	2
हैदराबाद	2	1	1	2
कोलकाता	2	1	1	2
चेन्नई	2	1	1	2
मुंबई	2	0	2	0
राजस्थान	2	0	2	0

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
145 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

नूर अहमद
07 विकेट
चेन्नई

मुंबई लगातार दूसरा मैच हारी साई सुदर्शन की फिफ्टी

इंडियन्स को 36 रन से हराकर टाइटंस ने पहली जीत दर्ज की

भाषा ▶▶| अहमदाबाद

साई सुदर्शन के अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग में शनिवार को यहां मुंबई इंडियन्स को 36 रन से हराकर मौजूदा सत्र की पहली जीत दर्ज की। मुंबई इंडियन्स की दो मैच में यह दूसरी हार है। टाइटंस के 197 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियन्स की टीम प्रसिद्ध कृष्णा (18 रन पर दो विकेट) और मोहम्मद सिराज (34 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने सूर्यकुमार यादव (48) और तिलक वर्मा (39) के बीच तीसरे विकेट की 62 रन की साझेदारी के बावजूद छह विकेट पर 160 रन ही बना सकी। टाइटंस ने सुदर्शन की 41 गेंद में चार चौकों और दो छक्कों से 63 रन की पारी तथा कप्तान शुभमन गिल (38) के साथ उनकी पहले विकेट के लिए 78 और जोस बटलर (39) के साथ दूसरे विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी से आठ विकेट पर 196 रन बनाए। शीर्ष तीन बल्लेबाजों के अलावा गुजरात के अन्य बल्लेबाजों को रन बनाने के लिए जूझना पड़ा और सिर्फ शेरफेन रदरफोर्ड (18) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए।मुंबई की ओर से कप्तान हार्दिक पंड्या सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 29 रन देकर दो विकेट चटकाए। ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, मुजीब उर रहमान और सत्यनारायण राजू को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरे मुंबई की शुरुआत खराब रही। रोहित शर्मा (08) ने सिराज के पहले ओवर में दो चौकों के साथ शुरुआत की लेकिन अगली गेंद पर बोल्ड हो गए।वर्मा ने कागिसो रबादा की लगातार गेंदों पर दो चौके और एक छक्का मारा जबकि सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन ने सिराज पर चौके से खाता खोला। सिराज ने रिकेल्टन (06) को बोल्ड करके मुंबई को दूसरा झटका दिया। मुंबई ने पावर प्ले में दो विकेट पर 48 रन बनाए। सूर्यकुमार ने सिराज पर छक्का जड़ने के बाद इशांत शर्मा की गेंद को भी दर्शकों के बीच पहुंचाया। उन्होंने साई किशोर पर भी छक्का मारा। प्रसिद्ध ने वर्मा को तेवतिया के हाथों कैच कराके इस साझेदारी का अंत किया।

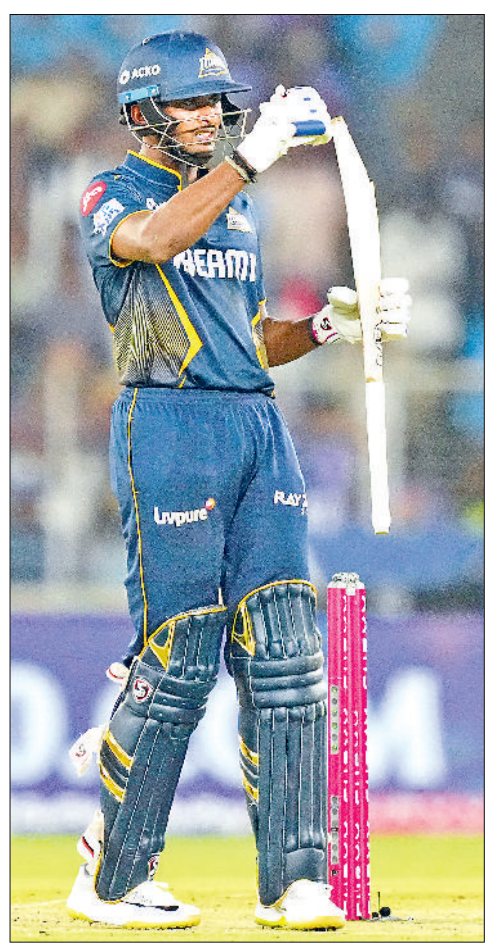

राहुल की वापसी, दिल्ली की नजरें दूसरी जीत पर

विशाखापत्तनम। लखनऊ सुपर जाइंट्स पर शानदार जीत दर्ज करने और भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल की वापसी के साथ आत्मविश्वास से ओतप्रोत दिल्ली कैपिटल्स रविवार को आईपीएल के मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ इस लय को कायम रखने के इरादे से उतरेगी। अपने अभियान की शानदार शुरुआत के बाद सनराइजर्स को गुरुवार को लखनऊ टीम के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा। अब अपने मैदान से बाहर कप्तान पैट कमिंस पर टीम की मोर्चे से अगुवाई का दारोमदार होगा। दूसरी ओर दिल्ली की टीम राहुल की वापसी से मजबूत हुई है। अपने अपार अनुभव के बावजूद उन्होंने कप्तानी नहीं करने का फैसला किया और यह जिम्मेदारी अक्षर पटेल को सौंपी गई।

टर्निंग पिच पर टकराएंगी सुपर किंग्स और रॉयल्स, जीत दर्ज करने पर नजर

गुवाहाटी। पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों अपने गढ़ चेपॉक पर 17 साल बाद मिली हार से हतप्रभ चेन्नई सुपर किंग्स का सामना रविवार को गुवाहाटी की टर्निंग पिच पर राजस्थान रॉयल्स से होगा तो नजरें जीत की राह पर लौटने पर लगी होंगी। रजत पाटीदार की कप्तानी वाली आरसीबी ने चेन्नई के लचर क्षेत्ररक्षण और खराब बल्लेबाजी का फायदा उठाते हुए 50 रन से जीत दर्ज की। गुवाहाटी की विकेट चेपॉक की तरह है जिस पर राजस्थान रॉयल्स का सामना करना उतना मुश्किल नहीं होगा चूंकि उसके पास इतना मजबूत गेंदबाजी आक्रमण नहीं है। रियान पराग को कप्तानी का उतना अनुभव भी नहीं है। चेन्नई का गेंदबाजी आक्रमण भी इस बार उतना धारदार नहीं लग रहा। मथीषा पथिराना और बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर नूर अहमद ने शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन भारतीय गेंदबाज नाकाम ही रहे हैं।

खबर संक्षेप

फ्रीस्टाइल पहलवानों के लिए मुश्किलभरा दिन

अम्मान। सुजीत कलकल को छोड़कर भारत के अन्य पुरुष फ्रीस्टाइल पहलवानों को शनिवार को यहां एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में पहली बाधा पार करने में भी संघर्ष करना पड़ा। तीन भारतीय पहलवानों को रेपेचेज के जरिए अपनी दावेदारी के लिए इंतजार करना होगा। सुजीत ने 65 किग्रा वर्ग में शानदार शुरुआत करते हुए फलस्तीन के अब्दुल्ला असफ को तकनीकी दक्षता से हराया लेकिन वह जापान के काइसेई तनाबे के डिफेंस को नहीं भेद सके। सुजीत को रेपेचेज के जरिए कांस्य पदक के लिए दावा पेश करने का मौका मिलेगा।

भारत का सामना करने निरंतरता जरूरी : रूट

लंदन। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट का मानना है कि पांच टेस्ट मैचों की आगामी श्रृंखला में भारत के खिलाफ प्रदर्शन में निरंतरता रहनी जरूरी है क्योंकि इसके अलावा ऐसे कठिन प्रतिद्वंद्वी का सामना करने का कोई उपाय नहीं है। भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की शुरुआत इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला से करेगी जिसका पहला मैच 20 जून से हेडिंग्ले में खेला जाएगा। रूट ने कहा, 'हम अपने हालात में अच्छा खेलते हैं लेकिन भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में प्रदर्शन में निरंतरता जरूरी होगी। आपको बार बार मैच जीतने वाला प्रदर्शन करना होगा।'

पांच खिलाड़ियों को शामिल करने का प्रावधान

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के संविधान के मसौदे में कई आमूलचूल परिवर्तन प्रस्तावित किए गए हैं। इसमें 14 सदस्यीय कार्यकारी समिति में कम से कम पांच पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ियों को शामिल करने और अविश्वास प्रस्ताव के जरिए पदाधिकारियों को हटाने का प्रावधान शामिल है। सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव द्वारा तैयार संविधान का मसौदा उच्चतम न्यायालय को सौंप दिया गया है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की उच्चतम न्यायालय की पीठ ने 25 मार्च को एआईएफएफ संविधान को अंतिम रूप देने से संबंधित याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई शुरू की।

मियामी ओपन

दर्शक दीर्घा में मेसी, जोकोविच ने फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| मियामी गार्डन्स

चौथी वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच ने ग्रिगोर दिमित्रोव को हराकर मियामी ओपन टेनिस के फाइनल में प्रवेश किया तो दर्शक दीर्घा में उनके लिए तालियां बजाने वालों में महान फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी शामिल थे। जोकोविच ने 14वीं वरीयता प्राप्त दिमित्रोव को 6-2, 6-3 से हराया। सातवें मियामी ओपन खिताब के लिए उनका सामना 19 साल के गैर वरीय जाकूब मेंसिक से होगा जिन्होंने तीसरी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज को 7-6, 4-6, 7-6 से परास्त किया। सैंतीस वर्ष के जोकोविच अगर जीत जाते हैं तो यह उनका सौवां पेशेवर खिताब होगा। कोर्ट पर इंटरव्यू में जोकोविच ने मेसी की मौजूदगी का जिक्र किया। मेसी मेजर लीग फुटबॉल में इंटर मियामी के लिए खेलते हैं। उन्होंने बताया कि मेसी अपनी पत्नी और बच्चों के साथ लॉकर रूम में भी आए और उन्होंने एक दूसरे को तोहफे दिए।

ब्राजील ने शर्मनाक हार के बाद कोच को हटाया

साओ पाउलो। ब्राजील के कोच डोरिवल जूनियर को टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और खराब नतीजों के कारण 14 महीने के भीतर ही पद से हटा दिया गया। ब्राजील को ब्यूनस आयर्स में अर्जेंटीना ने 4-1 से हराया जो विश्व कप क्वालीफायर मुकाबले में उसकी सबसे शर्मनाक हार है। इसके तीन दिन बाद ही ब्राजीली फुटबॉल परिसंघ के अध्यक्ष एडनाल्डो रौड्रिगेस ने जूनियर को हटाने का फैसला किया। उन्होंने मीडिया से कहा, 'परिसंघ यह घोषणा करता है कि डोरिवल जूनियर का कार्यकाल पूरा हो गया। अब हम विकल्प की तलाश कर रहे हैं।' ब्राजील विश्व कप 2026 दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग तालिका में पांचवें स्थान पर है। शीर्ष छह टीमें स्वतः क्वालीफाई करेंगी। ब्राजील पिछले साल कोपा अमेरिका के क्वार्टर फाइनल में उरूग्वे से हारकर बाहर हो गया था।

साउथ आस्ट्रेलिया ने 29 साल में पहली बार जीती शेफील्ड शील्ड

एडीलेड। साउथ आस्ट्रेलिया ने क्वींसलैंड को चार विकेट से हराकर 29 साल में पहली बार शेफील्ड शील्ड क्रिकेट टूर्नामेंट जीता। साउथ आस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में छह विकेट पर 270 रन बनाकर चौथे दिन ही जीत दर्ज की। जेसन संघा ने नाबाद 126 रन बनाए जबकि आस्ट्रेलियाई विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने 105 रन की पारी खेली। दोनों ने 202 रन की साझेदारी की। क्वींसलैंड की टीम पहली पारी में 95 रन पर आउट हो गई थी। जवाब में साउथ आस्ट्रेलिया ने 271 रन बनाए थे। क्वींसलैंड ने दूसरी पारी में 445 रन बनाकर साउथ आस्ट्रेलिया को 270 रन का लक्ष्य दिया था।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को पहले वनडे में 73 रन से रौंदा

एजेंसी ▶▶| नेपियर

मार्क चैपमैन (132 रन) और डेरिल मिचेल (76) के बीच 199 रन की साझेदारी के दम पर न्यूजीलैंड ने पहले वनडे में नौ विकेट पर 344 रन बनाकर पाकिस्तान को 73 रन से परास्त किया।

चैपमैन ने तीसरा वनडे शतक जमाकर न्यूजीलैंड को शुरुआती झटकों से निकाला। न्यूजीलैंड ने 13वें ओवर तक तीन विकेट गंवा दिए थे। न्यूजीलैंड के लिए खेलने वाले पाकिस्तान मूल के मोहम्मद अब्बास ने 24 गेंद में 50 रन बनाए जो वनडे क्रिकेट में पदार्पण पर किसी खिलाड़ी का सबसे तेज अर्धशतक है। बाबर आजम ने पाकिस्तान के लिए 83 गेंद में 78 रन बनाए लेकिन उनके आउट होने के बाद पाकिस्तान ने 22 रन के भीतर सात विकेट गंवा दिए। उस्मान खान और अब्दुल्ला शफीक ने पहले विकेट के लिए 83 रन जोड़े। बाबर और मोहम्मद रिजवान ने तीसरे विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी की। इसके बाद बाबर और सलमान आगा ने चौथे विकेट के लिए 85 रन जोड़े।

पिछले तीन आईसीसी टूर्नामेंट खेलने वाले सभी भारतीय खिलाड़ी सम्मान के हकदार: रोहित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनकी टीम ने पिछले नौ महीनों में क्रिकेट के उतार चढ़ावों का सामना करते हुए सफलता हासिल करने के लिए सामूहिक संघर्ष किया है। पिछले तीन आईसीसी टूर्नामेंटों में भाग लेने वाली टीम का प्रत्येक सदस्य सम्मान का हकदार है। भारत को पिछले तीन आईसीसी सीमित ओवरों के टूर्नामेंट में 24 मैचों में से एक में ही पराजय का सामना करना पड़ा जब 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में अहमदाबाद में उसे आस्ट्रेलिया ने हराया। भारत ने पिछले साल टी20 विश्व कप और इस साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती। इसके बीच भारत को न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया के हाथों टेस्ट श्रृंखलाओं में पराजय झेलनी पड़ी।

24 में से 23 मैच जीतना अविश्वसनीय

भारत के कप्तान के तौर पर अपने कार्यकाल के बारे में रोहित ने कहा, 'इस टीम ने तीन बड़े टूर्नामेंटों में जो हासिल किया है। इस तरह के टूर्नामेंट खेलना और बस एक मैच हारना और वह भी फाइनल (2023 वनडे विश्व कप)। सोचो कि अगर हम वह भी जीत जाते तो तीन आईसीसी टूर्नामेंटों में अपराजेय रहते। ऐसा कभी सुना ही नहीं है। 24 में से 23 मैच जीतना। बाहर से यह बहुत अच्छा लगता है लेकिन इस टीम ने काफी उतार चढ़ाव देखे हैं।'

देखा कठिन समय

रोहित ने मुंबई इंडियंस के 'एक्स' पेज पर टीम द्वारा डाले गए वीडियो में कहा, 'हमने कठिन समय भी देखा है लेकिन फिर आपको जश्न मनाने का मौका भी मिला। मेरा मानना है कि पिछले तीन टूर्नामेंट खेलने वाला हर खिलाड़ी सम्मान का हकदार है।'

लगातार दो श्रृंखला हारे पर जीती चैंपियंस ट्रॉफी

रोहित का इंटरव्यू ऐसे समय में आया जब बीसीसीआई के आला अधिकारी भविष्य की रुपरेखा तय करने के लिए बैठक करने वाले थे लेकिन वह बैठक स्थगित कर दी गई। रोहित ने कहा, 'यह उन सभी खिलाड़ियों के लिए है जो किसी मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं और निराशा में हैं, वे वापसी करना चाहते हैं और परिस्थितियां जो भी हो, बुलंदियां छूना चाहते हैं। हम घर में श्रृंखला हार गए और आस्ट्रेलिया में अच्छा नहीं खेल सके। इसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी जीती। पिछले नौ महीने इस बात का बेहतरीन उदाहरण है कि जीवन कैसा है। इसमें उतार चढ़ाव हमेशा रहेंगे।'

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25

हमारी न्यायपालिका की साख पर अधजले नोट की कालिख लगी है। सच या साजिश, अभी इसका पता नहीं है। देश की सर्वोच्च अदालत सजग है। दिल्ली हाई कोर्ट के जज न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा पर आरोप लगे हैं कि उनके राष्ट्रीय राजधानी स्थित आवास परिसर में आग की घटना के दौरान भारी मात्रा में अधजले नोट आग बुझाने के समय मिले हैं। इसके बाद से देश का न्याय तंत्र हिला हुआ है। हमारी न्याय व्यवस्था पर तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं। जस्टिस वर्मा ने अपनी सफाई में कहा है कि वो उस दिन दिल्ली में नहीं थे, उनके आवास के जिस बाहरी हिस्से में आग लगी, उस तरफ उनके परिवार का जाना-आना नहीं है, वहां मिले अधजले नोट उनके व उनके परिवार के किसी के नहीं हैं, उनके खिलाफ साजिश हो रही है। इस मामले को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने एक रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अधजले नोट मामले की जांच के लिए आंतरिक स्तर पर तीन सदस्यीय कमिटी गठित कर दी है। ऐसे कई मौके आए हैं, जिसमें हमारी न्यायपालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। फिर भी जन मानस को यदि इंसाफ की एक उम्मीद है तो वह न्यायपालिका से ही है। आज न्यायपालिका के सामने इस उम्मीद को जिंदा रखने की चुनौती है। अधजले नोट मुद्दे के बहाने इंसाफ के संकट व न्यायिक सुधार पर आजकल का ताजा अंक...

जवाबदेह-भ्रष्टाचारमुक्त न्याय तंत्र कब?

विश्लेषण

प्रो. नीलम महाजन
राजनीतिक विश्लेषक एवं सॉलिसिटर

सुप्रीम कोर्ट ने अधजले नोट मामले की जांच के लिए आंतरिक स्तर पर तीन सदस्यीय कमिटी गठित कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा को न्यायिक कार्य से निलंबित कर दिया है और उन्हें इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया है। इन सबमें सवाल है कि जस्टिस वर्मा के आवास परिसर में नोट कहां से आए, किनके हैं, नोट जस्टिस वर्मा के नहीं हैं, तो उनके घर कैसे पहुंचे, किसने पहुंचाए, क्या एक जज के आवास पर कड़ी सुरक्षा के पहरे में किसी शख्स के लिए नोट पहुंचाना संभव है? किसी ने साजिश की है, तो भला उन्होंने ऐसा क्या किया कि उनके खिलाफ किसी ने साजिश की? फिलहाल तो उनके आवास परिसर में अधजले नोट मिले हैं, तो उनकी जवाबदारी है।

अगस्त, 2017 में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में कथित तौर पर ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होने के कारण 60 बच्चों की मौत मामले में चिकित्सीय लापरवाही का आरोप झेल रहे डॉ. कफ़ील ख़ान को वर्ष 2018 में इलाहाबाद हाई कोर्ट में अपने कार्यकाल के दौरान जमानत देने वाले जस्टिस यशवंत वर्मा आजकल सुर्खियों में हैं। जज के नाते अपने फैसलों की वजह से नहीं, बल्कि अपने आवासीय परिसर में मिले अधजले नोटों के चलते हर किसी की जुबान पर हैं। दिल्ली हाई कोर्ट के जज न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा पर आरोप लगे हैं कि उनके राष्ट्रीय राजधानी स्थित आवास परिसर में आग की घटना के दौरान भारी मात्रा में अधजले नोटों की गड्डियां आग बुझाने के समय मिले हैं। इसके बाद से जनता के मन में न्यायिक तंत्र में अविश्वास बड़ा हुआ है। हमारी न्याय व्यवस्था पर तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं। हाई कोर्ट के जज को सभी लक्जरी सुविधाएं सरकार से मिलती हैं, ताकि वो लालचमुक्त हो निडर होकर न्याय कर सकें।

जस्टिस वर्मा ने अपनी सफाई में कहा है कि वो उस दिन दिल्ली में नहीं थे, उनके आवास के जिस बाहरी हिस्से में आग लगी, उस तरफ उनके परिवार का जाना-आना नहीं है, वहां मिले अधजले नोट उनके व उनके परिवार के किसी के नहीं हैं, व यह उनके खिलाफ साजिश है। इस मामले को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने एक रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंपी है। सुप्रीम कोर्ट ने अधजले नोट मामले की जांच के लिए आंतरिक स्तर पर तीन सदस्यीय कमिटी गठित कर दी है। कमिटी में न्यायमूर्ति शील नागू, न्यायमूर्ति जी. एस. संधावालिया व न्यायमूर्ति अनु सिवारमन हैं। जांच पड़ताल के उपरांत रिपोर्ट सर्वोच्च न्यायालय को दी जायेगी। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा को न्यायिक कार्य से निरस्त कर दिया है व उन्हें इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया है। इन सबमें सवाल है कि जस्टिस वर्मा के आवास परिसर में नोट कहां से आए, किनके हैं, नोट जस्टिस वर्मा के नहीं हैं, तो उनके घर कैसे पहुंचे, किसने पहुंचाए, क्या एक जज के आवास पर कड़ी सुरक्षा के पहरे में किसी शख्स के लिए नोट पहुंचाना संभव है? किसी ने साजिश की है, तो भला उन्होंने ऐसा क्या किया कि उनके खिलाफ किसी ने साजिश की? फिलहाल तो उनके आवास परिसर में अधजले नोट मिले हैं, तो उनकी जवाबदारी है। यूं तो अभी कमिटी की जांच के परिणाम का इंतजार है, लेकिन इस पूरी घटना में हमारे न्याय तंत्र के उच्च स्तर पर व्याप्त कदाचार की बू आ रही है। भारतीय जनमानस में एक मान्यता है कि नेता, अफसर भ्रष्ट हो सकते हैं, लेकिन हमारे माननीय जज भ्रष्ट नहीं हो सकते। भ्रष्टाचार केवल आर्थिक ही नहीं है, बल्कि नैतिक भ्रष्टाचार भी राजकीय तंत्र को खोखला कर रहा है। यह पहली बार नहीं है, जब एक जज सवालों के घेरे में हैं, अनेक ऐसे मौके आए हैं, जिसमें न्यायपालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। फिर भी जन मानस को यदि इंसाफ की एक उम्मीद है तो वह न्यायपालिका से ही है। आज न्यायपालिका के सामने इस उम्मीद को जिंदा रखने की चुनौती है।

चीनी मिल केस कनेक्शन

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास से कथित नकदी बरामदगी ने उनके पिछले वित्तीय लेन-देन, विशेष रूप से 2018 सिंभावली चीनी मिल धोखाधड़ी मामले से उनके संबंधों की जांच को फिर से जिंदा कर दिया है। तब वर्मा को 97 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में आरोपी बनाया गया था। 14 मार्च को दिल्ली हाई कोर्ट के जज के आवास के एक स्टोर रूम में आग लगी थी, जहां पर कथित तौर पर उनके आवास परिसर से बड़ी मात्रा में अधजले नोट मिले थे। अभी यशवंत वर्मा के ख़िलाफ़ 'इन-हाउस' जांच प्रक्रिया जारी है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने प्रस्ताव दिया है कि जस्टिस वर्मा को दिल्ली से हटाकर वापस इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया जाए। हालांकि, इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने फैसले पर आपत्ति जताई है, इसके बाद भी उन्हें इलाहाबाद भेजा गया है।

इससे पहले भी कई मामले

10 अगस्त 2023 को ईडी ने हरियाणा के विशेष सीबीआई न्यायाधीश, सुधीर परमार को गिरफ़्तार किया, जिन्हें पहले अनुकूल फैसले के बदले में 5 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा पर आरोप लगे कि वे केवल अपनी पसंद के न्यायाधीशों पर ही ज़ोर देते हैं। सेवानिवृत्त न्यायाधीश, आई.एम. कुद्दुसी पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को रिश्वत देने की साज़िश रचने का आरोप था, जिस मामले की सुनवाई खुद जस्टिस दीपक मिश्रा ने की थी। कुद्दुसी को सितंबर में कथित न्यायिक रिश्वतखोरी गिरोह में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश शमित मुखर्जी की वर्ष 2003 में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की गई गिरफ्तारी, जो कानूनी इतिहास में इस तरह की पहली गिरफ्तारी है, ने न्यायिक नैतिकता पर बहस छेड़ दी थी। वर्ष 1993 में जस्टिस रामास्वामी को 14 में से 11 आरोपों में दोषी पाया गया था। जज निर्मल यादव का 'कैश एट होम कांड' सभी को मालूम है। 29 मार्च को चंडीगढ़ के सीबीआई न्यायाधीश ने जज निर्मल यादव को दोष मुक्त किया है।

चीफ जस्टिस से मार्मिक अपील

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, इस वर्ष मई में सेवानिवृत्त हो रहे हैं, उनसे निवेदन है कि वे एक जूडिशल ऑर्डर पास कर दें कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के दोषी न्यायाधीशों के साथ सामान्य नागरिक के समान कानूनी कार्रवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया का ध्येय वाक्य में न्याय की जीत का विवरण है। सुप्रीम कोर्ट के चिन्ह (लोगो) में अशोक चक्र बना हुआ है, जिसके नीचे संस्कृत का श्लोक लिखा हुआ है - 'यतो धर्मस्ततो जयः' संस्कृत के इस श्लोक का अर्थ है 'जहां धर्म है, वहां जय (जीत) है'। क्या देश में न्याय की जीत हो रही है? क्या आमजन अपनी अदालतों से इंसाफ की उम्मीद रख पा रहे हैं? क्या इंसाफ के सौदे नहीं हो रहे हैं? क्या हमारी न्याय व्यवस्था खर्चीली नहीं होती जा रही है? क्या यह क्षेत्र अत्यधिक अव्यवस्थित नहीं है? क्या न्याय व्यवस्था साधारण आदमी को न्याय दे पा रही है? न्याय सिस्टम इतना पेचीदा है कि मुकदमेबाजी में अनेक घर बर्बाद हो जाते हैं। सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति तीर्थ सिंह ठाकुर ने राज्यों के उच्च न्यायालयों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व कानून मंत्री की मौजदूगी में एक बार अपने मन की व्यथा व्यक्त करते हुए रोकर कहा था कि हम, 'जनता को न्याय नहीं दे पा रहे हैं'। उन्होंने न्यायपालिका में अधूरे रिक्त पदों पर भराई ना होने पर दुःख जताया था। न्याय तंत्र में जजों की करीब 60 फीसदी की कमी है। उच्च न्यायालयों व सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्तियों को पारदर्शी बनाने की जरूरत है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम की आवश्यकता महसूस हो रही है। कॉलेजियम को लेकर सरकार के साथ टकराव है।

न्याय प्रणाली में अब तक सुधार के प्रयास

ई-कोर्ट परियोजना, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई, टेली-लॉ कार्यक्रम, न्यायिक बुनियादी ढांचे में सुधार, न्यायिक सुधारों पर कार्य अनुसंधान और अध्ययन, फास्ट ट्रैक कोर्ट, न्यायबंधु प्लेटफॉर्म और उमंग ऐप, प्रौद्योगिकी का उपयोग, न्याय प्रतिपादन और विधिक सुधार के लिए राष्ट्रीय मिशन, सरकार ने मध्यस्थता, पंचनिर्णय और लोक अदालतों जैसे वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) तंत्रों को मज़बूत किया है। वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम, 2015 वाणिज्यिक विवादों में पूर्व-संस्थागत मध्यस्थता को अनिवार्य बनाता है, जिससे समाधान की गति बढ़ जाती है। मध्यस्थता और सुलह (संशोधन) अधिनियम, 2015 ने मध्यस्थता के माध्यम से विवादों को सुलझाने के लिए समयसीमा शुरू की है। मध्यस्थता अधिनियम, 2023 सिविल और वाणिज्यिक विवादों में मध्यस्थता की सुविधा प्रदान करता है। लोक अदालतों से लंबित मामलों को कम करने में मदद मिली है। लंबित मामलों को कम करने तथा न्याय प्रदान करने में तेज़ी लाने के लिए कई कानूनों में संशोधन किया गया है। इनमें वाणिज्यिक न्यायालय (संशोधन) अधिनियम 2018, मध्यस्थता व सुलह (संशोधन) अधिनियम, 2019 तथा आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम 2018 शामिल हैं।

न्याय देने में चुनौतियां

न्याय तक पहुंच में असमानता, इंसाफ की प्रक्रिया जटिल, डिजिटल तकनीक का अभाव, लंबित मामलों की संख्या, न्यायिक रिक्तियां, इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी, न्यायिक जवाबदेही का अभाव, न्याय तक पहुंच में बाधाएं, प्रतिनिधित्व और विविधता का अभाव, विशेषकर लिंग, जाति और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के संदर्भ में आदि। न्यायिक सुधारों में एक महत्वपूर्ण बाधा न्यायपालिका और न्यायालय के कर्मचारियों दोनों की ओर से नई प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं को अपनाने का प्रतिरोध है। व्यवस्था के भीतर कई लोग पारंपरिक तरीकों के अभ्यस्त हैं, जो सुधारों को अपनाने की प्रक्रिया को धीमा कर देता है। पर्याप्त धन की कमी न्यायिक सुधारों के कार्यान्वयन में एक बड़ी बाधा है। इससे डिजिटल बुनियादी ढांचे को अपनाने, नई सुविधाओं के निर्माण व न्यायिक प्रणाली के समग्र आधुनिकीकरण पर असर पड़ता है।

आगे की जरूरतें

न्यायपालिका की स्वतंत्रता बढ़ाना, न्याय प्रणाली की निष्पक्षता में सुधार करना, न्याय की गति बढ़ाना, न्यायिक अवसंरचना विकास करना, न्यायिक रिक्तियों को भरना। न्यायिक सुधारों के लिए न्यायपालिका, कार्यपालिका तथा विधायिका के बीच सहयोग की आवश्यकता है। इन शाखाओं के बीच समन्वय की कमी एवं निर्णय लेने में देरी से सुधार प्रक्रिया में बाधा आती है। इसलिए कार्यपालिका और विधायिका के साथ समन्वय की आवश्यकता है। डिजिटलीकरण, ऑनलाइन केस फाइलिंग और एआई-सहायता प्राप्त केस प्रबंधन के लिए ई-कोर्ट परियोजना का विस्तार करना चाहिए। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण को मज़बूत करने, सचल विधिक क्लीनिकों का विस्तार करने तथा हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए टेली-लॉ जैसी पहल को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। अनावश्यक मुकदमेबाजी को कम करने और कानूनी जागरूकता के लिए लाइव स्ट्रीमिंग, क्षेत्रीय भाषा में निर्णय, शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से सार्वजनिक सहभागिता को संवर्द्धित किया जा सकता है। समय आ गया है कि न्यायपालिका को आत्म चिंतन का उद्घोष होना चाहिए।

न्यायपालिका में पारदर्शिता पर उठते सवाल

दो टूक

रवि शंकर
वरिष्ठ स्तंभकार

भारत में 75 साल के इतिहास में कई ऐसे मौके आए हैं जब न्यायपालिका पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर नोटों में आग लगने की घटना ने एक बार फिर इस मुद्दे को सुर्खियों में ला दिया।

इससे न्यायपालिका की साख को भी गहरा झटका लगा है। शायद यही वजह है कि पहली बार देश के प्रधान न्यायाधीश ने इस मामले से संबंधित प्रारंभिक रिपोर्ट और जले हुए नोटों के वीडियो सार्वजनिक किए। यह भी अच्छी बात है कि इस मामले की जांच के लिए तीन हाई कोर्टों के मुख्य न्यायाधीशों की समिति बिना देर किए बनाई गई है। भारतीय न्यायपालिका लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो संविधान और नागरिक अधिकारों की रक्षा करती है। लेकिन हाल के वर्षों में न्यायपालिका में पारदर्शिता, जवाबदेही और भ्रष्टाचार से जुड़े मुद्दों ने इसकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए हैं। भारत में जहां न्यायपालिका की स्वतंत्रता को सर्वोच्च माना गया है, वहीं पारदर्शिता की कमी कई बार संदेह और आलोचना का विषय बनती रही है।

पहले भी कई मामले सामने आए

इस मामले का महत्व इसलिए बहुत ज्यादा है क्योंकि ऐसे समय में जब लोगों का अन्य सरकारी संस्थाओं से विश्वास उठ गया है, तब न्यायपालिका को बिल्कुल साफ-सुथरा दिखने की जरूरत है। पिछले कुछ दशकों में, न्यायपालिका से जुड़े कई मामले सामने आए हैं। कलकत्ता हाई कोर्ट के जज सौमित्र सेन ने संसद में उनके खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया के दौरान ही इस्तीफा दे दिया था। उन पर धन के दुरुपयोग का आरोप था। दिल्ली हाई कोर्ट के जज शामित मुखर्जी ने रिश्वत लेने के आरोप लगने के बाद इस्तीफा दे दिया था। सिक्किम हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस पी.डी. दिनाकरण ने भी भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद इस्तीफा दे दिया था। अब सुप्रीम कोर्ट जस्टिस वर्मा के आवास पर नकदी की जांच कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट को इस 17 साल पुराने मामले को ध्यान में रखना चाहिए। जस्टिस वर्मा केस ने इन पुराने घावों को फिर से कुरेद दिया है।

सरकार-जनता की भूमिका नहीं

साफ है, न्यायपालिका में जवाबदेही की कमी और पारदर्शिता का अभाव इन समस्याओं को बढ़ावा देता है। वर्तमान में भारत में न्यायाधीशों की नियुक्ति कॉलेजियम प्रणाली के तहत होती है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश ही नए न्यायाधीशों का चयन करते हैं। इसमें सरकार व जनता की कोई भूमिका नहीं होती, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठते हैं। वर्ष 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) को असंवैधानिक करार दिया, जिससे सुधार की संभावनाओं पर विराम लग गया। न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनाए रखते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाए जाने की बहस आज भी जारी है। नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड के अनुसार 26 मार्च तक देश की अदालतों में चार करोड़ 54 लाख से ज्यादा मुकदमे विचाराधीन पड़े थे। इनमें 46.43 लाख से ज्यादा केस 10

साल से ज्यादा पुराने हैं। यह मान लें कि औसतन एक मुकदमे में कम से कम दो या तीन व्यक्ति पक्षकार होते हैं तो देश में करीब 10 से 15 करोड़ लोग मुकदमेबाजी के शिकार हैं। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। बीते पांच साल के दौरान अदालतों में भ्रष्टाचार की 1631 शिकायतें दर्ज की गई हैं। शायद इस प्रकरण के निष्कर्ष भी बहुत जल्दी सार्वजनिक न किए जाएं, क्योंकि एक न्यायाधीश के खिलाफ किसी भी तरह की कानूनी, आपराधिक प्रक्रिया बेहद जटिल और लंबी है। बेशक संविधान के अनुच्छेद 124 (4 और 5) में प्रावधान हैं, जिनके तहत न्यायाधीशों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है, लेकिन यह भी इतना सपाट और आसान नहीं है। महाभियोग के जरिए सर्वोच्च और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को पद से हटाया जा सकता है, लेकिन संसद में आज तक महाभियोग का प्रस्ताव पारित नहीं हो सका है। बहरहाल, यदि अब तीन न्यायाधीशों की जांच में जस्टिस यशवंत वर्मा पर आरोप साबित भी हो जाते हैं, तो वह रपट केंद्रीय कानून मंत्रालय को भेजी जाएगी। मंत्रालय उस रपट को राष्ट्रपति को प्रेषित करेगा। सिफारिश स्वीकार होने पर राष्ट्रपति महाभियोग के लिए संसद को भेजेगा। संसद में महाभियोग प्रस्ताव दो-तिहाई बहुमत से पारित हो जाता है, तभी जज को हटाया जा सकता है, लेकिन ऐसी स्थिति आज तक नहीं आई। हाई कोर्ट जज एक संवैधानिक पद है। महाभियोग के अलावा उच्च न्यायालय के जज के ख़िलाफ़ 'प्रिवेंशन ऑफ़ करप्शन एक्ट' के तहत कार्रवाई हो सकती है। पर, पुलिस ख़ुद से किसी जज के ख़िलाफ़ एफआईआर दर्ज नहीं कर सकती। राष्ट्रपति को चीफ़ जस्टिस की सलाह लेनी होगी और उसके बाद तय करना होगा कि एफआईआर दर्ज हो सकती है या नहीं। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर इन-हाउस जांच से अलग है। लेकिन अतीत में ऐसे मामले सामने आए हैं जहां जजों को आरोपों के बाद ट्रांसफर कर दिया गया था, लेकिन उन्हें कभी भी दोषमुक्त नहीं किया गया। इससे न्यायपालिका की छवि खराब होती है। सुप्रीम कोर्ट को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जस्टिस वर्मा के मामले में निष्पक्ष जांच हो और सच्चाई सामने आए। सुप्रीम कोर्ट को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि लोगों का न्यायपालिका पर बहुत अधिक विश्वास है। अगर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार होता है, तो इससे लोगों का लोकतंत्र से विश्वास उठ जाएगा। न्यायपालिका जिन चुनौतियों से जूझ रही है, उनके मद्देनजर जस्टिस वेंकटचलैय्या की सिफारिशों को लागू करने का यह सही समय हो सकता है, जिससे नियुक्ति में पारदर्शिता, न्यायिक जवाबदेही और अनुशासन सुनिश्चित हो सकेगा। इसके लिए राष्ट्रीय न्यायिक आयोग जैसी संस्था का गठन होनाा चाहिए, जिसमें न्यायपालिका के साथ-साथ कार्यपालिका और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों की भी भागीदारी हो।

'न्यायिक परिषद' का गठन हो

न्यायाधीशों के आचरण की निगरानी के लिए 'न्यायिक परिषद' की स्थापना की जानी चाहिए। न्यायाधीशों को अपनी संपत्तियों का सार्वजनिक विवरण देना अनिवार्य तो किया ही जाना चाहिए, इसके साथ, एक स्वतंत्र 'न्यायिक लोकपाल' की नियुक्ति भी होनी चाहिए, जो न्यायपालिका के भीतर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की जांच कर सके। न्यायिक नियुक्तियों और न्यायाधीशों के प्रदर्शन की नियमित समीक्षा होनी चाहिए। न्यायालयों में तकनीकी सुधार करने और ई-कोर्ट की स्थापना भी की जानी चाहिए, ताकि मुकदमों का निपटारा तेजी से हो सके। स्पष्ट है, न्याय में देरी, नियुक्ति प्रक्रिया की गोपनीयता और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए ठोस सुधार जरूरी हैं। न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए इसे अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने की जरूरत है। यही लोकतंत्र की असली गारंटी है।

धीमी रफ्तार से न्याय-व्यवस्था बीमार

न्यायपालिका

डॉ. सुनील कुमार मिश्र
एसोसिएट प्रोफेसर,
वीआईपीएस, नई दिल्ली

किसी भी देश में लोकतांत्रिक मूल्यों को जिंदा रखने में उस देश की न्यायपालिका महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। न्यायपालिका का सुदृढ़ होना न सिर्फ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है अपितु देश को किसी भी अराजक स्थिति से बचाने में यह रक्षा कवच के रूप में कार्य करती है। सशक्त से अशक्त को न्याय दिलाने वाली न्यायपालिका का स्थान लोकतंत्र में काफी ऊंचा है, परन्तु न्याय की उम्मीद लिए आम जनमानस की इस अंतिम शरणस्थली में मिलने वाली प्रत्येक अगली तारीख पीड़ित की वेदना को बढ़ाने का कार्य करती है, और समय बीतने के साथ यह वेदना पीड़ित के न्यायपालिका में विश्वास का ह्रास करती जाती है। तारीख पर तारीख झेलने वाले अनगिनत मुकदमों में फैसला तब आता है जब उस फैसले का कोई औचित्य नहीं रह जाता क्योंकि इस दौरान पीड़ित व्यक्ति सामाजिक, आर्थिक एवं शारीरिक दुर्दशा की उस पीड़ा को झेलने को विवश होता है जो न्याय मिलने के बाद भी समाप्त नहीं होती है। न्याय के लिए साक्ष्य आवश्यक हैं, साक्ष्य के अभाव में न्यायालय से अनगिनत आरोपी सजा से बच निकलते हैं।

सुधार की आवश्यकता

ऐसे में न्याय व्यवस्था पर प्रश्न खड़े करने से पहले हमें सामाजिक व्यवस्था को भी कटघरे में खड़ा करना चाहिए क्योंकि सामाजिक महिमामंडन एवं राजनीतिक संरक्षण रूपी कवच कई अवसरों पर आरोपी और साक्ष्य के बीच दूरी पैदा कर देता है जिससे न्याय प्रक्रिया भी लंबित हो जाती है। गम्भीर बीमारी बताकर जमानत प्राप्त करने वाला कोई धनाढ्य व्यक्ति अगले ही दिन जब कोई सार्वजनिक सभा में सम्मिलित हुआ दिखलाई देता है तो हमारी न्याय व्यवस्था हंसी के पात्र के रूप में दिखती है। वर्तमान में अदालतों को त्वरित रूप से कार्य सम्पादित करने के लिए कुछ सुधार की आवश्यकता है। कुछ सुधार संसाधन से जुड़े हैं तो कुछ इच्छा शक्ति पर निर्भर करते हैं, कुछ कार्य प्रबंधन से तो कुछ उपलब्ध कानून में बदलाव की मांग करते हैं। आज अदालतों के समक्ष कार्यभार प्रबंधन जैसी बड़ी चुनौती स्पष्ट रूप से दिखलाई देती है क्योंकि देश में बढ़ते अपराध एवं अदालतों की आधारभूत संरचना में काफी अंतर है। निचली अदालतों से लेकर सुप्रीमकोर्ट में लंबित केसों की संख्या में बढ़ोत्तरी कानून व्यवस्था के समक्ष मुश्किलें पैदा कर रही हैं। देश में साढ़े चार करोड़ से अधिक केस लंबित हैं, उनमें जजों की संख्या एवं आधारभूत संरचना न्याय प्रक्रिया की गति को बाधित करती हैं।

उपलब्ध संसाधनों में कमी

निचली अदालतों से लेकर सुप्रीम कोर्ट आने वाले मामलों का निपटारा समय से कर सके, इसके लिए अदालतों में मानव संसाधन बढ़ाने के साथ ही तकनीकी क्षमता भी बढ़ानी होगी जिससे न्याय प्रक्रिया को गति प्रदान की जा सके। देश के 25 उच्च न्यायालयों में भी लंबित केस की संख्या काफी है जबकि उपलब्ध संसाधन में कमी दिखती है। विगत एक दशक में अदालतों में

आधुनिक सुविधाओं की उपलब्धता बढ़ी है एवं आधारभूत संरचना में भी सुधार हुआ है परन्तु अभी भी 140 करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले देश के लिए यह कम है। ऐसे में सरकार की यह जिम्मेदारी बनती है कि अदालतों में आवश्यक मानव संसाधन एवं तकनीकी संसाधन की आवश्यक उपलब्धता सुनिश्चित करे जिससे अदालतें अपना कार्य सुचारू रूप से सम्पादित कर सकें। वीडियो कांफ्रेंसिंग से होने वाली सुनवाई प्रक्रिया भी दूर-दराज के क्षेत्र से जुड़े मामलों को गति प्रदान कर सकती है जिसके लिए सभी आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता आवश्यक हो जाती है।

सामाजिक व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो, इसके लिए न्याय व्यस्था का सुदृढ़ एवं सशक्त होना भी आवश्यक है। ऐसे में सरकार द्वारा किए गए संविधान संशोधन न्यायपालिका को और अधिक शक्ति प्रदान करें जिससे बदलते सामाजिक परिवेश में अदालतें न्याय सम्मत फैसला कर सकें। संसद एवं न्यायपालिका की दिशा का एक होना देशहित में है जबकि किसी प्रकार का मतभेद लोकतंत्र को कमजोर कर सकता है। इंदिरा गांधी के समय में जब सरकार ने संविधान का 24वां संशोधन किया था, तब संसद एवं न्यायपालिका के बीच टकराव की स्थिति देखी गई थी। इसके कुछ समय बाद ही केशवानंद भारती केस में एसएम सीकरी की अगुआई में 13 सदस्यीय बेंच ने अपने फैसले में कहा था कि सरकारें संविधान से ऊपर नहीं हैं, सरकार कानून में कोई बदलाव करती है तो अदालत को सरकार के उस फैसले की न्यायिक समीक्षा का अधिकार है। निश्चित रूप से न्यायसंगत कोई भी निर्णय स्वीकार्य होना चाहिए, एवं लोकतंत्र के सभी स्तम्भ सहगामी होने चाहिए जिससे राष्ट्र को और अधिक सशक्त किया जा सके। आज हम सामाजिक सुधारों की बात तो करते हैं परन्तु बात जब न्यायिक सुधार की होती है तो कभी-कभी न्यायपालिका का मौन कचोटता भी है क्योंकि सामाजिक सुधारों का रास्ता न्यायपालिका की पवित्र चौखट से होकर ही जाता है। सरकार सामाजिक सुधारों की दिशा में अनेक कदम उठा रही है, यह प्रयास तभी फलीभूत होंगे जब कार्यपालिका एवं विधायिका के साथ ही न्यायपालिका में भी पारदर्शी व्यवस्था हो। राष्ट्रीय न्यायिक आयोग विधेयक 2014 इस दिशा में सरकार द्वारा बढ़ाया गया एक कदम था। जस्टिस वर्मा से जुड़े ताजा प्रकरण ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए शुरू हुई कालेजियम प्रणाली पर एक बार फिर से समाज में बहस छेड़ दी है, जिसे समाप्त करना प्रधान न्यायाधीश के अतिरिक्त उन 4 न्यायाधीशों के विवेक पर निर्भर करता है जो वर्तमान कालेजियम का हिस्सा हैं।

मूल्यपरक आचरण की अपेक्षा

न्याय के सिंहासन पर बैठे न्यायाधीश से मूल्यपरक आचरण की अपेक्षा की जाती है, जो न सिर्फ न्याय व्यवस्था के प्रति सम्मान का स्तर निर्धारित करती है अपितु इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश भी जाता है। निचली अदालत हो या फिर उच्च न्यायालय, न्यायधीशों द्वारा की गई कोई भी टिप्पणी न्यायपालिका के आदर्शों को स्थापित करने वाली होनी चाहिए। विगत दिनों सुप्रीमकोर्ट ने इलाहबाद हाईकोर्ट द्वारा दुष्कर्म से जुड़े एक फैसले पर की गई टिप्पणी को न सिर्फ असंवेदनशील बताया अपितु इस प्रकार की टिप्पणी को कानूनी रूप से अव्यावहारिक भी कहा। दो वर्ष पहले कोलकाता हाईकोर्ट द्वारा यौन हिंसा से जुड़े एक मामले पर की गयी टिप्पणी को भी सुप्रीमकोर्ट ने बेहद गैरजरूरी बताया था। निश्चित रूप से न्याय की उम्मीद में न्यायालय में बैठी पीड़िता पर जब ऐसी टिप्पणी की जाती है तो इससे न सिर्फ पीड़िता के जख्म हरे हो जाते हैं अपितु अपराधी प्रवृत्ति के लोगों का मनोबल भी बढ़ता है, जो न तो न्याय व्यवस्था के लिए ठीक है न ही सामाजिक व्यवस्था के लिए।

किसी भी पार्टी की जीत उसकी कड़ी मेहनत पर निर्भर

भाजपा कम से कम 30 साल तक केंद्र की सत्ता में रहेगी : अमित शाह

यदि आप अपने लिए नहीं बल्कि देश के लिए जीते हैं, तो जीत आपकी होगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विश्वास जताया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण कम से कम 30 साल तक केंद्र में सत्ता में बनी रहेगी। शाह ने कहा कि लोकतंत्र में किसी भी पार्टी की जीत उसकी कड़ी मेहनत पर निर्भर करती है तथा यदि वह दिन-रात मेहनत करती है और ''यदि आप अपने लिए नहीं बल्कि देश के लिए जीते हैं, तो जीत आपकी होगी।एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा, 'जब मैं भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष था तो मैंने कहा था कि भाजपा अगले 30 साल तक सत्ता में रहेगी। अभी तो केवल 10 साल ही बीते हैं।'' वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि जब कोई पार्टी अच्छा प्रदर्शन करती है, तो उसे जनता का भरोसा और जीतने का विश्वास मिलता है। उन्होंने कहा, ''लेकिन जो अच्छा प्रदर्शन नहीं करते, उनमें यह भरोसा नहीं होता।'

सभी भाजपा शासित राज्यों में एक-एक करके यूसीसी को लागू किया जाएगा

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के बारे में पूछे जाने पर गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा शासित सभी राज्यों में यूसीसी को एक-एक करके लागू किया जाएगा क्योंकि यह भाजपा के गठन के बाद से ही उसके प्रमुख एजेंडे में से एक रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि अपनी स्थापना के बाद से ही भाजपा का संकल्प देश में समान नागरिक संहिता लागू करने का रहा है। उन्होंने कहा, ''यह होगा। यह (समान नागरिक संहिता लागू करना) संविधान सभा का निर्णय था। कांग्रेस शायद इसे भूल गई हो लेकिन हम नहीं भूले। हमने कहा था कि हम अनुच्छेद 370 को हटाएंगे। हमने ऐसा किया है। हमने कहा था कि हम अयोध्या में राम मंदिर बनाएंगे। हमने वह भी किया है। अब समान नागरिक संहिता बाकी है। हम वह भी करेंगे।'' शाह ने कहा कि उत्तराखंड सरकार ने राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए पहले ही कानून बना दिया है। उन्होंने कहा, ''एक-एक करके सभी भाजपा शासित राज्य सरकारें इसे लागू करेंगी। गुजरात ने इसके लिए पहले ही एक समिति गठित कर दी है। यह एक सतत प्रक्रिया है। सभी राज्य अपनी सुविधा के अनुसार इसे लागू करेंगे।'' उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के दिल्ली स्थित आवास से कथित तौर पर भारी मात्रा में नकदी मिलने के बारे में पूछे जाने पर गृह मंत्री ने कहा कि भारत के प्रधान न्यायाधीश ने इस मामले का संज्ञान लिया है और (उच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीशों की एक समिति के माध्यम से) जांच का आदेश दिया है। उन्होंने कहा, ''हम इसमें सहयोग कर रहे हैं। हमें प्रधान न्यायाधीश द्वारा गठित समिति के नतीजों का इंतजार करना चाहिए।'' उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उस जनहित याचिका को ''असामयिक'' बताते हुए खारिज कर दिया था।

भाजपा का वैचारिक स्रोत, संघ कोई हस्तक्षेप नहीं करता

यह पूछे जाने पर कि क्या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के कामकाज में हस्तक्षेप करता है, गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा का वैचारिक स्रोत संघ कोई हस्तक्षेप नहीं करता। उन्होंने कहा, ''आरएसएस पिछले 100 वर्ष से देशभक्तों को तैयार कर रहा है। मैंने आरएसएस से सीखा है कि कैसे कई आयामों को एक साथ रखते हुए देशभक्ति को केंद्र में रखा जाए। हस्तक्षेप का कोई सवाल ही नहीं है।'' आंतरिक सुरक्षा की मौजूदा स्थिति के बारे में पूछे जाने पर शाह ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री के तौर पर उन्हें विरासत में तीन समस्याएं मिलीं: नक्सली हिंसा, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और पूर्वोत्तर में उग्रवाद। उन्होंने कहा, ''पिछले 10 साल में इन तीनों क्षेत्रों में 16,000 युवाओं ने आत्मसमर्पण किया है।

सभी स्थानों पर शांति लाना मेरा कर्तव्य

देश के गृह मंत्री के तौर पर इन सभी स्थानों पर शांति लाना मेरा कर्तव्य है। यह प्रधानमंत्री की प्राथमिकता है और स्वाभाविक रूप से यह मेरी भी प्राथमिकता है। इन समस्याओं के कारण इन जगहों पर विकास रुक गया था।'' उपासना स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991 पर सरकार के रुख के बारे में पूछे जाने पर गृह मंत्री ने कहा कि वह इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते क्योंकि यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। उन्होंने कहा, ''मुझे यकीन है कि उच्चतम न्यायालय इस पर उचित आदेश देगा। हम न्यायालय के आदेश का निश्चित रूप से पालन करेंगे।'

राष्ट्रपति ने 'पर्यावरण 2025' पर सम्मेलन का किया उद्घाटन

स्वच्छ पर्यावरण के लिए जागरूक और संवेदनशील बनें : द्रौपदी मुर्मू

आगामी पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण देना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को नई दिल्ली में 'पर्यावरण-2025' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण की विरासत देना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। इसके लिए हमें पर्यावरण के प्रति जागरूक और संवेदनशील जीवनशैली अपनानी होगी ताकि पर्यावरण न केवल संरक्षित हो बल्कि उसका संवर्धन भी हो और पर्यावरण अधिक जीवंत बन सके। स्वच्छ पर्यावरण और आधुनिक विकास के बीच संतुलन बनाना एक अवसर भी है और चुनौती भी।

पर्यावरण के अनुकूल मार्ग पर चलना चाहिए

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे देश और पूरे विश्व समुदाय को पर्यावरण के अनुकूल मार्ग पर चलना होगा, तभी मानवता वास्तविक प्रगति कर सकेगी। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी हरित पहलों के माध्यम से विश्व समुदाय के समक्ष कई अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी हितधारकों की भागीदारी से भारत वैश्विक स्तर पर हरित नेतृत्व की भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि हम सभी को वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है, जहां वायु, जल, हरियाली और समृद्धि पूरे विश्व समुदाय को आकर्षित करे।

हमारी विरासत का आधार पोषण , शोषण नहीं

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हमारा मानना है कि प्रकृति एक मां की तरह हमारा पोषण करती है और हमें प्रकृति का सम्मान और संरक्षण करना चाहिए। विकास की भारतीय विरासत का आधार पोषण है, शोषण नहीं, संरक्षण है, उन्मूलन नहीं। इसी परंपरा का पालन करते हुए हम विकसित भारत की ओर आगे बढ़ना चाहते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने हमारे देश के पर्यावरण शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पर्यावरण परिवर्तन का रखना होगा ध्यान

राष्ट्रपति कहा कि हमारे बच्चों और युवा पीढ़ी को व्यापक स्तर पर पर्यावरण परिवर्तन का सामना करना होगा और उसमें योगदान देना होगा। उन्होंने कहा कि हर परिवार में बड़े-बुजुर्गों को इस बात की चिंता होती है कि उनके बच्चे किस स्कूल या कॉलेज में पढ़ेंगे और कौन सा कॅरियर चुनेंगे। यह चिंता जायज है। हम सभी को सोचना होगा कि बच्चे कैसी हवा में सांस लेंगे, उन्हें कैसा पानी पीने को मिलेगा, वे पक्षियों की मधुर आवाज सुन पाएंगे या नहीं।

कसाब को पकड़ने में दिया था बलिदान

शहीद तुकाराम का स्मारक बनाएगी फड़णवीस सरकार

मुंबई। साल 2008 में हुए मुंबई हमलों में मुंबई पुलिस के जवान शहीद तुकाराम ओंबले ने हमले के एक मात्र जिंदा आतंकी अजमल आमिर कसाब को पकड़ने में बेहद अहम भूमिका निभाई थी। कसाब लगातार उन पर गोलियां चला रहा था लेकिन ऐके 47 की गोलियां लगने के बावजूद तुकाराम ओबले ने उस दरिंदे को नहीं छोड़ा था। कसाब जिंदा पकड़ा गया, तुकाराम शहीद हो गए थे। महाराष्ट्र सरकार उनका स्मारक बनाएगी। उनके सम्मान में, उनके पैतृक गांव में उनका मेमोरियल बनाया जाएगा।

शहीद तुकाराम ओंबले को अपने सर्वोच्च बलिदान के लिए मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया गया था। महाराष्ट्र सरकार ने बताया है कि शहीद ओंबले का स्मारक सतारा जिले में उनके पैतृक गांव केदांबे में बनाया जाएगा, जहां तुकाराम ओंबले का जन्म हुआ था।

वीर तेजाजी की मूर्ति से छेड़छाड़, जयपुर में बवाल, सड़कें जाम और बाजार बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। जयपुर में प्रताप नगर के वीर तेजाजी मंदिर में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा मूर्ति क्षतिग्रस्त किए जाने के बाद विहिप और बजरंग दल समेत श्रद्धालुओं ने टोंक रोड पर जाम कर दिया। सांगानेर इलाके में शुक्रवार देर रात असामाजिक तत्वों ने मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। देखते ही देखते टोंक रोड पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र ही दोषियों को गिरफ्तार किया जाए। सुबह से ही श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह घटना एक सुनियोजित साजिश के तहत धार्मिक भावनाओं को आहत करने के लिए की गई है, इसलिए कठोर कार्रवाई की जाए।

विहिप और बजरंग दल ने लगाया जाम

अपने नागपुर दौरे पर डॉ. मोहन भागवत से मिलेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को नागपुर दौरे पर जाने वाले हैं, जिसको लेकर शहर में तैयारी तेज हो चुकी है। संभावना है कि पीएम मोदी अपने नागपुर दौरे पर आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत से मुलाकात करने वाले हैं। इस मुलाकात को लेकर आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने कहा कि जब भी डॉ. भागवत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिलते हैं, तो वे देश और आरएसएस के बेहतर कार्यों पर चर्चा करते हैं। मोदी 30 मार्च को महाराष्ट्र के नागपुर का दौरा करेंगे जहां वे आरएसएस के स्मृति मंदिर, दीक्षाभूमि, माधव नेत्रालय और सोलर इंडस्ट्रियल एक्सप्लोसिव्स का दौरा करने वाले है। अंबेकर ने कहा कि संगठन का संदेश यह है कि हम खुद को बेहतर बनाते रहें और देश को बेहतर बनाने में अपने प्रयासों को लगाएं। उन्होंने बताया कि दोनों यह बात करते हैं कि संगठन के कार्यों को कैसे आगे बढ़ाया जाए और उसमें सुधार कैसे किया जाए।

आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर बोले देशहित में होगी चर्चा

उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने दर्ज कराया मामला

कॉमेडियन कामरा के खिलाफ महाराष्ट्र में तीन और एफआईआर

शिंदे पर की गई टिप्पणी से नाराजगी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

कॉमेडियन कुणाल कामरा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एकनाथ शिंदे की शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ तीन और एफआईआर दर्ज कराई है। शिवसेना के ये कार्यकर्ता एक शो के दौरान शिंदे पर की गई कामरा की कथित अपमानजनक टिप्पणी से नाराज हैं। ये तीनों मामले महाराष्ट्र के अलग-अलग इलाकों में दर्ज किए गए हैं। इन मामलों को आगे की जांच के लिए मुंबई के खार पुलिस स्टेशन को भेज दिए गए हैं। खार पुलिस पहले से ही कामरा के खिलाफ दर्ज मामले की जांच कर रही है। ये एफआईआर मयूर बोर्से नासिक के मनमाड, संजय भुजबल ने बुलढाणा के जलगांव जामोद में और सुनील जाधव ने नासिक के नांदगांव मनमाड में दर्ज कराई है।

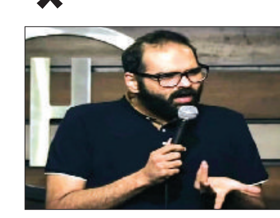

स्वाति ने मां और भाई-बहन पर की अश्लील टिप्पणी

एक और कॉमेडियन स्वाति सचदेवा ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो रिलीज किया है। इसका नाम है 'फैमिली फर्स्ट'। स्वाति कहती हैं कि मेरी मां आजकल कूल बनने की कोशिश कर रही हैं। हाल ही में उन्हें मेरा टॉय मिला। वे मेरे पास आईं और 'एक दोस्त' की तरह बात करने को कहा। मां से इसका नाम भी नहीं बोला जा रहा था। वे गैजेट और खिलौना कहकर बुला रही थी। उन्होंने दबाव देकर पूछा तो मेरे मुंह से निकल गया कि यह पापा का है।

सोनीपत में आज
खुलने जा रहा है!
कल्याण
ज्वेलर्स
कल्याण ज्वेलर्स
KALYAN
JEWELLERS
FLAT
50% OFF
ON MAKING CHARGES
ON ALL ITEMS*
*ENJOY FLAT 50% DISCOUNT ON MAKING CHARGES FOR EVERY PURCHASE OF ₹50K
*APPLICABLE ON MINIMUM PURCHASE VALUE OF ₹1 LAKH
*T&C apply. Limited period offer. **Savings per gram may vary.
***22ct gold rate for 1g on 29/03/2025 at 2:00 p.m.
KALYAN SPECIAL 1g GOLD RATE ₹8360***
SAVE ₹60 per g**
MARKET 1g GOLD RATE ₹8420***
LARGEST COLLECTION IN GOLD & DIAMOND JEWELLERY
SPACIOUS SHOWROOM
AMPLE CAR PARKING FACILITY
SONIPAT - BUILDING NO. 6B, ATLAS ROAD, TEACHERS COLONY. CRM NO.: 87088 76304
HISAR - CRM NO.: 88266 93133 | GURGAON - CRM NO.: 99710 53233 | GOLD SOUK MALL - CRM NO.: 73037 67833 | KARNAL - PH: 95991 53533 | PANIPAT - PH: 83078 13433 | FARIDABAD - CRM NO.: 84484 20433
ROHTAK - CRM NO.: 84455 43133 | KURUKSHETRA - PH: 98962 93133 | AMBALA - CRM NO.: 81685 27236 | SADAR BAZAR - CRM NO.: 74283 80133 | AMBIENCE MALL - CRM NO.: 92666 05028
409 BRANCHES SPREAD ACROSS INDIA, MIDDLE EAST AND USA | FOR MORE DETAILS CONTACT US ON TOLL FREE NUMBER: 1800 425 7333
WWW.KALYANJEWELLERS.NET | FOLLOW US ON | BUY ONLINE @ WWW.CANDERE.COM | FOR FRANCHISE ENQUIRIES WRITE TO FRANCHISEE.ENQUIRY@KALYANJEWELLERS.NET